# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, बुधवार 8 अप्रैल 2026



आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹110249/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹134650/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹146983/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

anand Jewels

Pandri, Raipur

**5** बरस में बढ़ी कामकाजी महिलाओं की संख्या, **21** प्रतिशत से अधिक का उछाल

# छत्तीसगढ़ में चौका-चूल्हा ही नहीं, बाहर का काम भी संभाल रहीं महिलाएं, शहरियों को पीछे छोड़ रहीं छोटे जिलों की 'वर्किंग वुमन'

- राज्य में महिलाओं की बदलती जीवनशैली का नया अध्याय

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में अब महिलाएं केवल घरेलू कामकाज में हाथ बंटाने वाली ही नहीं रह गई हैं, यहां महिलाएं अपने घरों से निकलकर रोजी-रोजगार से जुड़े काम करके हाउस वाइफ की जगह वर्किंग वुमन का कल्चर अपना रही हैं। यही नहीं, बदलाव के इस दौर में राज्य के बड़े शहर-जिलों की महिलाओं के मुकाबले छोटे जिले और ग्रामीण परिवेश की महिलाओं में कामकाजी बनने का जज्बा अधिक नजर आ रहा है। राज्य में यह बदलाव महिलाओं के सामाजिक आर्थिक उन्नयन ⏭शेष पेज 6 पर

खास खबर

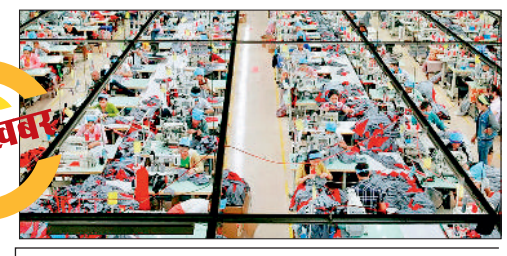

## बड़े शहरों की महिलाओं की स्थिति

छत्तीसगढ़ में बड़े और पुराने जिलों में वर्किंग वुमन की स्थिति देखें तो पता लगता है कि राजधानी रायपुर में कामकाजी महिलाओं की संख्या में 26.46 प्रतिशत की सम्मानजनक वृद्धि दर्ज की गई है (2.64 लाख से 3.34 लाख)। इसके साथ ही राज्य के अन्य बड़े जिलों में बिलासपुर, दुर्ग, जगदलपुर, राजनांदगांव, अंबिकापुर आदि आते हैं, ⏭शेष पेज 6 पर

## *बीते 15 साल का जिलेवार विश्लेषण (2011 से 1 मार्च 2026)*

*शीर्ष 5 जिले (जहां कामकाजी महिलाओं की संख्या में सर्वाधिक प्रतिशत वृद्धि हुई है। यह देखना दिलचस्प है कि बड़े शहरों के बजाय विकासशील जिलों में महिलाओं की भागीदारी सबसे ज्यादा बढ़ी है। प्रतिशत की गणना 2011 के आधार वर्ष और 1 मार्च 2026 के अनुमानित आंकड़ों के बीच के अंतर से की गई है।*

### कामकाजी महिलाओं में वृद्धि

| | | |
|---|---|---|
| बलौदाबाजार: | 2.12 लाख से 3.11 लाख | 46.13% |
| जांजगीर-चांपा: | 2.12 लाख से 2.96 लाख | 39.61% |
| सक्ती: | 1.56 लाख से 2.27 लाख | 45.66% |
| मुंगेली: | 1.52 लाख से 2.09 लाख | 36.83% |
| बेमेतरा: | 1.82 लाख से 2.59 लाख | 42.17% |

## 5 जिले, जहां कामकाजी महिलाओं की संख्या में सबसे कम वृद्धि

कुछ जिलों में यह वृद्धि स्थिर रही है या बहुत ही धीमी गति से बढ़ी है। उत्तर बस्तर कांकेर: -0.05% (यहां संख्या में मामूली गिरावट देखी गई, 1,71,846 से 1,71,744)। बस्तर: 0.08% की नाममात्र वृद्धि (1,63,988 से 1,64,130)। रायगढ़: 2.53% की वृद्धि (1.84 लाख से 1.89 लाख)। सुकमा: 2.94% की वृद्धि (68,675 से 70,696)। नारायणपुर: 5.21% की वृद्धि (32,903 से 34,620)।

---

बस्तर 2.0 की शुरुआत, टूरिज्म, स्टार्टअप, इंफ्रा और इनोवेशन पर फोकस

# साय ने पीएम मोदी को दिया बस्तर आने का न्योता, सौंपा विकास का 'ब्लू प्रिंट'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली/ रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर नक्सलमुक्त बस्तर के विकास का ब्लू प्रिंट सौंपा। उन्होंने नक्सलवाद के अंत के बाद प्रदेश में आई शांति के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया। श्री साय ने प्रधानमंत्री को मानसून के बाद बस्तर आने का आमंत्रण दिया, जहां उनकी मौजूदगी में कई बड़ी परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण प्रस्तावित हैं।

- पीएम का बस्तर दौरा बनेगा टर्निंग पॉइंट, मिलेगी बड़े प्रोजेक्ट्स की सौगात

पीएम को श्री साय ने बताया कि बस्तर समेत पूरे राज्य में नक्सलवाद समाप्त हो चुका है और अब शांति स्थापित है। शिक्षा व स्वास्थ्य सुधार के तहत नए एजुकेशन सिटी, सुपर स्पेशलिटी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज बनाए जा रहे हैं, जबकि इंद्रावती नदी पर बैराज, रेल लाइन और एयरपोर्ट विस्तार से कनेक्टिविटी मजबूत हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, इस ब्लूप्रिंट के जरिए बस्तर में अब विकास, रोजगार और बेहतर सुविधाओं का नया दौर शुरू होगा। मुख्यमंत्री ने अपने विकास दस्तावेज में उल्लेख किया कि एक दशक पहले प्रधानमंत्री द्वारा बस्तर के लिए देखा गया ⏭शेष पेज 6 पर

### अब योजना में शामिल होंगे 10 जिले

आजीविका और आय बढ़ाने के लिए सरकार ने तीन वर्षीय योजना तैयार की है, जिसका लक्ष्य 2029 तक 85 प्रतिशत परिवारों की मासिक आय 15,000 से बढ़ाकर 30,000 रुपये करना है। 'नियद नेल्ला नार 2.0' योजना के तहत अब अधिक जिलों को जोड़ा जा रहा है, जिससे विकास का लाभ व्यापक स्तर पर पहुंचेगा। 10 जिलों में शुरू की गई यह योजना अब ⏭शेष पेज 6 पर

### 61 नई परियोजनाओं के लिए विशेष केंद्रीय सहायता की मांग

मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत विकास ब्लूप्रिंट 'सैचुरेशन, कनेक्ट, फैसिलिटेट, एम्पावर और एंगेज' रणनीति पर आधारित है। इसके तहत बस्तर में बुनियादी सुविधाओं को तेजी से विस्तार देने का लक्ष्य रखा गया है। सड़कों के व्यापक जाल के माध्यम से दूर-दराज के गांवों को जोड़ा जाएगा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधूरे कार्यों को 2027 तक पूरा करने के साथ-साथ नई 228 सड़कों और 267 पुलों ⏭शेष पेज 6 पर

### ये भी बताया

- 2030 तक 5,000 स्टार्टअप तैयार करने का लक्ष्य
- चित्रकोट और तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी नेशनल पार्क, एडवेंचर टूरिज्म, कैनोपी वॉक और ग्लास ब्रिज जैसी परियोजनाएं
- 'बस्तर मुन्ने' (अग्रणी बस्तर) कार्यक्रम जिसके तहत हर ग्राम पंचायत में शिविर लगाकर समस्याएं सुलझाई जाएंगी और योजनाओं का लाभ दिया जाएगा।

### कृषि और सिंचाई क्षेत्र में दो बड़े प्रोजेक्ट स्वीकृत

ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भी बड़े बदलाव की योजना है। हर घर तक बिजली पहुंचाने के कार्य तेज होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में 45 पोटा केबिन स्कूलों को स्थायी भवनों में बदला जाएगा। युवाओं के लिए 15 स्टेडियम और 2 मल्टीपर्पज हॉल बनाए जाएंगे, जबकि स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का विस्तार और डॉक्टरों के लिए ट्रांजिट हॉस्टल बनाए जा रहे हैं। कृषि और सिंचाई के क्षेत्र में इंद्रावती नदी पर दो बड़े प्रोजेक्ट देउरगांव और मटनार में स्वीकृत किए गए हैं, जिनसे 31,840 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। यह परियोजनाएं बस्तर की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगी।

---

राजधानी समेत जिलेभर में चल रहा था जांच के नाम पर खेल, सीएमएचओ की बड़ी कार्रवाई

# कलेक्शन सेंटर की आड़ में पैथोलॉजी लैब 38 संस्थानों पर एक्शन, लाखों का जुर्माना

*सैंपल कलेक्शन सेंटर की आड़ में बिना परमिशन संचालित हो रहे डायग्नोस्टिक सेंटर एवं पैथोलॉजी लैब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। ऐसे 38 संस्थानों पर कार्रवाई करते हुए कुल 7.60 लाख जुर्माना लगाया गया है। कलेक्शन सेंटर राजधानी रायपुर समेत जिलेभर में संचालित हो रहे थे। ऐसे संस्थानों को तत्काल बंद करने अथवा काम करने के लिए नियमानुसार अनुमति लेने की सख्त हिदायत सीएमएचओ ने दी है।*

विकास शर्मा ⏭ रायपुर

अलग खबर

राजधानी समेत रायपुर जिले में ब्लड सहित अन्य सैंपल के डायग्नोसिस के लिए बड़े संस्थानों से अटैच होने का हवाला देकर कलेक्शन सेंटर खोले गए थे। नियम के मुताबिक कलेक्शन सेंटर का काम केवल जांच के लिए आने वाले सैंपल का कलेक्शन कर उन्हें जांच के लिए लैब भेजना होता है। शिकायत मिली थी कि इन कलेक्शन सेंटरों की आड़ में कई तरह की पैथोलॉजी जांच का खेल चल रहा है। इस आधार पर जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जांच टीम को अलर्ट किया और नर्सिंग होम एक्ट के तहत संचालित होने वाले इन कलेक्शन सेंटरों की जांच के निर्देश दिए।

जांच के दौरान पता चला कि अवैध रूप से पैथोलॉजी लैब ही नहीं, कई कलेक्शन सेंटर भी चल रहे हैं। जांच के बाद सीएमएचओ ने बड़ा एक्शन लेते हुए बिना अनुमति संचालित होने वाले 38 सेंटरों पर 20-20 हजार रुपए के हिसाब से कुल 7.60 लाख रुपए जुर्माना लगाया है। इसके अलावा संबंधित संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि वे संचालन तत्काल रूप से बंद करें और अनुज्ञा मिलने पर ही काम का संचालन करें।

- संस्थान बंद करने के निर्देश, कलेक्शन डायग्नोस्टिक पैथोलॉजी सेंटर चलने अनुमति अनिवार्य

### बढ़ सकता है जोखिम

कलेक्शन सेंटर का काम केवल सैंपल लेकर जांच के लिए भेजना होता है और इसके लिए भी अनुमति आवश्यक होती है। बिना अनुमति संचालित होने वाले इन संस्थानों की रिपोर्ट गलत हो सकती है, सैंपल की जांच विशेषज्ञों द्वारा किया जाना जरूरी है। अधिकारियों का तर्क है कि किसी भी तरह की जांच मान्यता प्राप्त संस्थानों के माध्यम से ही करानी चाहिए।

### नियम का उल्लंघन करने पर जुर्माना

जांच में पाया गया था कि संबंधित संस्थान बिना अनुमति के संचालित हो रहे थे। नर्सिंग होम एक्ट के उल्लघंन पर उनका जुर्माना किया गया है। ऐसे संस्थानों को संचालन नियमों के अनुसार करना होगा, जांच जारी रहेगी। संस्थानों के पास वैध दस्तावेज अगर हैं तो प्रस्तुत करें, अन्यथा बंद करने की कार्रवाई अतिशीघ्र की जाएगी।

**-डॉ. मिथिलेश चौधरी**
सीएमएचओ, रायपुर

### इन कलेक्शन सेंटरों पर जुर्माना

*एडवांस हेल्थ केयर लैब टैगोर नगर, पैथोस क्लीनिकल पैथोलॉजी लैब राजेंद्र नगर, श्री राम क्लीनिक एंड डायग्नोस्टिक सेंटर संतोषी नगर, शिवम एडवांस वायरस डायग्नोस्टिक सेंटर लोधीपारा चौक, कृष्णा फेटल मेडिसिन सेंटर समता कालोनी, आरआर पैथ सर्विसेस नया राजेंद्र नगर, एसबीएच वुमन हास्पिटल प्रायवेट लिमिटेड (साईंकृपा पैथोलॉजी लैब) न्यू राजेंद्र नगर, एनके पैथोलॉजी कैलाशपुरी, लाल पैथलैब्स लिमिटेड भाटिया काम्पलेक्स जीई रोड, श्रीराम डायग्नोस्टिक संतोषी नगर, गीताजंलि एक्सरे एवं सोनोग्राफी सेंटर कचहरी चौक, यूनिक पैथ लैब अंवति विहार, चौहान पैथोलॉजी लेबोरिटी छोटापारा, हेल्थ फर्स्ट लैब सुंदर नगर, रायपुर सीसी 23 लैब कैलाशपुरी, मेडी पैथलैब फाफाडीह चौक, दक्षयानी पैथ कलेक्शन रामसागर पारा, एजे सांइटिफिक पैथलैब विधानसभा रोड सड्डू, द अशोका डायग्नोस्टिक्स समता कालोनी, आस्था पैथोलॉजी लैब गोबरा नवापारा, रायपुर इमेजिंग एंड डायग्नोस्टिक सेंटर शहीद स्मारक भवन जीई रोड, एसबीएल डायग्नोस्टिक अश्वनी नगर, गोल्डन पैथोलॉजी लैब बिरगांव, आस्था पैथोलॉजी लैब अभनपुर, तोसी पैथलैब्स (कलेक्शन सेंटर डॉ. लाल पैथलैब) डगनिया, एमडी लैब बैरनबाजार, यूनिसेफ पैथोलॉजी लैब संजय नगर टिकरापारा, नाइस पैथोलॉजी लैब बुध वारी बाजार बिरगांव, लुपिन डायग्नोस्टिक शंकर नगर, ब्लड लाइन डायग्नोस्टिक टाटीबंध, श्री गणेश डायग्नोस्टिक एंड इमेजिंग लैब मोवा, मेडसिस पैथलैब इंडिया प्रायवेट लिमिटेड एलटीडी कचहरी चौक, एचबी प्लस पैथोलॉजी लैब संजय नगर बकरा मार्केट, रेडलाइफ पैथोलॉजी लेबोरेटरी उरकुरा, सहज पैथोलॉजी लैब छोटापारा, केयर प्लस हेल्थ सेंटर एंड लैब विधानसभा रोड तथा आयुष्मान भवः डायग्नोस्टिक तिल्दा पर जुर्माना लगाया गया है।*

---

युद्ध का असर, आज से लागू होगा नया किराया

# हवाई सफर पर महंगाई की मार, एयर इंडिया ने बढ़ाए दाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

हवाई जहाज से सफर करने वालों के लिए एक बड़ा झटका लगा है। अब आपको अपनी जेब ज्यादा ढीली करनी होगी। एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया ने अपने टिकटों पर लगने वाले फ्यूल सरचार्ज को बढ़ा दिया है। ईरान और आसपास के देशों में छिड़ी जंग की वजह से पूरी दुनिया में विमान के ईंधन के दाम तेजी से बढ़े हैं। इसी बढ़ते खर्च का बोझ अब आम यात्रियों पर डाला जा रहा है। 8 अप्रैल से कई रूट्स पर ये नई दरें लागू हो जाएंगी, जिससे फ्लाइट के टिकट महंगे मिलेंगे। दुनियाभर के बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में आई आग ने एयरलाइंस की कमर तोड़ दी है। जो तेल कुछ समय पहले तक काफी सस्ता था, उसकी कीमत एक महीने के भीतर ही करीब दोगुनी हो गई है। एयर इंडिया का कहना है कि सरकार ने भारत के अंदर तो तेल की कीमतों पर थोड़ा लगाम लगाया है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए तेल बहुत महंगा मिल रहा है।

### कितना बढ़ा घरेलू किराया?

एयर इंडिया ने पहले के निश्चित शुल्क के स्थान पर दूरी-आधारित किराया बढ़ाया है, जिससे यात्री द्वारा भुगतान की जाने वाली अतिरिक्त राशि उनकी यात्रा की दूरी पर निर्भर करेगी। अब 500 किलोमीटर तक की छोटी उड़ानों के लिए 299 रुपए, 501 से 1,000 किमी के बीच 399 रुपए, 1,001 से 1,500 किमी के बीच 549 रुपए, 1,501 से 2,000 किमी के बीच 749 रुपए और 2,000 किलोमीटर से अधिक की उड़ान यात्रा के लिए 899 रुपए अतिरिक्त देने होंगे।

### विदेश जाना अब कितना महंगा

विदेशी उड़ानों में सबसे बड़ा बदलाव देखने को मिला है। खाड़ी देशों जैसे दुबई या ओमान जाने वालों को अब प्रति टिकट करीब 50 डॉलर ज्यादा देने होंगे। वहीं अगर आप सिंगापुर जा रहे हैं, तो यह बोझ 60 डॉलर के करीब होगा। थाईलैंड और वियतनाम जैसे साउथ ईस्ट एशिया के देशों के लिए एयरलाइन ने 100 डॉलर का सरचार्ज तय किया है। सबसे ज्यादा असर लंबी दूरी की फ्लाइट्स पर पड़ा है।

### *एयर इंडिया के सीईओ का इस्तीफा*

*एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने इस्तीफा दे दिया है। एयरलाइन ने उनके उत्तराधिकारी की तलाश के लिए एक समिति का गठन किया है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। न्यूजीलैंड मूल के विल्सन पिछले चार वर्ष से टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य कर रहे हैं। विल्सन ने 2024 में ही एयर इंडिया के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को 2026 में पद छोड़ने की अपनी इच्छा से अवगत करा दिया था। तब से वह यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि संगठन और नेतृत्व दल बदलाव के लिए स्थिर स्थिति में हो।*

---

*नौ घायल प्राथमिक उपचार बाद छुट्टी, एक का पांव फ्रैक्चर*

# बीएसपी में हादसा, आग लगने पर केबल के सहारे उतरकर बचाई जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र में मंगलवार को आगजनी का एक बड़ा हादसा होते होते बच गया। सुबह करीब 10 बजे पीबीएस -2 में अचानक लगी आग से मची अफरा-तफरी मच गई। जान बचाने के लिए 20 फीट ऊपर से नीचे कूदने से 9 ठेका श्रमिक घायल हो गए। सभी घायलों को प्लांट के मेन मेडिकल पोस्ट ले जाया गया। एक मजदूर का पैर फैक्चर होने से सेक्टर नौ हास्पिटल में भर्ती कराया गया। बाकी सभी को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। आग में घिरे मजदूरों ने यदि कूदकर जान नहीं बचाई होती और दमकल टीम ने आग पर काबू नहीं पाया होता तो जानलेवा बड़ा हादसा हो सकता था।

जानकारी के अनुसार बीएसपी के पीबीएस 2 में सुबह एकाएक टर्बाइन ब्लास्ट होने से आग तेजी से फैली। इसकी चपेट में 2 नियमित कर्मचारी और

8 ठेका मजदूर आ गए। चारों तरफ से आग ने घेर लिया था। सभी किसी तरह जान बचाने के लिए ऊपर-नीचे भागते रहे, लेकिन रास्ता नहीं मिला। अंत में वहां रखी इलेक्ट्रिकल केबल के सहारे 20 फीट नीचे टीन के शेड पर कूदकर किसी तरह जान बचाई। दो मजदूर की केबल से हथेली रगड़ खाने से छिल गई। वहीं एक कर्मचारी का पैर फ्रैक्चर हो गया है। घायलों ⏭शेष पेज 6 पर

### ये हुए घायल

घायल मजदूर में कीर्ति कुमार भगत, महेंद्र कुशवाहा, महेंद्र जायसवाल, वैभव, ओमेंद्र कुमार तिस्दा, सुशांत, मनीष, अवधेश और शिव मोहन त्रिपाठी शामिल हैं। दुर्घटना की हादसे की खबर लगते ही इंटक यूनियन के महासचिव संजय साहू, सीपी वर्मा, गुरुदेव साहू, पूरन वर्मा मेन मेडिकल पोस्ट पहुंचकर हादसे की जानकारी ली और घायलों को सेक्टर 9 अस्पताल भिजवाने में मदद की।

## असम के पथारकंडी, श्रीभूमि की चुनावी रैली में बोले अमित शाह

असम में 9 अप्रैल को होना है विधानसभा चुनाव का मतदान

# 'घुसपैठियों की हो चुकी है पहचान चुन-चुनकर देश से करेंगे बाहर'

एजेंसी ▶▶| गुवाहटी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को असम के श्रीभूमि जिले के पथारकंडी में एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि केवल भाजपा ही राज्य को अवैध घुसपैठ से बचा सकती है और इसकी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित कर सकती है। अमित शाह ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'भाजपा की सरकार बना दीजिए। हमने घुसपैठियों को चिह्नित करके रखा है। अब बारी है एक-एक करके इन्हें चुन-चुन कर बाहर करने की। केवल भाजपा ही है जो करीमगंज का नाम बदलकर श्रीभूमि कर सकती है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस है जो घुसपैठियों के सहारे सत्ता हासिल करना चाहती है। मैं आज यहां से कहकर जाता हूं, राहुल गांधी कान खोलकर सुन लीजिए, हम असम को घुसपैठिया बहुल नहीं बनने देंगे। जिनकी जड़ें इटली में हो उनको श्रीभूमि का मतलब क्या मालूम होगा। प्रधानमंत्री ने असमिया और बांग्ला भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का काम किया है।'

### कांग्रेस पार्टी ने किया षड्यंत्र

गृहमंत्री ने कहा, 'हम सीएए की बात करते हैं तो कांग्रेस विरोध करती है। कांग्रेस पार्टी ने षड्यंत्र के साथ इस क्षेत्र को घुसपैठिया बहुल क्षेत्र बनाने का प्रयास किया। वोट बैंक की गंदी राजनीति कर उन्होंने 1950 के इमिग्रेंट एक्ट को समाप्त कर दिया। गोपीनाथ यह एक्ट लेकर आए थे। कांग्रेस ने 1983 में आईएमडीटी एक्ट पास कर घुसपैठियों को यहां शरण देने का काम किया। असम, बंगाल और त्रिपुरा तीनों जगह भाजपा-एनडीए सरकार बनने के साथ ही घुसपैठ बंद होगी। चुन-चुन कर हम घुसपैठियों को देश के बाहर करेंगे। ये घुसपैठिये हमारे युवाओं के रोजगार, गरीबों के राशन और चाय बागान के मजदूरों की मजदूरी छीनने का प्रयास कर रहे हैं। इन्हें देश के बाहर निकालने का काम भाजपा सरकार करेगी।'

### कांग्रेसियों को शर्म आनी चाहिए

*शाह ने कहा, 'जब से राहुल गांधी कांग्रेस के नेता बने हैं, सभी कांग्रेस नेताओं का सार्वजनिक स्तर नीचे हो गया है। अभी दो दिन पहले कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि गुजरात और जो प्रांत भाजपा का समर्थन करते हैं वे अनपढ़ हैं। कांग्रेसियों को शर्म आनी चाहिए। जिस गुजरात ने दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी, सरदार पटेल, विक्रम साराभाई और पीएम मोदी जैसे नेता दिए, उस गुजरात को आप अनपढ़ कह रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा था कि आरएसएस और भाजपा सांप हैं, इन्हें मार देना चाहिए। मैं खड़गे को कहना चाहता हूं कि मंच पर चढ़कर देखिए, हजारों की संख्या में भाजपा और आरएसएस के लोग खड़े हैं। यह लोकतंत्र की भाषा नहीं है।'*

## कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने असम सीएम को बताया सबसे भ्रष्ट

# 'सीएम सरमा चाय, कोयला व जमीन से जुड़े सिंडिकेट चला रहे'

एजेंसी ▶▶| गुवाहटी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान असम की भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरमा देश के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं और उनसे ज्यादा अहंकारी और घमंडी कोई दूसरा मुख्यमंत्री नहीं है। खड़गे ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री केवल अपने परिवार के विकास के लिए काम कर रहे हैं और चाय, कोयला व जमीन से जुड़े सिंडिकेट चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र सरकार से मांग की कि हिमंत सरमा की पत्नी के कथित विदेशी संपत्तियों और तीन देशों के पासपोर्ट रखने के आरोपों की जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि इन गंभीर आरोपों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

### पीएम मोदी को गांधी परिवार पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं

चुनावी दावों को लेकर खड़गे ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन असम की 126 सदस्यीय विधानसभा में 72-73 सीटें जीतकर सरकार बनाएगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए खड़गे ने कहा कि उन्हें गांधी परिवार पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि इस परिवार के सदस्यों ने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है।

### जेएमएम और जय भारत पार्टी का गठबंधन

आगामी विधानसभा चुनाव से पहले असम की राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल रहा है। आदिवासी बहुल राज्य झारखंड की प्रमुख राजनीतिक पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने असम की क्षेत्रीय पार्टी जय भारत पार्टी (जेबीपी) को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की है। इस गठबंधन का मुख्य उद्देश्य असम के आदिवासी और चाय जनजाति समुदायों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान करना है। करीब दो साल पहले असम के विभिन्न आदिवासी संगठनों, समूहों और समुदायों के सहयोग से गठित जय भारत पार्टी को अब जेएमएमका मजबूत साथ मिला है। दोनों दल मिलकर एक साझा मंच पर चुनाव लड़ रहे हैं और राजनीतिक शक्ति हासिल कर समुदायों के सामाजिक-आर्थिक मुद्दों को हल करने की रणनीति बना रहे हैं।

## 4 मई को होगी मतगणना

# असम, केरल और पुडुचेरी में चुनाव प्रचार थमा, 9 अप्रैल को मतदान

असम, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान मंगलवार शाम समाप्त हो गया। इन तीनों जगहों पर 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होगा, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी। असम की 126, केरल की 140 और पुडुचेरी की 30 विधानसभा सीटों पर एक साथ वोट डाले जाएंगे। तीनों राज्यों/केंद्रशासित प्रदेश में राजनीतिक दलों ने अंतिम समय तक जोरदार प्रचार किया।

**असम में 722 उम्मीदवार मैदान में**

असम में कुल 2.5 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.25 करोड़ पुरुष, 1.25 करोड़ महिलाएं और 343 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। 18-19 वर्ष आयु वर्ग के 5.75 लाख युवा पहली बार मतदान करेंगे। 126 सीटों पर 722 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं और बहुमत का आंकड़ा 64 है।

### केरल में त्रिकोणीय मुकाबला

केरल में 140 सीटों के लिए 890 उम्मीदवार मैदान में हैं। यहां सरकार बनाने के लिए 71 सीटों का बहुमत जरूरी है। राज्य में कुल 2.71 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.32 करोड़ पुरुष, 1.39 करोड़ महिलाएं और 273 थर्ड जेंडर वोटर्स शामिल हैं।

### पुडुचेरी में 30 सीटों पर चुनाव

पुडुचेरी में 30 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा, जिनमें 5 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। यहां सरकार बनाने के लिए 16 सीटों का बहुमत जरूरी है। कुल 9.44 लाख मतदाताओं में करीब 4.43 लाख पुरुष, 5 लाख महिलाएं और 139 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं।

## ख्वाजा आसिफ के बयान पर राजनाथ का जवाब

# 'पाकिस्तान कितने हिस्सों में बंटेगा, भगवान ही जाने'

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कोलकाता पर हमले से संबंधित हालिया टिप्पणियों पर कड़ा प्रहार किया। राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि उन्हें इस तरह का भड़काऊ बयान नहीं देना चाहिए क्योंकि अगर उनकी नजर बंगाल पर पड़ी तो पाकिस्तान कितने हिस्सों में बंट जाएगा, यह तो सिर्फ भगवान ही जानते हैं। सिंह ने कहा, 'पाकिस्तान के रक्षामंत्री को ऐसा भड़काऊ बयान नहीं देना चाहिए था। 55 साल पहले उन्हें इसके परिणाम भुगतने पड़े थे जब पाकिस्तान दो हिस्सों में बंट गया था। अगर वे बंगाल पर नजर डालने की कोशिश करेंगे तो पता नहीं इस बार पाकिस्तान कितने हिस्सों में बंटेगा।'

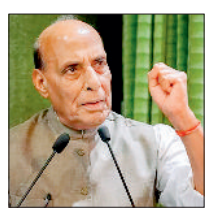

# 'पुडुचेरी को 'गिनी पिग' की तरह इस्तेमाल कर रही केंद्र'

**पुडुचेरी।** द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता आर. शिवा ने विल्लियनूर विधानसभा क्षेत्र में अपने चुनाव प्रचार के दौरान पुडुचेरी को राज्य का दर्जा देने, युवाओं के लिए रोजगार, टाइडल पार्क और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने जैसे कई आश्वासन दिए। उन्होंने कहा, राज्यपाल, मुख्य सचिव और केंद्रीय गृह मंत्रालय ही पुडुचेरी पर शासन करते हैं; वे पुडुचेरी को एक गिनी पिग और केंद्र सरकार के कानूनों/नियमों के लिए एक प्रयोगशाला के रूप में इस्तेमाल करते हैं।'

## एआईडीएमके उम्मीदवार की पारिवारिक संपत्ति है 5,863 करोड़ रुपये

# सबसे अमीर उम्मीदवार हैं छठवीं पास लीमा रोज

**चेन्नई।** तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के बीच एक चौंकाने वाली बात सामने आई है, जहां ए आ ई ए डी ए म के उम्मीदवार लीमा रोज राज्य की सबसे धनी प्रत्याशी के रूप में उभरी हैं। तिरुचिरापल्ली जिले के लालगुडी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहीं लीमा रोज ने अपने नामांकन हलफनामे में कुल 5,863 करोड़ रुपये की पारिवारिक संपत्ति घोषित की है।

लीमा ने इसी साल इंडिया जननायका कांची पार्टी छोड़कर एआईएडीमके में आई हैं। हलफनामे के अनुसार, लीमा के पास 139 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 910 करोड़ की अचल संपत्ति है। यह आंकड़ा उन्हें चुनावी मैदान में सबसे अमीर उम्मीदवारों की सूची में शीर्ष पर पहुंचाता है। उनकी कुल संपत्ति में उनके पति और व्यवसायी मार्टिन का बड़ा योगदान है।

### केवल छठवीं तक पढ़ी हैं लीमा

शैक्षिक पृष्ठभूमि की बात करें तो लीमा रोज ने थिरुवाना के एक सरकारी स्कूल से केवल कक्षा 6 तक शिक्षा प्राप्त की है। इसके अलावा उन्होंने अपने हलफनामे में यह भी खुलासा किया है कि उनके खिलाफ चार आपराधिक मामले लंबित हैं।

## जयशंकर की रैली में बढ़ा तनाव

# नाम नहीं लिया तो मंच छोड़कर चली गईं भाजपा उम्मीदवार

**तिरुवनंतपुरम।** केरल के वट्टियूरकावु विधानसभा क्षेत्र में सोमवार को केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की चुनावी सभा के दौरान एक अजीबोगरीब स्थिति पैदा हो गई। मंच पर उस समय हड़कंप मच गया जब भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार और पूर्व आईपीएस अधिकारी आर श्रीलेखा अचानक नाराज होकर कार्यक्रम छोड़कर चली गईं. दरअसल हुआ यह कि जयशंकर ने अपने संबोधन में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर का तो जिक्र किया लेकिन स्थानीय उम्मीदवार होने के बावजूद श्रीलेखा का नाम लेना भूल गए। इस बात से श्रीलेखा इतनी आहत हुईं कि वे बीच कार्यक्रम में ही मंच से नीचे उतर गईं जिससे वहां मौजूद कार्यकर्ता और नेता हैरान रह गए। पूर्व नौकरशाह और पार्षद रह चुकीं श्रीलेखा ने अपनी शिकायत राजीव चंद्रशेखर और तिरुवनंतपुरम के मेयर वी वी राजेश के सामने भी दर्ज कराई। बताया जा रहा है कि उन्होंने बीजेपी के वरिष्ठ नेता जी सोमन से भी इस मुद्दे पर काफी तीखी बातचीत की। हालांकि पार्टी के बड़े नेताओं ने तुरंत हस्तक्षेप किया और काफी समझाने-बुझाने के बाद उन्हें दोबारा मंच पर वापस लाया गया जिसके बाद ही कार्यक्रम सामान्य रूप से आगे बढ़ सका।

# तुर्किए में इजरायली दूतावास के बाहर फायरिंग, तीनों हमलावर ढेर

*धार्मिक चरमपंथी समूह से संबंधित हैं आरोपी*

**इस्तांबुल।** तुर्किए के इस्तांबुल शहर में मंगलवार को इजरायली वाणिज्य दूतावास के पास एक बड़ा हमला हुआ, जहां हथियारबंद हमलावरों और पुलिस के बीच भीषण गोलीबारी हुई। इस घटना में कम से कम तीन हमलावर मारे गए, जबकि दो पुलिस अधिकारी घायल हो गए।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमलावरों ने लंबी दूरी के हथियारों के साथ वाणिज्य दूतावास के पास पहुंचकर अचानक फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद तुर्किए पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गोलीबारी की, जो कई मिनट तक चली। इस दौरान पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने दूतावास पर गोलीबारी की कोशिश की, लेकिन सुरक्षा बलों ने उन्हें निष्क्रिय कर दिए। पुलिस ने तुरंत इलाके को घेर लिया और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी. आसपास के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया और यातायात को कुछ समय के लिए रोक दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, तीन हमलावर इस हमले में शामिल थे। पुलिस की कार्रवाई में तीनों हमलावर मारे गए। हमलावरों की पहचान और उनके मकसद को लेकर अभी तक कोई साफ जानकारी सामने नहीं आई है।

### मामले की जांच जारी

तुर्किए अधिकारियों ने बताया कि दोनों हमलावर भाई हैं। एक भाई का धार्मिक चरमपंथी समूह से संबंध था, जबकि दूसरे का नशीले पदार्थों का इतिहास रहा है। वे इज्मित से किराए की कार से इस्तांबुल आए थे। गनीमत ये रही कि जिस इजरायली कांसुलेट पर हमला हुआ वो दो साल से बंद पड़ा है, इसमें कोई राजनयिक नहीं रहते. तुर्किए के न्याय मंत्री ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। सुरक्षा एजेंसियां ये पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि इस हमले के पीछे कौन लोग या संगठन जिम्मेदार हैं। ये हमला ऐसे समय में हुआ है जब मध्य पूर्व में पहले से ही तनाव चरम पर है। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के कारण कई देशों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की घटनाएं क्षेत्रीय अस्थिरता को और बढ़ा सकती हैं।

## न्यूक्लियर पावर क्षेत्र में बड़ी कामयाबी

# एफबीआर तकनीक वाला दुनिया का दूसरा देश बना हिंदुस्तान

कलपक्कम ने रचा इतिहास, परमाणु क्षेत्र में आत्मनिर्भर होगा भारत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने न्यूक्लियर पावर के क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए तमिलनाडु के कलपक्कम में मौजूद प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) को 'क्रिटिकल' बना दिया है। यानी ये रिएक्टर खुद-ब-खुद न्यूक्लियर रेन रिएक्शन शुरू कर चुका है। अब रिएक्टर खुद अपने आप चलने लगा है। ज्यादा ईंधन भी बना रहा है। ये अचीवमेंट इसलिए बेहद खास है क्योंकि इसके साथ ही भारत दुनिया का दूसरा देश बन गया है जिसके पास फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (एफबीआर) तकनीक मौजूद है। तमिलनाडु के कलपक्कम में बना ये प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर भारत की न्यूक्लियर कंपनी भाविनी (भाभा न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्प्लेक्स) ने तैयार किया है।

### क्या है पीएफबीआर और क्या है इसकी खासियत?

कलपक्कम में बना ये पीएफबीआर 500 मेगावाट क्षमता का एक एडवांस्ड परमाणु रिएक्टर है, जिसे पूरी तरह भारत में डिजाइन और विकसित किया गया है। फास्ट ब्रीडर रिएक्टर की खासियत होती है कि ये जितना फ्यूल खर्च करता है, उससे ज्यादा नया परमाणु ईंधन तैयार करता है। यानी ये एनर्जी प्रोडक्शन के साथ-साथ भविष्य के लिए ईंधन भी तैयार करता है। परमाणु रिएक्टर में 'क्रिटिकलिटी' वो स्थिति होती है जब न्यूक्लियर फिशन रिएक्शन स्टेबल तौर से शुरू हो जाता है। ये किसी भी रिएक्टर के ऑपरेशन से पहले सबसे अहम फेज होता है। इसका मतलब है कि अब ये रिएक्टर धीरे-धीरे बिजली प्रोडक्शन के अगले फेज की ओर बढ़ेगा।

# 2 पाकिस्तानी आतंकी सहित पांच गिरफ्तार, 'खरगोश' अभी भी फरार

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

एक बड़े एंटी-टेरर ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस ने कई राज्यों में फैले लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक गहरे नेटवर्क को खत्म कर दिया, जिसमें दो पाकिस्तानी समेत पांच टेररिस्ट गिरफ्तार किए गए और एक महिला समेत करीब 20 साथियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया, ऑफिशियल सोर्स ने कन्फर्म किया।

मुख्य गिरफ्तारियों में 'हुरैरा अब्दुल्ला' शामिल है, जो एलईटी का एक टॉप ऑपरेटिव और पाकिस्तानी नागरिक है और 2010 से कश्मीर घाटी में एक्टिव है। वह टेरर ठिकानों और फंडिंग चैनल को मैनेज करता था। उसके साथ एक और पाकिस्तानी, खुबैब उर्फ उस्मान-जो एक दशक से ज़्यादा समय से कश्मीर में काम कर रहा है-को भी पकड़ा गया। सटीक इंटेलिजेंस इनपुट और डिजिटल इंटरसेप्ट के आधार पर, इस कार्रवाई में जम्मू और कश्मीर, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और दिल्ली में 20 से ज़्यादा जगहों को टारगेट किया गया। छापों में ऐसा आपत्तिजनक मटीरियल मिला जिससे देश भर में टेररिस्ट को लॉजिस्टिक्स और फाइनेंशियल मदद देने की साजिश का पर्दाफाश हुआ।

### जम्मू-कश्मीर में लश्कर के आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़

### खरगोश ने की है लोकल से शादी

सूत्रों ने बताया कि नेटवर्क का दूसरा मुख्य कमांडर, पाकिस्तानी आतंकवादी 'खरगोश' अभी भी फरार है। उसने श्रीनगर के जकूरा इलाके में एक लोकल महिला से शादी की। उसे और उसके पिता-जिन पर आरोप है कि उन्होंने खरगोश, हुरैरा और दूसरों की मदद की-दोनों को हिरासत में लिया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में पिता समेत तीन लोकल लोग शामिल हैं। एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया, 'यह नेटवर्क कश्मीर, जम्मू, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और दिल्ली में काम करता था, जिससे विदेशी आतंकवादियों को पकड़े जाने से बचने और ऑपरेशन करने में मदद मिलती थी।' पूछताछ में कश्मीर घाटी में साथियों से भारी मात्रा में हथियार मिले, जिसमें पांच एके राइफल, दो पिस्तौल, छह ग्रेनेड और गोला-बारूद शामिल हैं। जकूरा में पिता-बेटी की जोड़ी के घर से एक बड़ा कैश बरामद किया गया।

## नासा के आर्टेमिस-2 मिशन ने रचा इतिहास

# चंद्रमा के आसपास सबसे अधिक दूरी तय करने का बनाया अनोखा रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के आर्टेमिस-2 मिशन ने इतिहास रच दिया है। आर्टेमिस-2 के अंतरिक्ष यात्री सोमवार रात चंद्रमा के पिछले हिस्से से निकलकर पृथ्वी की ओर रवाना हो गए। अपने इस मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों ने चंद्रमा के उस हिस्से को देखा जिसे पहले कभी इतने करीब से नहीं देखा गया था। आर्टेमिस 2 मिशन ने मानव इतिहास में चंद्रमा के आसपास सबसे ज्यादा दूरी तय करने का नया रिकॉर्ड भी बनाया है। करीब 7 घंटे का यह सफर इस मिशन का सबसे अहम और खास हिस्सा रहा।

### आर्टेमिस 2 मिशन ने तोड़ा रिकॉर्ड

आर्टेमिस 2 मिशन का लक्ष्य अगले 2 साल में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास मनुष्यों को भेजना है। इतना ही नहीं आर्टेमिस 2 ने अपने इस मिशन के जरिए अपोलो 13 का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। साल 1970 में अपोलो 13 मिशन में 4,00,171 किलोमीटर की दूरी तय की गई थी, जिसे आर्टेमिस 2 मिशन के तहत पार कर लिया गया है। अपोलो अंतरिक्ष कार्यक्रम के बाद पहली बार नासा ने आर्टेमिस 2 मिशन के जरिए मनुष्यों को चंद्रमा के पास भेजा है।

### चंद्रमा के पिछले हिस्से से निकलकर अब पृथ्वी की ओर रवाना हो गया विमान

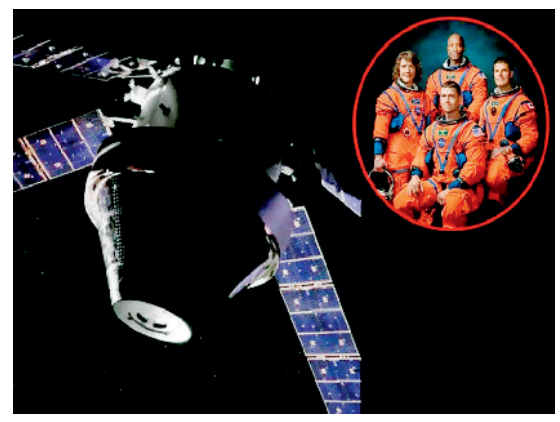

### कनाडाई अंतरिक्ष यात्री ने क्या कहा?

*आर्टेमिस 2 मिशन में 3 अमेरिकी और एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। मिशन के दौरान कनाडाई अंतरिक्ष यात्री जेरेमी हैनसेन ने कहा, 'बिना कोई उपकरण लगाए आंखों से चंद्रमा में जो दिख रहा है वह रोमांचित करने वाला है। यह अविश्वसनीय है।' उन्होंने कहा कि अगली पीढ़ी को इस रिकॉर्ड को जल्द तोड़ना चाहिए।*

### मिशन के भावुक पल

रिकॉर्ड तोड़ने के तुरंत बाद अंतरिक्ष यात्रियों ने चंद्रमा पर 2 नए गड्ढों (क्रेटर) के नामकरण की अनुमति मांगी। उन्होंने एक क्रेटर का नाम अपने कैप्सूल के सम्मान में 'इंटेग्रिटी' और दूसरे का नाम अपने कमांडर रीड वाइजमैन की पत्नी 'कैरल' के नाम पर रखने का प्रस्ताव दिया, जिनका वर्ष 2020 में कैंसर से निधन हो गया था। इस दौरान कमांडर वाइजमैन भावुक हो गए और सभी अंतरिक्ष यात्रियों ने एक-दूसरे को गले लगाया। इसके थोड़ी देर बाद वाइजमैन ने कहा कि यहां से नजारा सचमुच अद्भुत है।

### एक ही तस्वीर में चंद्रमा और पृथ्वी

*आर्टेमिस 2 मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों ने बताया कि उन्होंने एक ही फ्रेम में चंद्रमा और पृथ्वी दोनों को कैद किया है। उन्होंने बताया कि उनकी ओर से ह्यूस्टन के वैज्ञानिकों को यात्रा के दौरान लगातार जानकारी और अपडेट्स दिया गया। मिशन पायलट विक्टर ग्लोवर ने कहा कि चंद्रमा की कुछ पहाड़ियां इतनी चमकदार दिख रही थीं, मानो उन पर बर्फ की परत जमी हुई हो। उन्होंने बताया कि यह नजारा वाकई बेहद खूबसूरत और शानदार था।*

## मिडिल ईस्ट जंग के बीच शरीफ सरकार का बड़ा ऐलान

# पाकिस्तान में लगा 'स्मार्ट लॉकडाउन'

एजेंसी ▶▶| इस्लामाबाद

मिडिल ईस्ट जंग को 1 महीने से ज्यादा हो गया है। हालात दिनों दिन बद से बदतर होते जा रहे हैं। इसी बीच भारत के पड़ोसी देश में हालात और ज्यादा खराब हो गए हैं। इसको देखते हुए शहबाज सरकार ने स्मार्ट लॉकडाउन लगाने का फैसला लिया है। पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान, इस्लामाबाद राजधानी क्षेत्र, गिलगित-बाल्टिस्तान और आजाद जम्मू और कश्मीर में बाजारों, दुकानों और शॉपिंग मॉल को रात 8 बजे बंद करने का निर्णय लिया गया। प्रधानमंत्री मुहम्मद शहबाज शरीफ ने पेट्रोलियम उत्पादों, ऊर्जा संरक्षण और मितव्ययिता उपायों के कार्यान्वयन के संबंध में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान, इस्लामाबाद राजधानी क्षेत्र, गिलगित-बाल्टिस्तान और आजाद जम्मू और कश्मीर में बाजारों, दुकानों और शॉपिंग मॉल को रात 8 बजे बंद करने का निर्णय लिया गया।

### रात 10 बजे बंद होंगे रेस्तरां

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि बेकरी, रेस्तरां, तंदूर और अन्य भोजनालय रात 10 बजे बंद रहेंगे। विवाह हॉल, टेंट और अन्य व्यावसायिक स्थल जहां शादियां होती हैं, वे भी रात 10 बजे के बाद बंद रहेंगे। इसके अलावा, निजी संपत्तियों और घरों में रात 10 बजे के बाद शादी समारोह आयोजित करने पर प्रतिबंध रहेगा। चिकित्सा दुकानों और दवा दुकानों के खुलने का समय इन प्रतिबंधों से मुक्त रहेगा।

बिलासपुर

बुधवार 8 अप्रैल 2026

बैशाख कृष्ण पक्ष षष्ठी

वर्ष : 26, अंक : 17

पृष्ठ : 10+6 =16, मूल्य : 4.00***

मौसम

अधि. 37.5

न्यून. 23.7

# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com


# अफ्रीकन स्वाइन बुखार से 300 सुअरों की मौत, 150 को इंजेक्शन देकर मारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ मिलाई

जामुल स्थित नारधा-मुड़पार में सुअर फार्म में वायरस के कारण तीन सौ से अधिक सुअरों की मौत हो गई। खबर है कि अफ्रीकन स्वाइन फीवर के कारण यह मौतें हुईं। सोमवार को पशुपालन विभाग की टीम मुड़पार पहुंची। अधिकारी और डॉक्टरों ने पीपीई किट पहनकर शूकर फार्म की जांच की। बचे हुए करीब 150 से ज्यादा सूअरों को इंजेक्शन देकर मार दिया गया। सभी को मेडिकल प्रोटोकॉल के तहत दफनाया गया। नारदा मुड़पार सूअर पालन ⏭शेष पेज 6 पर

खास खबर

## संक्रमण का खतरा बढ़ा, आसपास के क्षेत्रों में नियमित की जा रही जांच

### सैंपल भोपाल भेजा गया

सूचना मिलने के बाद तुरंत सैंपल भोपाल के एनिमल डिजीज लैब भेजा गया, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई शुरू की। पूरे इलाके पर नजर रखी जा रही है, संक्रमण को आगे फैलने से रोकने के लिए फार्म को सील करने की कार्रवाई की जा रही है। - **वसीम शम्स,** डिप्टी डायरेक्टर, पशुपालन विभाग दुर्ग

### इलाज और न ही टीका बना है

सुअर से सुअर में फैलने वाली बीमारी है। अब तक कोई इलाज और न ही टीका बना है। जिस फर्म में संक्रमण पाया जाता है वहां के सुअरों को मारकर जमीन में दफनाया जाता है।

- **पीओ जॉय,** शूकर फार्म संचालक

### इंसानों में नहीं फैलता है संक्रमण : विशेषज्ञ

पीओ जॉय ने विभाग को घटना की सूचना दी, ताकि बीमारी और अधिक न फैले। विशेषज्ञों ने बताया कि अफ्रीकन स्वाइन फीवर एक पुरानी और बेहद खतरनाक बीमारी है। जिसका अभी तक दुनिया में कोई वैक्सीन या इलाज उपलब्ध नहीं है। यह बीमारी लगने के बाद सभी सूअरों की मौत हो जाती है। यह केवल सूअरों में ही फैलती है और इंसानों या अन्य जानवरों को प्रभावित नहीं करती। उन्होंने बताया कि सूअर के मांस की खपत काफी अधिक है। हर दिन महाराष्ट्र और नागपुर की ओर से बड़ी मात्रा में सूअर यहां लाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि यह वायरस नोट और दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर भी कुछ दिनों तक जीवित रह सकता है। इसलिए सावधानी बरतना जरूरी है।

## सरकारी अफसर-कर्मियों को तनाव कम करने 12 दिनों की विशेष छुट्टी

### विपश्यना शिविर में हो सकेंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन ने अधिकारी-कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ाने, मानसिक तनाव कम करने और नैतिक मूल्यों को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब राज्य के अधिकारी-कर्मचारी विपश्यना ध्यान के 10 दिवसीय आवासीय शिविर में भाग लेने के लिए विशेष अवकाश प्राप्त कर सकेंगे। राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से जारी आदेश के अनुसार, अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों सहित राज्य सेवा के अधिकारी-कर्मचारियों को पूरे सेवाकाल में अधिकतम 6 बार ⏭शेष पेज 6 पर

- सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किया आदेश

### इन शर्तों को करना होगा पालन

आवेदन के साथ संबंधित विपश्यना केंद्र की तरफ से जारी एडमिशन लेटर लगाना अनिवार्य होगा। शिविर पूरा होने के बाद कम्प्लीशन सर्टिफिकेट कार्यालय में जमा करना होगा। प्रमाण पत्र जमा नहीं करने पर अवकाश को अन्य अर्जित छुट्टियों में समायोजित कर दिया जाएगा।

### यात्रा भत्ता नहीं मिलेगा

अवकाश की स्वीकृति संबंधित विभाग के सक्षम अधिकारी द्वारा, शासकीय कार्य प्रभावित न हो, इसे ध्यान में रखकर दी जाएगी।


inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366


## खबर संक्षेप

### विमान के शौचालय से दो करोड़ का गांजा जब्त

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने बैंकॉक-दिल्ली उड़ान के शौचालय से दो किलोग्राम से अधिक 'संदिग्ध' गांजा जब्त किया है। यह बरामदगी पांच अप्रैल को हुई। निगरानी के आधार पर कार्रवाई करते हुए, भारतीय सीमा शुल्क की विशेष शाखा, वायु खुफिया इकाई के अधिकारियों ने बैंकॉक से आने वाली उड़ान पर नजर रखी।

### अलफलाह के अध्यक्ष की 39 करोड़ की संपत्ति कुर्क

**नई दिल्ली।** ईडी ने अल फलाह समूह के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दीकी के खिलाफ धनशोधन जांच के तहत दिल्ली के जामिया नगर में एक घर, फरीदाबाद में खेती की जमीन और कई बैंक खातों में जमा राशि कुर्क की है। इनकी कुल कीमत 39 करोड़ रुपए से ज़्यादा है। ईडी ने एक अस्थायी कुर्की आदेश जारी किया है। इन संपत्तियों में दिल्ली के जामिया नगर में एक घर, फरीदाबाद के धौज इलाके में खेती की जमीन और कुछ बैंक खातों में जमा रकम और सावधि जमा के पैसे शामिल हैं।

### रिश्वत, जीएसटी अधिकारी और सहायक गिरफ्तार

**मुंबई।** नवी मुंबई भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो ने एक सॉफ्टवेयर डेवलपर से कथित तौर पर 9,000 रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में जीएसटी अधिकारी और उसके सहयोगी को गिरफ्तार किया है। कोंकण भवन में तैनात द्वितीय श्रेणी अधिकारी अमित भानुदास गिरि (45) और उनके सहयोगी वैशाली वसंत कदम (39) को सोमवार को रिश्वत की राशि स्वीकार करते हुए पकड़ा गया।

## कई ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले, ईरान ने इजरायल-यूएई पर साधा निशाना

# ट्रंप ने कहा- पूरी सभ्यता का हो जाएगा अंत, मसूद बोले- मेरे समेत 1.4 करोड़ ईरानी जान देने को तैयार

एजेंसी ⏭ तेहरान/वाशिंगटन

अमेरिकी सेना ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की डेडलाइन खत्म होने से पहले ही ईरान के ऑयल हब खर्ग द्वीप पर हमला किया है। द्वीप पर स्थित ईरानी सेना के बंकरों, मिलिट्री अड्डों, मिसाइल लॉन्चरों को निशाना बनाया गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि एक पूरी सभ्यता का अंत हो सकता है। इधर, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि उनके समेत 1.4 करोड़ ईरानी स्वयंसेवक युद्ध में अपनी जान देने के लिए तैयार हैं।

अमेरिका ने एक बार फिर ईरान के तेल उद्योग के लिए अति अहम खार्ग द्वीप पर हमला किया है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिका ने द्वीप पर स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। ये हमले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को मांगों को मानने या बड़े हमले का सामना करने के लिए निर्धारित की गई समय सीमा से कुछ घंटे पहले हुए। इस बीच ट्रंप ने मंगलवार सुबह एक बार फिर धमकी दी कि अगर ईरान ने समझौता नहीं किया तो पूरी सभ्यता आज रात ही खत्म हो जाएगी। ट्रंप ने द्वीप पर महत्वपूर्ण तेल अवसंरचना पर कब्जा करने के लिए जमीन पर सैनिकों को भी उतारने की धमकी दी है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के अभियान में कई अमेरिकी सैन्य कर्मियों की जान जाएगी और यह युद्ध को समाप्त करने की दिशा में निर्णायक कदम नहीं होगा। इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर और अमेरिकन एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट के क्रिटिकल थ्रेट्स प्रोजेक्ट द्वारा उपग्रहों से प्राप्त तस्वीरों के आधार पर किये विश्लेषण के मुताबिक युद्ध के शुरुआती दौर में अमेरिका ने द्वीप पर कई ठिकानों पर हमला किया था, जिनमें हवाई सुरक्षा, एक रडार साइट, एक हवाई पट्टी और एक होवरक्राफ्ट बेस शामिल थे। इससे पहले अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी ने एक खबर में कहा था कि खार्ग द्वीप पर कई विस्फोट हुए हैं।

- खर्ग द्वीप के साथ कई ठिकानों पर हमला

### युद्ध का ऐसा असर

#### अब तक 10,000 से अधिक उड़ानें रद्द

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण भारतीय एयरलाइन कंपनियों की 10,000 से अधिक उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। नागर विमानन मंत्रालय के संयुक्त सचिव असंगबा चुबा आव ने मंगलवार को यह जानकारी दी। संयुक्त सचिव आव ने बताया कि पहले भारतीय एयरलाइन कंपनियां पश्चिम एशिया के लिए रोजाना 300-350 उड़ानें संचालित करती थीं, जो अब घटकर केवल 80-90 रह गई हैं। संघर्ष के कारण इजराइल, जॉर्डन, लेबनान, कुवैत, कतर, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात सहित कई देशों में हवाई क्षेत्र बंद या सीमित कर दिया गया है।

चीन-रूस का होर्मुज खोलने की मांग पर वीटो:संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव गिरा

ईरान संकट के बीच संयुक्त राष्ट्र में होर्मुज स्ट्रेट खोलने को लेकर लाया गया प्रस्ताव पास नहीं हो सका। रूस और चीन ने इस पर वीटो कर दिया । इस प्रस्ताव में किसी तरह की सैन्य कार्रवाई की बात नहीं थी। यह प्रस्ताव बहरीन की तरफ से लाया गया था। इस प्रस्ताव को पिछले दो हफ्तों में करीब 6 बार बदला गया था, क्योंकि कई देश इसके कुछ हिस्सों से सहमत नहीं थे। दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि आज रात ईरान की पूरी सभ्यता खत्म हो सकती है। ट्रम्प ने दावा किया कि आज रात हम दुनिया के लंबे और जटिल इतिहास के सबसे अहम पल के गवाह बनेंगे।

### ट्रंप ने फिर कहा, ईरान के पास आत्मसमर्पण का मौका

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि आज रात एक पूरी सभ्यता का अंत हो सकता है, लेकिन वाशिंगटन में रात 8 बजे की समय सीमा से पहले ईरान के पास आत्मसमर्पण करने का मौका है। अमेरिकी नेता ने मंगलवार को यह सख्त चेतावनी जारी की, जो ईरान के लिए दी गई समय-सीमा से लगभग 12 घंटे पहले आई है। इस समय-सीमा के तहत ईरान को 'होर्मुज जलडमरूमध्य' को फिर से खोलने सहित एक समझौते पर सहमत होने को कहा गया है, अन्यथा उसे दंडात्मक हमलों का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया साइट पर लिखा, आज रात एक पूरी सभ्यता का अंत हो जाएगा, जिसे फिर कभी वापस नहीं लाया जा सकेगा। मैं ऐसा नहीं चाहता, लेकिन शायद ऐसा ही होगा।

### खर्ग द्वीप पर दूसरी बार हमला

पिछले महीने भी अमेरिका ने खर्ग द्वीप पर हमले किए थे, जिनमें सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया था। इन हमलों में नौसेना की बारूदी सुरंगों के भंडारण स्थल और मिसाइल बंकर नष्ट हो गए थे, जबकि तेल से जुड़े बुनियादी ढाँचे को शुरू में काफी हद तक बख्श दिया गया था।

### ईरान के कई शहरों में बिजली आपूर्ति ठप

ईरान के कराज शहर में अमेरिकी हमले से ट्रांसमिशन लाइनों को नुकसान पहुंचा है, जिस वजह से शहर के कुछ हिस्सों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। इससे पहले इजरायल की चेतावनी के बाद ईरान में रेल सेवाएं भी बाधित हो गई थीं।

### ईरान के राष्ट्रपति का ट्रंप को करारा जवाब

अमेरिका की आसन्न समयसीमा के बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने मंगलवार को कहा कि उनके समेत 1.4 करोड़ ईरानी स्वयंसेवक युद्ध में अपनी जान देने के लिए तैयार हैं। सरकार युद्ध के दौरान संदेशों और मीडिया के जरिए लोगों से इस तरह के स्वयंसेवी अभियान में शामिल होने की अपील कर रही है। लगभग नौ करोड़ की आबादी वाले ईरान में कई लोग सरकार से नाराज भी हैं, खासकर देशभर में हुए प्रदर्शनों पर की गई सख्त कार्रवाई को लेकर। माना जा रहा है कि 1.4 करोड़ का यह आंकड़ा संभावित अमेरिकी हमले को रोकने के उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया है। पेजेश्कियन ने कहा, 1.4 करोड़ से अधिक ईरानी लोगों ने अभियान में अपनी जान देने के लिए तैयार रहने का इरादा जताया है। मैं भी ईरान के लिए अपनी जान देने के लिए पहले भी तैयार था, अब भी हूं और आगे भी रहूंगा।

मंत्रालय में नौकरी लगवाने के नाम पर चार लोगों से ली रकम

## मंत्री का रिश्तेदार बताकर पति पत्नी ने की 23 लाख की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

छग के कृषि मंत्री का रिश्तेदार बताकर पति-पत्नी ने चार लोगों से करीब 23 लाख की ठगी करने का मामला सामने आया है। पति-पत्नी ने अपनी पहुंच के दम पर मंत्रालय में नौकरी लगवाने का झांसा दिया। नौकरी पाने की लालच में चार लोगों ने 23 लाख गंवा दिए। आधा पैसा लेने के बाद आरोपी पति-पत्नी ने घर बुलाकर उनको फर्जी नियुक्ति पत्र भी दे दिया, लेकिन जब ज्वाइनिंग के लिए घुमाने लगा तो ठगी की आशंका हुई और कोतवाली ⏭शेष पेज 6 पर

- घर बुलाकर दिखाया फर्जी नियुक्ति पत्र, ज्वाइनिंग के लिए घुमाते रहे आरोपी
- कोतवाली थाने में मामला दर्ज, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

### तलाश जारी

आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों की तलाश जारी है। जल्द ही पुलिस उन तक पहुंच जाएगी।

-**सुखनंदन पटेल,** टीआई कोतवाली

### अपने गांव बुला लिया आरोपी ने

रायगढ़ के सभी लोगों को आरोपी ने अपने गांव महासमुंद जिले के भद्दरसी बुला लिया। सभी बीते 1 दिसंबर 2025 को उसके गांव पहुंच गए। उनको फर्जी नियुक्ति पत्र दिखाया गया। बाकी रकम की मांग की। उसने बोला ज्वाइनिंग से पहले बाकी रकम देना जरुरी है। उनको 12 दिसंबर 2025 को ज्वाइनिंग करने की तारीख भी बताया। 8 दिसंबर को सभी लोगों ने 8 लाख 77 हजार 500 रुपए दे दिया।

## पुलिस ने कांग्रेस नेता खेड़ा के आवास पर की छापेमारी

**नई दिल्ली।** असम पुलिस की एक टीम मंगलवार को दिल्ली में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के आवास पर उनसे पूछताछ के लिए पहुंची और तलाशी ली। यह कार्रवाई असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी द्वारा खेड़ा के आरोपों के खिलाफ दर्ज कराई गई शिकायत पर की गई। खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री की पत्नी पर तीन पासपोर्ट और अघोषित संपत्ति रखने का आरोप लगाया था।

### 'पाताल' से भी ढूंढ निकालेगी पुलिस

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि पुलिस खेड़ा को 'पाताल' से भी ढूंढ निकालेगी और उनसे उन 'फर्जी दस्तावेजों' के बारे में पूछताछ करेगी, जिनका इस्तेमाल उनके परिवार को निशाना बनाने के लिए किया था। शर्मा ने असम के शिवसागर में एक चुनावी जनसभा से इतर कहा,''पवन खेड़ा ने असम पुलिस को उन्हें गिरफ्तार करने की चुनौती दी थी, लेकिन अब वह हैदराबाद भाग गए हैं।

चुनाव आयोग की जिलेवार सूची जारी

## पश्चिम बंगाल से हटाए गए 91 लाख मतदाता

एजेंसी ⏭ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में हुए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद करीब 91 लाख मतदाताओं को सूची से बाहर कर दिया गया है। बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सबसे अधिक मतदाता 4.55 लाख मुर्शिदाबाद से हटाए गए हैं, जो अल्पसंख्यक बहुल जिला है। आयोग ने पहली बार नाम हटाने की जिलेवार सूची भी जारी की है। मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद राज्य के अंतिम मतदाता आधार की घोषणा अभी बाकी है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 23 व 29 अप्रैल को होगा। पहले चरण में 152 और दूसरे चरण में 142 सीटों पर मतदान होगा।

### ममता बोलीं- कानूनी लड़ाई जारी रहेगी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वोटर लिस्ट पर कहा है कि एसआईआर के बाद मतदाता सूचियों से जिनके नाम हटाए गए, तृणमूल कांग्रेस उनके साथ खड़ी रहेगी; न्यायाधिकरणों में कानूनी लड़ाई जारी रहेगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनावी रैली में कहा कि बंगाल में विशेष समुदायों के लोगों के नाम एसआईआर में काटे गए।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा

## बम हमले में दो बच्चों की मौत भीड़ ने फूंके तेल के 3 टैंकर

एजेंसी ⏭ इंफाल

मणिपुर के मोइरांग इलाके में एक बार फिर हालात खराब हो गए हैं। बीती रात करीब 1 बजे मोइरांग ट्रोंग्लाओबी इलाके में कुछ संदिग्ध उग्रवादियों ने एक घर पर बम फेंक दिया। इस घटना में एक 5 साल के एक लड़के और 6 महीने की बच्ची की मौके पर ही जलकर मौत हो गई जबकि उनकी मां इस हादसे में बुरी तरह झुलस गई है। इस दर्दनाक घटना के बाद गुस्साए गांव के लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए पुलिस चौकी और तेल से भरे तीन टैंकरों में आग लगा दी, जिससे इलाके में अफरातफरी मच गई। इलाके में अभी भी तनाव है।

### पुलिस चौकी पर भी हमला

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने मोइरांग थाने के सामने टायर जलाकर विरोध जताया। इतना ही नहीं, एक अस्थायी पुलिस चौकी को भी नुकसान पहुंचाया गया। स्थिति को काबू में करने के लिए इलाके में भारी पुलिस और सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, मंगलवार को ट्रोंग्लाओबी के पास के इलाके से एक विस्फोटक उपकरण भी बरामद किया गया है। इससे साफ है कि इलाके में खतरा अभी भी बना हुआ है।

सबरीमला मामले में सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस नागरत्ना की टिप्पणी

## महिला को तीन दिन के लिए नहीं माना जा सकता 'अछूत'

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश बी. वी. नागरत्ना ने मंगलवार को कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि किसी महिला को महीने में तीन दिन अछूत माना जाए और फिर चौथे दिन अछूत मानना बंद कर दिया जाए। यह टिप्पणी तब आई जब नौ न्यायाधीशों की एक पीठ केरल के सबरीमला मंदिर सहित धार्मिक स्थलों पर महिलाओं से भेदभाव और विभिन्न धर्मों द्वारा पालन की जाने वाली धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे और सीमा से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई कर रही थी। इस संविधान पीठ में प्रधान न्यायाधीश ⏭शेष पेज 6 पर

2018 में हटा दिया था रोक

*सितंबर 2018 में, पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 4:1 के बहुमत से सबरीमला अय्यप्पा मंदिर में 10 से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक को हटा दिया था। कहा था कि सदियों पुरानी हिंदू धार्मिक प्रथा अवैध और असंवैधानिक है। चौदह नवंबर 2019 को, तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की एक अन्य पीठ ने 3:2 के बहुमत से विभिन्न उपासना स्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव के मुद्दे को एक बड़ी पीठ के पास भेज दिया था।*

### केंद्र ने महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक का किया समर्थन

केंद्र ने शुरुआत में ही सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला मंदिर में मासिक धर्म आयु की महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक का समर्थन किया। सरकार ने कहा-2018 में सभी वर्ग की महिलाओं को एंट्री देने का सुप्रीम कोर्ट का फैसला गलत था। यह मामला पूरी तरह धार्मिक आस्था और संप्रदाय के अपने अधिकार से जुड़ा है। अदालतें महिलाओं के धार्मिक स्थलों में प्रवेश के मामले में दखल नहीं दे सकतीं। अगर कोई प्रथा गैर-वैज्ञानिक लगती है, तो उसका हल संसद या विधानसभा के पास है, न कि अदालत के पास।

### सुप्रीम कोर्ट की ऐसी टिप्पणी

जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा- इस मामले में अनुच्छेद 17 यानी छुआछूत के खिलाफ अधिकार पर दलील किस तरह पेश की जाए, यह मेरी समझ से बाहर है। एक महिला होने के नाते मैं यह कहना चाहूंगी कि ऐसा नहीं हो सकता कि हर महीने 3 दिन तक तो महिला को अछूत माना जाए और चौथे दिन अचानक कोई अछूतपन न रह जाए।

घेराबंदी के बाद अलर्ट

## नागपुर में संघ मुख्यालय के पास विस्फोटक का जखीरा

एजेंसी ⏭ नागपुर

महाराष्ट्र के नागपुर जिले में स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालय से 2 किलोमीटर दूर विस्फोटकों का जखीरा मिलने से हड़कंप मच गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इलाके में नियमित निगरानी के दौरान विस्फोटक सामग्री देखी गई थी, जिसके बाद तुरंत बम निरोधक दस्ते और फॉरेंसिक टीमों बुलाया गया। इलाके में घेराबंदी की गई और अलर्ट जारी किया गया है। सुबह सीए रोड स्थित दोसर भवन चौक के एक घर के छोटे गार्डन में विस्फोटक मिलने की सूचना मिली थी। जांच के दौरान 15 जिलेटिन छड़ें, 58 डेटोनेटर और 8 कनेक्टर बरामद हुए हैं।

### हर कोण से हो रही जांच

पुलिस ने बताया कि यह इलाका बेहद संवेदनशील है। जहां विस्फोटक मिला है, वहां से 200 मीटर दूर जामा मस्जिद, 500 मीटर दूर पोद्दारेश्वर राम मंदिर और 2 किलोमीटर दूर आरएसएस मुख्यालय है। पुलिस ने संभावना जताई है कि हाल में यहां के काटोल इलाके में एसबीएल कंपनी में विस्फोटक हादसा हुआ था, जहां डेटोनेटर समेत अन्य विस्फोटक बनते हैं। ऐसे में यह विस्फोटक कंपनी का बताया जा रहा है। पुलिस सभी कोणों से मामले की जांच कर रही है।

चिंतन

# मणिपुर हिंसा के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई जरूरी

प्रतिनिधित्व
ममता कुशवाहा

पूर्वोत्तर का संवेदनशील राज्य मणिपुर लगभग तीन वर्षों से जिस हिंसा की आग में सुलग रहा है, वह अब केवल कानून-व्यवस्था का मसला नहीं रह गया, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक ताने-बाने के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। कुकी समुदाय और मैतेई समुदाय के बीच अविश्वास और वैमनस्य इस हद तक बढ़ चुका है कि सामान्य नागरिक, विशेषकर महिलाएं और बच्चे, हिंसा का सबसे आसान निशाना बनते जा रहे हैं। इन हालातों ने राज्य को अस्थिरता के भंवर में धकेल दिया है। विभिन्न जातियों के संगठन अपने हितों के लिए हिंसा को समर्थन दे रहे हैं। इसके कारण राज्य के सभी विकास कार्य ठप होकर रह गए हैं। हिंसा के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ होने से भी इनकार नहीं किया जा सकता। चूंकि हाल ही में एक अमेरिकी और 6 यूक्रेनी नागरिकों का पकड़ा जाना इस बात का प्रमाण है कि ऐसी ताकतें भी राज्य में अस्थिरता फैला रही हैं। इसके साथ ही मादक पदार्थों का अवैध व्यापार भी हिंसा की आग में घी का काम करता है। मादक पदार्थों से मिलने वाली आय से ऐसी घटनाओं को बल मिलता है। मंगलवार को दो मासूम बच्चों को निशाना बनाकर हत्या करना दर्शाता है कि हिंसा फैलाने वाले नहीं चाहते कि राज्य में अमन-चैन रहे। बिष्णुपुर जिले के मोइरांग इलाके में घर के भीतर सो रहे मासूम बच्चों पर बम फेंककर उनकी हत्या कर देना किसी भी सभ्य समाज के लिए कलंक है। पांच साल के एक बच्चे और छह महीने की नवजात की मौत केवल एक घटना नहीं, बल्कि यह इस बात का भयावह संकेत है कि हिंसा अब अपनी सारी सीमाएं लांघ चुकी है। बच्चों पर हमला उस स्थान पर किया गया है, जहां 2023 में जातीय हिंसा भड़की थी। यह साफ है कि यह हिंसा साजिशन है, क्योंकि ये बच्चे किसी भी हिंसा में शामिल नहीं थे और न ही इनका किसी से कुछ लेना-देना था। घटना के बाद जिस प्रकार विरोध प्रदर्शन हिंसक हो उठे, वाहनों को जलाना, पुलिस चौकियों पर हमला करना और यहां तक कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कैंप पर हमला करना वह स्थिति की गंभीरता को और बढ़ाता है। जवाबी फायरिंग में जान गंवाने वाले लोग इस बात के गवाह हैं कि हिंसा की आग अब नियंत्रण से बाहर होती जा रही है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि इस निरंतर हिंसा ने राज्य के विकास को पूरी तरह ठप कर दिया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग हर क्षेत्र प्रभावित हुआ है। हजारों लोग विस्थापित होकर राहत शिविरों में जीवन बिताने को मजबूर हैं। बच्चों की पढ़ाई छूट रही है और एक पूरी पीढ़ी असुरक्षा और भय के साये में पल रही है। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अस्वीकार्य है। सरकार के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि ठोस और निर्णायक रणनीति अपनाए। जिस तरह देश ने नक्सलवाद पर सख्ती और समन्वित प्रयासों के जरिए काफी हद तक नियंत्रण पाया, उसी तरह मणिपुर में भी व्यापक और बहुस्तरीय कार्रवाई की जरूरत है। हिंसा में शामिल लोगों की पहचान कर उन्हें कठोरतम सजा दी जानी चाहिए, चाहे वे किसी भी समुदाय या संगठन से जुड़े हों। साथ ही, केवल सैन्य या पुलिस कार्रवाई से समाधान संभव नहीं है। दोनों समुदायों के बीच संवाद बहाल करना, विश्वास निर्माण के उपाय करना और सामाजिक सौहार्द को पुनर्स्थापित करना उतना ही जरूरी है। स्थानीय नेतृत्व, नागरिक संगठनों और केंद्र सरकार को मिलकर एक साझा मंच तैयार करना होगा, जहां समस्याओं का शांतिपूर्ण समाधान खोजा जा सके।

# लोकतंत्र में आधी आबादी की हिस्सेदारी

भारत, जिसे विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है, ने स्वतंत्रता के बाद राजनीतिक भागीदारी के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। जब बात संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी की आती है, तो यह प्रगति असमान और कई बार निराशाजनक रूप से धीमी दिखाई देती है। जबकि महिलाएं देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं, फिर भी उनकी उपस्थिति राजनीतिक संस्थाओं में अत्यंत कम है। ऐसे में महिलाओं के लिए आरक्षण की लंबे समय से चली आ रही मांग केवल एक राजनीतिक सुधार नहीं, बल्कि एक नैतिक आवश्यकता बन जाती है।

साल 2023 में महिला आरक्षण अधिनियम का पारित होना भारत के संवैधानिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस कानून के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटों का आरक्षण सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। यह कदम दशकों से चली आ रही उस संरचनात्मक असमानता को स्वीकार करता है, जिसने महिलाओं को राजनीति में उचित स्थान नहीं मिलने दिया। हालांकि, असली चुनौती इस कानून को पारित करने में नहीं, बल्कि इसे समय पर और प्रभावी ढंग से लागू करने में है। वर्तमान व्यवस्था के अनुसार, इस आरक्षण को अगली जनगणना और उसके बाद होने वाले परिसीमन से जोड़ा गया है, जो 2026 के बाद ही संभव है। इस शर्त के कारण यह आशंका पैदा होती है कि इस कानून का लाभ कई वर्षों तक टल सकता है। यहीं पर सबसे बड़ा प्रश्न खड़ा होता है कि आखिर महिलाओं को समान प्रतिनिधित्व के लिए और कितने समय तक प्रतीक्षा करनी चाहिए? भारत ने अपनी लोकतांत्रिक यात्रा की शुरुआत में ही दूरदर्शिता दिखाते हुए महिलाओं को पुरुषों के समान मतदान का अधिकार दिया था। यह विश्व के सामने एक आदर्श उदाहरण था। लेकिन लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित नहीं है; इसमें निर्णय लेने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान और उद्यमिता जैसे अनेक क्षेत्रों में महिलाओं ने अपनी क्षमता का लोहा मनवाया है, लेकिन राजनीति में उनकी कम भागीदारी यह दर्शाती है कि सामाजिक और संरचनात्मक बाधाएं अब भी मौजूद हैं। आंकड़े इस असमानता को और स्पष्ट करते हैं। वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 14 प्रतिशत के आसपास है, जबकि कई राज्य विधानसभाओं में यह प्रतिशत इससे भी कम है। यह कमी महिलाओं की योग्यता या इच्छा की कमी के कारण नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक सोच, संसाधनों की सीमित उपलब्धता और पुरुष-प्रधान राजनीतिक ढांचे के कारण है। ऐसे में आरक्षण एक आवश्यक सुधार के रूप में सामने आता है, जो इस असंतुलन को दूर करने का प्रयास करता है। हालांकि, इस आरक्षण को लागू करने की प्रक्रिया कई तकनीकी और संवैधानिक जटिलताओं में उलझी हुई है, जिनमें सबसे प्रमुख है परिसीमन का मुद्दा। परिसीमन का अर्थ है जनसंख्या के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण, ताकि प्रतिनिधित्व संतुलित

रहे। यह एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, लेकिन इसे महिला आरक्षण से जोड़ना एक अनावश्यक बाधा बन गया है। चूंकि परिसीमन एक लंबी और जटिल प्रक्रिया है, जिसमें समय और राजनीतिक सहमति दोनों की आवश्यकता होती है, इसलिए इसके पूरा होने तक इंतजार करना महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण को टालने जैसा है। इस स्थिति से निकलने के लिए हमें प्रतिनिधित्व की अवधारणा को नए सिरे से समझने की आवश्यकता है। यदि आरक्षण को केवल भौगोलिक निर्वाचन क्षेत्रों तक सीमित न रखा जाए, तो एक मिश्रित प्रणाली अपनाई जा सकती है, जिसमें प्रत्यक्ष चुनाव और अनुपातिक प्रतिनिधित्व दोनों का समावेश हो। इस व्यवस्था में अतिरिक्त सीटें बनाई जा सकती हैं और उन्हें राजनीतिक दलों को उनके वोट प्रतिशत के आधार पर आवंटित किया जा सकता है, इस शर्त के साथ कि इन सीटों पर महिलाएं ही उम्मीदवार हों।

यह तरीका न केवल परिसीमन की आवश्यकता को टाल सकता है, बल्कि अधिक न्यायसंगत प्रतिनिधित्व भी सुनिश्चित कर सकता है। महिलाओं के लिए अतिरिक्त सीटों का निर्माण एक व्यावहारिक और नवोन्मेषी विचार है। इससे संसद की कुल सीटों की संख्या बढ़ाकर महिलाओं को स्थान दिया जा सकता है, बिना वर्तमान सांसदों को हटाए।

इससे राजनीतिक विरोध की संभावना भी कम हो जाती है, क्योंकि मौजूदा सीटों पर कोई खतरा नहीं रहता। साथ ही, बढ़ती जनसंख्या और प्रशासनिक आवश्यकताओं के अनुसार संसद के विस्तार की आवश्यकता भी पूरी होती है। नया संसद भवन, जिसे अधिक सदस्यों को समायोजित करने के लिए बनाया गया है, इस दिशा में एक उपयुक्त अवसर प्रदान करता है। इस व्यवस्था का एक और महत्वपूर्ण लाभ यह है कि यह जनता के जनादेश का सम्मान करता है। जब सीटों का आवंटन वोट प्रतिशत के आधार पर होगा, तो यह सुनिश्चित होगा कि प्रतिनिधित्व वास्तव में जनता की इच्छा को दर्शाता है। इससे राजनीतिक दलों को महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरणा मिलेगी और धीरे-धीरे राजनीतिक संस्कृति में समावेशिता बढ़ेगी। भारत जैसे विविध और विशाल देश में, जहां चुनौतियां भी जटिल हैं, वहां ऐसे नवाचारी उपाय आवश्यक हो जाते हैं। तकनीकी पहलुओं से आगे बढ़कर, हमें महिला आरक्षण के व्यापक प्रभाव को भी समझना चाहिए। जब अधिक महिलाएं संसद और विधानसभाओं में होंगी, तो नीति निर्माण में भी बदलाव आएगा। महिला आरक्षण को लागू करने में देरी अब किसी भी दृष्टि से उचित नहीं ठहराई जा सकती। प्रक्रिया संबंधी कारणों का हवाला देकर इसे टालना इस सुधार की भावना के साथ अन्याय होगा।

यह भी समझना जरूरी है कि आरक्षण अपने आप में अंतिम लक्ष्य नहीं है, बल्कि समानता की ओर बढ़ने का एक साधन है। जैसे-जैसे समाज में बदलाव आएगा और महिलाओं के सामने खड़ी बाधाएं कम होंगी, वैसे-वैसे इस तरह के उपायों की आवश्यकता भी कम हो सकती है। लेकिन वर्तमान समय में, जब असमानता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, तब आरक्षण एक अनिवार्य उपाय बन जाता है। संसद में महिलाओं के आरक्षण की यात्रा भारत के लोकतंत्र की परिपक्वता की परीक्षा भी है और उसके भविष्य को दिशा देने का अवसर भी। इसे तेजी से लागू करने के लिए केवल प्रशासनिक दक्षता ही नहीं, बल्कि दूरदर्शी सोच और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता है। यदि भारत इस दिशा में साहसिक कदम उठाता है, तो वह एक बार फिर विश्व के सामने एक आदर्श प्रस्तुत कर सकता है। अब सवाल यह नहीं है कि क्या हम यह कर सकते हैं, बल्कि यह है कि क्या हम इसे बिना और देर किए करने का साहस दिखाएंगे।

(लेखिका शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

मंथन
विवेक शुक्ला

# सेहत और पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे स्ट्रा

हम सब अपने पसंदीदा पेय ठंडी कॉफी, ताज़ा नींबू पानी या कोक को पीने के लिए स्ट्रॉ का इस्तेमाल बिना एक पल सोचे कर लेते हैं। ये हमें सुविधाजनक, साफ़-सुथरा और सुरक्षित लगता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह छोटा-सा प्लास्टिक या पेपर स्ट्रॉ हमारी सेहत और पर्यावरण दोनों को चुपचाप नुकसान पहुंचा रहा है? इन छोटे से स्ट्रॉ का केवल कुछ मिनटों के लिए इस्तेमाल होता है, इसलिए इनसे होने वाले नुकसान की कोई चर्चा ही नहीं हो पाती है। दुनिया भर में हर दिन इस्तेमाल किए जाने वाले स्ट्रा समुद्र तट और महासागर की सफाई के दौरान सबसे आम कचरे में से एक होते हैं। अपने छोटे और हल्के आकार के कारण स्ट्रॉ की शायद ही कभी रीसाइक्लिंग होती हो। ये नदियों, समुद्रों और कचरा स्थलों (लैंडफिल) में पहुंच जाते हैं, जहां ये सैकड़ों साल तक बने रह सकते हैं। राजधानी के पर्यावरणविद और उद्यमी गुरसेव चावला कहते हैं, "भारत में हमारी बड़ी आबादी और बढ़ती कैफ़े कल्चर के कारण स्ट्रॉ का उपयोग तेज़ी से बढ़ रहा है, जिससे समस्या और गंभीर हो रही है।" कुछ साल पहले, दुनिया के कई हिस्सों में प्लास्टिक स्ट्रॉ पर प्रतिबंध लगना शुरू हुआ, जिसका लोगों ने स्वागत किया। इसके बाद पेपर और मकई से बने प्लास्टिक के स्ट्रॉ बाज़ार में आए और उन्हें "पर्यावरण के अनुकूल" विकल्प के रूप में देखा गया, लेकिन लोगों की धारणा और वास्तविकता के बीच अंतर है। प्रख्यात चिकित्सक और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं, "कई पेपर स्ट्रॉ में रसायन होते हैं, जिन्हें 'फॉरएवर केमिकल्स' भी कहा जाता है। ये आसानी से नष्ट नहीं होते और लंबे समय तक पर्यावरण और हमारे शरीर में बने रह सकते हैं। इन्हें नष्ट करने के लिए विशेष औद्योगिक परिस्थितियों की जरूरत होती है, जो भारत के अधिकांश शहरों में उपलब्ध नहीं हैं।" प्लास्टिक स्ट्रॉ सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली एकल-उपयोग (सिंगल-यूज़) वस्तुओं में से एक हैं। जब ये गर्मी, धूप या नींबू पानी जैसे अम्लीय पेय के संपर्क में आते हैं, तो ये माइक्रोप्लास्टिक नामक छोटे कण छोड़ जाते हैं। माइक्रोप्लास्टिक बहुत छोटे प्लास्टिक कण होते हैं, जो हमारे भोजन और पेय के माध्यम से हमारे शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। प्लास्टिक में ऐसे रसायन भी होते हैं जो हमारे हार्मोन को प्रभावित कर सकते हैं और समय के साथ हमारी सेहत को तबाह करने लगते हैं। एक स्ट्रॉ भले ही नुकसानदेह न लगे, लेकिन इसके नियमित इस्तेमाल से इसका प्रभाव बढ़ता जाता है और यह एक गंभीर चिंता का कारण बन सकता है। यह दिखाता है कि केवल प्लास्टिक को किसी अन्य सामग्री से बदलना पर्याप्त नहीं है-विकल्प वास्तव में सुरक्षित और टिकाऊ होना चाहिए। यहीं पर गन्ने के बगैस से बने स्ट्रॉ एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आते हैं। बगैस का हिंदी अर्थ खोई है, जो गन्ना या ज्वार का रस निकालने के बाद बचा हुआ सूखा, रेशेदार अवशेष होता है। यह मुख्य रूप से चीनी मिलों में ईंधन, बिजली उत्पादन, कागज़, लुगदी और पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग सामग्री (डिस्पोजेबल प्लेट, कप) बनाने के लिए एक नवीकरणीय स्रोत के रूप में उपयोग किया जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह भारत में आसानी से उपलब्ध है। आप इसे देश के बड़े चीनी उद्योग का उप-उत्पाद कह सकते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि बगास से बने स्ट्रॉ के कई फायदे हैं। जैसा कि ये पूरी तरह प्लास्टिक-मुक्त और गैर-विषैले होते हैं, इनमें हानिकारक रसायन नहीं होते और ये प्राकृतिक रूप से नष्ट हो जाते हैं और घर पर भी गल सकते हैं। ये कृषि अपशिष्ट से बनाए जाते हैं, जिससे बेकार चीज़ उपयोगी बन जाती है। ये रोज़मर्रा के उपयोग के लिए पर्याप्त मज़बूत होते हैं और पेय में कोई हानिकारक पदार्थ नहीं छोड़ते। सबसे अच्छी बात ये यह है कि बगास आधारित उत्पादों का उत्पादन पहले से ही बढ़ रहा है। पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों की बढ़ती मांग और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक पर सख्त नियमों के कारण कई व्यवसाय अब ऐसे विकल्प अपनाने लगे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आज के उपभोक्ता अधिक जागरूक हो रहे हैं। वे उन ब्रांड्स को पसंद करते हैं जो वास्तव में पर्यावरण की परवाह करते हैं। व्यवसायों के लिए सुरक्षित विकल्प अपनाने से विश्वास और ब्रांड छवि दोनों में सुधार हो सकता है। सरकारी नीतियां भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। केवल प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाना पर्याप्त नहीं है। यह स्पष्ट होना चाहिए कि "सुरक्षित" और "कम्पोस्टेबल" किसे कहा जाए। भ्रामक दावों पर नियंत्रण होना चाहिए और कृषि अपशिष्ट का उपयोग करने वाले उद्योगों को समर्थन मिलना चाहिए। अब समय है कि हम सुविधा से आगे बढ़कर जागरूक विकल्प चुनें-एक-एक घूंट के साथ।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

# हम अपने भीतर अच्छा स्वास्थ्य कैसे लाएं?

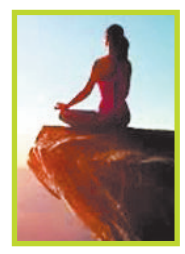

संकलित
दर्शन

क्या आप सचमुच स्वस्थ हैं? स्वास्थ्य का अर्थ है, रोग-मुक्त शरीर, कंपन-मुक्त श्वास, तनाव-मुक्त मन, संकोच-मुक्त बुद्धि, आसक्ति-मुक्त स्मृति, समावेशी अहंकार और दुःख से मुक्त आत्मा। समग्र स्वास्थ्य के लिए व्यायाम, श्वास और ध्यान का अभ्यास आवश्यक है। श्वास ही जीवन है। हमारा जीवन हमारी श्वास में है। यदि कोई श्वास नहीं ले रहा, तो इसका अर्थ है- वहां जीवन नहीं है। ध्यान, प्राणायाम और योगिक अभ्यासों का मुख्य उद्देश्य प्राण या जीवन ऊर्जा को बढ़ाना है। दरअसल प्राण भावनाओं से भी अधिक सूक्ष्म होता है। जब हम सूक्ष्म स्तर पर ध्यान देते हैं, तो स्थूल स्वतः ठीक हो जाता है। जब आप श्वास को संभालते हैं, तो शरीर स्वस्थ हो जाता है। यदि आपकी श्वास गरम, हिलती-डुलती, असमान या असहज है, तो यह रोग का संकेत है। श्वास का पैटर्न शरीर में उपस्थित विषाक्त तत्त्वों और संभावित रोगों की सूचना देता है। हमारी श्वास में अनेक रहस्य छिपे हैं। क्योंकि मन की हर भावना के साथ श्वास की एक विशेष लय जुड़ी होती है। हर लय शरीर के किसी विशेष भाग को प्रभावित करती है। जरा ध्यान से देखें। जब हम प्रसन्न होते हैं तो विस्तार का अनुभव होता है और जब दुखी होते हैं तो संकुचन का। हम इन अनुभूतियों को तो महसूस करते हैं, पर उनके बीच संबंध को नहीं पहचानते। इसलिए जब आप सीधे मन को नियंत्रित नहीं कर पा रहे हों, तो श्वास के माध्यम से मन को नियंत्रित किया जा सकता है।

# जब मन हो अशांत, इष्टदेव का ध्यान करें

संकलित
प्रेरणा

शुकदेव राजा परीक्षित को कथा सुना रहे थे, उस समय राजा ने पूछा कि आजकल लोग इतने बेचैन क्यों हैं? लोगों का मन अशांत क्यों है? शुकदेव ने राजा को एक कथा सुनाई कि एक दिन पृथ्वी ने भी भगवान से यही बात पूछी थी। पृथ्वी ने भगवान से कहा था कि ये लोग जो खुद मौत के खिलौने हैं। ये सभी मुझे यानी धरती, राज्य जीतना चाहते हैं। अभी तक मुझे यानी धरती को कोई भी मृत्यु के बाद अपने साथ ऊपर नहीं ले जा सका है। लोग ये बात क्यों नहीं समझते हैं? शुकदेव ने राजा से कहा कि पृथ्वी ने ये सभी बातें भगवान से इसलिए कहीं थीं, कि धरती पर जो धन-संपत्ति है, वही सारे झगड़ों की जड़ है। सभी चाहते हैं कि मेरे पास दूसरों से ज्यादा वैभव हो, सभी इसी में लगे हुए हैं। जिस दिन इस दुनिया से जाएंगे, सब कुछ यहीं रह जाएगा। परीक्षित ने शुकदेव की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आजकल इतनी अशांति है तो शांति पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? शुकदेव ने कहा कि जब भी हमारा मन अशांत हो, हमें भगवान के नामों का जप करना चाहिए, ध्यान, पूजा-पाठ करना चाहिए। अपने इष्टदेव के नामों का जप करने से नकारात्मकता दूर होती है, मन शांत होता है। मंत्र जप से शरीर में जो परिवर्तन होते हैं, उनसे मन शांत होता है।

## अंतर्मन

### आज की पाती

**शादियों का स्वरूप बहुत बदल गया**

भारत में शादी सिर्फ दो लोगों का मिलन नहीं बल्कि एक बड़ा सामाजिक आयोजन भी माना जाता है। यहां शादी में परिवार, रिश्तेदार, दोस्त और पूरा समाज शामिल होता है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में शादियों का स्वरूप बहुत बदल गया है। आजकल कई शादियां इतनी भव्य और महंगी हो गई हैं कि उनमें करोड़ों रुपए तक खर्च किए जाते हैं। बड़े-बड़े होटल, महंगे कपड़े, विदेशी सजावट, मशहूर कलाकारों के कार्यक्रम और कई दिनों तक चलने वाले समारोह अब आम बात हो गए हैं। ऐसी शादियों का सबसे बड़ा प्रभाव गरीब वर्ग पर पड़ता है। जब समाज में अमीर लोग बहुत महंगी शादियां करते हैं तो बाकी लोगों पर भी वैसी ही शादी करने का दबाव बनने लगता है। आर्थिक क्षमता से अधिक खर्च बोझ बन जाता है।

– सुरेश यादव, बिलासपुर

## करंट अफेयर

# यूक्रेन ने युद्ध के बीच बचाए गए चमगादड़ों को छोड़ा

कड़ाके की ठंड के बाद यूक्रेन के लोग युद्ध प्रभावित इलाकों से बचाए गए चमगादड़ों को अब छोड़ रहे हैं। राजधानी कीव के बाहरी इलाके में स्थित एक नेचर पार्क में रात ढलते ही बच्चे स्वयंसेवकों के आसपास इकट्ठा हो जाते हैं, जो कपड़े के थैलों को सावधानीपूर्वक खोलकर चमगादड़ों को अंधेरे आसमान में उड़ने के लिए छोड़ते हैं। प्रत्येक चमगादड़ के हवा में उड़ान भरने पर वहां मौजूद 1,000 से अधिक लोग तालियां बजाकर उसका स्वागत करते हैं। देश के पूर्वी हिस्सों के युद्धग्रस्त क्षेत्रों से बचाए गए सैकड़ों चमगादड़ों को शनिवार देर रात यूक्रेन के विभिन्न हिस्सों में आयोजित कार्यक्रमों के तहत छोड़ा गया, जो वसंत ऋतु के आगमन के साथ आयोजित किए गए थे।

'यूक्रेनियन बैट रिहैबिलिटेशन सेंटर' की स्वयंसेवक अनास्तासिया वोक्क ने कहा कि यह कार्यक्रम संगठन के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि ये जीव संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची में शामिल हैं और उनका संरक्षण बेहद जरूरी है। यूक्रेन में चमगादड़ों की सभी 28 प्रजातियों को इनकी घटती संख्या के कारण संरक्षित जीवों की सूची में रखा गया है। कई लोगों के लिए यह कार्यक्रम कड़ी सर्दियों के बाद राहत का अवसर था। सर्दियों में शून्य से नीचे तापमान, रूस के ड्रोन और मिसाइल हमले तथा बिजली कटौती जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा था।

## ऑफ बीट

# हमारी दृष्टि एक-आंख वाले पूर्वज कीड़े से हुई विकसित

काफी समय से माना जाता रहा है कि इंसानों और अन्य कशेरुकी जीवों की आंखें, अकशेरुकी जीवों की आंखों से बुनियादी रूप से अलग होती हैं, क्योंकि

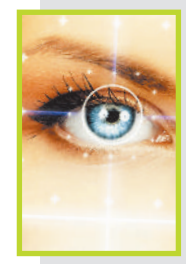

उनकी कोशिकाओं की संरचना और जन्म से पहले उनके विकसित होने का तरीका अलग होता है। हमारे अध्ययन से संकेत मिलता है कि हमारी आंखों की जड़ें एक ऐसे कीड़े जैसे पूर्वज से जुड़ी हैं, जो करीब 60 करोड़ साल पहले समुद्रों में विचरण करता था। हमने पाया कि ज्यादातर जीवों में आंखें और रोशनी महसूस करने वाली कोशिकाएं दो जगहों पर होती हैं- एक चेहरे के दोनों तरफ (जोड़ी में) और दूसरी सिर के बीच में, मस्तिष्क के ऊपर। हमने जिन जीवों का अध्ययन किया, उनमें चेहरे के दोनों तरफ मौजूद ये कोशिकाएं शरीर की गतिविधियों को दिशा देने में मदद करती हैं, जबकि बीच में मौजूद कोशिकाएं दिन और रात के फर्क के साथ-साथ ऊपर-नीचे की पहचान करने में सहायक होती हैं। हमारे निष्कर्ष के मुताबिक, सभी कशेरुकी जीवों के कीड़े जैसे पूर्वज ने करीब 60 करोड़ साल पहले जब समुद्र की तलहटी में बिल बनाकर स्थिर जीवन जीना शुरू किया, तो उसने दिशा नियंत्रित करने वाली अपनी जोड़ी आंखें खो दीं। दरअसल, जब यह जीव एक जगह रहकर पानी से बीन-बीनकर भोजन हासिल करने लगा, तो उसे चलने-फिरने की जरूरत नहीं रही।

## ट्रेंड

### पाक के टुकड़े होंगे

पाकिस्तान एक बार खामियाजा भुगत चुका है। आज से 55 वर्ष पहले पाकिस्तान दो टुकड़ों में खण्ड-खण्ड हो गया था। अगर उन्होंने हमारे बंगाल की तरफ नजर उठाकर देखने की कोशिश की तो कितने टुकड़े होंगे, यह ऊपर वाला ही जानता है।

- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

### तकनीकी उत्कृष्टता

भारत परमाणु शक्ति के एक नए युग में प्रवेश कर रहा है। कलपक्कम में प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर हमारी तकनीकी उत्कृष्टता और राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा का प्रतीक है। अपने विशाल थोरियम भंडार का उपयोग करके, भारत ऊर्जा क्षेत्र में वर्चस्व और दीर्घकालिक आत्मनिर्भरता की दिशा में एक निर्णायक कदम उठा रहा है।

-योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

### स्वास्थ्य सेवा प्रणाली

नर्सें हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की आधारशिला हैं। उनका समर्पण, निस्वार्थ भाव और सहानुभूति ही परिवारों को अपने प्रियजनों को उनकी देखभाल में सौंपने का सुरक्षित एहसास दिलाती है।

- राहुल गांधी, सांसद, सपा

### शिक्षामित्रों का हक़

भाजपा सरकार ने 9 साल शिक्षामित्रों का हक़ मारा और अब बढ़ाया भी तो भी सपा सरकार से 22 हजार कम है। अब जब भाजपा सरकार का परमानेन्ट रिटायरमेंट होने वाला है तब ये शिक्षामित्रों के प्रति सहानुभूति दिखा रहे हैं।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

# किसानों को अब कर्ज में मिलेगी ज्यादा नकदी रकम, सहकारी बैंक ने 60-40 का पुराना फार्मूला बदला

## अब 70 प्रतिशत नकद और 30 प्रतिशत खाद-बीज, दवा के लिए दिए जाएंगे, सहकारी क्षेत्र की अपेक्स बैंक की ऋण नीति में हुआ बदलाव

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए ऋण वितरण की नई नीति जारी कर दी है। इस बार सबसे महत्वपूर्ण बदलाव ऋण वितरण के अनुपात में किया गया है। अब किसानों को स्वीकृत ऋणमान का 70 प्रतिशत हिस्सा नकद के रूप में मिलेगा, जबकि शेष 30 प्रतिशत हिस्सा वस्तु (खाद-बीज और कीटनाशक) के रूप में दिया जाएगा। गौरतलब है कि इससे पहले तक किसानों को 60 प्रतिशत नकद और 40 प्रतिशत वस्तु के अनुपात में ऋण उपलब्ध कराया जाता था।

नकद ऋण की सीमा 60 प्रतिशत से बढ़ाकर 70 प्रतिशत किए जाने से किसानों के पास खेती की अन्य जरूरतों, जैसे मजदूरी भुगतान और जुताई आदि के लिए अधिक नकद राशि उपलब्ध होगी। बैंक द्वारा जारी निर्देशानुसार, वर्ष 2026-27 के लिए धान सिंचित हेतु 66 हजार रुपए और धान असिंचित हेतु 49 हजार 500 रुपए प्रति हेक्टेयर का ऋणमान तय किया गया है। इसी आधार पर 70:30 के नए फार्मूले से नकद और वस्तु का वितरण किया जाना निर्धारित है। सभी सहकारी समितियों को निर्देश दिए गए हैं कि साख सीमा (एनसीएल) के प्रकरण तैयार करने के बाद अप्रैल 2026 से किसानों को नए नियमों के तहत ऋण वितरण अनिवार्य रूप से शुरू किया जा सके। नया नियम, नई ऋण व्यवस्था केवल धान की खेती तक सीमित नहीं रहेगी। बैंक ने स्पष्ट किया है कि खरीफ और रबी की अन्य फसलों के साथ-साथ उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, लाख उत्पादन और मधुमक्खी पालन के लिए भी स्वीकृत ऋणमान के आधार पर ही प्रकरण तैयार किए जाएंगे।

रायपुर, गरियाबंद, बलौदाबाजार, महासमुंद और धमतरी जिलों के लिए जहां अधिकतम सीमा 66 हजार रुपए है, वहीं सारंगढ़-बिलाईगढ़ के भटगांव और सरसींवा क्षेत्रों के लिए सिंचित धान हेतु 60 हजार 500 रुपए प्रति हेक्टेयर की सीमा निर्धारित की गई है। समितियों को प्रारूप 01, 02 और 03 में किसानों का विवरण तैयार कर समयसीमा के भीतर बैंक शाखाओं में प्रस्तुत करने को कहा गया है, ताकि वितरण प्रक्रिया में कोई देरी न हो।

**किसान मजदूर संघ ने की थी पहल**

खास बात ये है कि किसानों को 70-30 के अनुपात में ऋण देने की मांग सबसे पहले किसान मजदूर संघ छत्तीसगढ़ रायपुर के संयोजक ललित चंद्रनाहू ने की थी। इस संबंध में उन्होंने संबंधित विभागों, जैसे पंजीयक सहकारिता व अन्य विभागों के साथ कई बार पत्र व्यव्हार भी किया था। काफी कोशिशों के बाद आखिरकार यह व्यवस्था अब लागू की जा रही है। किसानों को यह ऋण लेने के लिए अपने क्षेत्र की समिति में बी-1 की नकल, ऋण पुस्तिका, किसान क्रेडिट कार्ड (पासबुक) चेकबुक, पेश करने पर ऋण मिलेगा।

## खबर संक्षेप

### कैफे में बिना अनुमति देर रात तक पार्टी, पुलिस ने दबिश देकर बंद कराई

रायपुर। राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित एक कैफे में देर रात प्रशासन, नगर निगम और पुलिस से बिना अनुमति पार्टी चल रही थी। इस पार्टी में प्रतिबंधित डीजे भी बजाया जा रहा था। इसकी शिकायत मिलते ही तेलीबांधा पुलिस की टीम ने कैफे में छापा मारते हुए डीजे को जब्ती बनाया, वहीं इस मामले में कैफे संचालक के विरुद्ध कोलाहाल अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया है।
तेलीबांधा थाना प्रभारी ने बताया कि रविवार की रात करीब डेढ़ बजे वीआईपी रोड स्थित एक कैफे में पार्टी की जा रही थी। इस दौरान तेज आवाज में डीजे भी बजाया जा रहा था। डीजे की आवाज इतनी तीव्र थी कि इससे वीआईपी रोड से लगी कॉलोनियों में रहने वालों की नींद उड़ गई। इसकी शिकायत मिलते ही पुलिस की टीम ने इस कैफे में दबिश दी। इस दौरान पार्टी आयोजन तथा डीजे की अनुमति ली गई है या नहीं। इसकी जानकारी मांगी गई, लेकिन कैफे संचालक की ओर से अनुमति लेने संबंधी कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया। इस आधार पर पुलिस ने तत्काल डीजे की जब्ती बनाई, साथ ही कैफे संचालक के विरुद्ध कोलाहाल अधिनियम के तहत प्रकरण बनाकर कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, कैफे में बिना अनुमति पार्टी का आयोजन कर डीजे बजाया जा रहा था। इस मामले में कैफे का लाइसेंस निरस्त करने की बात कही जा रही है।

### आरटीई में बदलाव के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, डीईओ को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन के नेतृत्व में आरटीई में बदलाव के खिलाफ माध्यमिक शिक्षा मंडल कार्यालय का घेराव किया गया। नए नियम के कारण नर्सरी, केजी 1 एवं केजी 2 की कक्षाएं आरटीई के दायरे से बाहर हो जाएंगी, जिससे बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा प्रभावित होगी।
कांग्रेस ने जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर शिक्षा के अधिकार कानून में किए गए बदलाव का कड़ा विरोध दर्ज कराया। शहर अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने कहा, शिक्षा का अधिकार कानून से गरीब एवं वंचित वर्ग के बच्चों को नर्सरी से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक निशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने का माध्यम रहा है। वर्तमान सरकार द्वारा इसमें बदलाव कर कमजोर किया जा रहा है। पूर्व में आरटीई के तहत नर्सरी से ही बच्चों का प्रवेश प्रारंभ होता था, जिससे उनकी प्रारंभिक शिक्षा मजबूत होती थी। सरकार द्वारा इसे बदलकर कक्षा पहली से प्रवेश देने का निर्णय लिया गया है, जो हजारों गरीब परिवारों के साथ अन्याय है। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि जहां पहले लगभग 75000 बच्चों को आरटीई के तहत प्रवेश मिलना था, वहीं अब यह संख्या घटकर मात्र 19000 रह जाएगी। सरकार केवल 100 से 150 करोड़ के आर्थिक बचत के लिए यह कदम उठा रही है। कांग्रेस ने मांग की है कि आरटीई कानून के मूल स्वरूप को बरकरार रखते हुए पुन नर्सरी से ही प्रवेश की व्यवस्था प्रारंभ की जाए।

## किसी भी अनियमितता की होगी जांच, एग्रीस्टेक में कराएं पंजीयन, जैविक खेती को प्रोत्साहन

# रासायनिक खाद की कालाबाजारी की तो जाएंगे जेल कमी की आशंका, पर सरकार पूरी तरह सजग

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ में रासायनिक उर्वरकों की कालाबाजारी करने वालों पर अब सख्त कार्रवाई तय है। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि खाद की जमाखोरी या अधिक मूल्य पर बिक्री करने वालों पर सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं गड़बड़ी पाए जाने पर सीधे जेल भी भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि पश्चिमी एशिया संकट के कारण रासायनिक उर्वरकों की कमी की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार पूरी तरह सजग है। खाद की कमी नहीं होगी।

श्री नेताम ने ये भी कहा है कि किसानों को जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में आपूर्ति और बेहतर होगी, इसलिए किसानों को किसी भी प्रकार से घबराहट या पैनिक होने की आवश्यकता नहीं है। कृषि मंत्री ने मंगलवार को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित समेति कक्ष में रायपुर और दुर्ग संभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक में यह बात कही। मंत्री श्री नेताम ने बताया कि राज्य सरकार खरीफ 2026 की तैयारियों को लेकर पूरी तरह सक्रिय है और उर्वरक उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। जिलों के संबंधित विभागीय अमले को नियमित एवं आकस्मिक निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी स्तर पर अनियमितता सामने आते ही तत्काल कार्रवाई की जा सके। श्री नेताम ने बैठक में आगामी 5 मई से 20 मई तक पूरे प्रदेश में "विकसित भारत संकल्प अभियान" की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत कृषि वैज्ञानिकों, विभागीय अधिकारियों और मैदानी अमले की टीम गांव-गांव जाकर किसानों, किसान समूहों और संगठनों से सीधे संवाद करेगी। इस दौरान किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों, वैकल्पिक उर्वरकों और आधुनिक खेती के तरीकों की जानकारी दी जाएगी। अभियान के दौरान कृषि के साथ-साथ अन्य विभाग जैसे-मछली पालन, उद्यानिकी, पशुपालन, कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञ भाग लेंगे, जिसमें विभिन्न विभागीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार तथा विभागीय प्रकरण तैयार करने हेतु निर्देशित किया। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि पिछले वर्ष डीएपी की आपूर्ति में आई बाधाओं को देखते हुए इस बार एनपीके, एसएसपी और अन्य वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। साथ ही जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। सरकार का फोकस केवल उर्वरक उपलब्धता तक सीमित नहीं है, बल्कि खेती को अधिक टिकाऊ, लाभकारी और आधुनिक बनाने पर है। किसानों की आय बढ़ाने और लागत घटाने के उद्देश्य से दलहन, तिलहन और अन्य वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा देने की रणनीति पर भी तेजी से काम किया जा रहा है। बैठक में फार्मर आईडी के तहत एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन के लिए शेष बचे हुए कृषकों का एक सप्ताह के भीतर पंजीयन करने हेतु निर्देश दिए गए, ताकि कोई भी किसान पीएम किसान योजना से लाभान्वित होने से वंचित न रहे। उन्होंने खरीफ सीजन में किसानों को सुगमतापूर्वक उर्वरक व्यवस्था हेतु दूरस्थ अंचलों में प्राथमिकता के आधार पर उर्वरकों का भण्डारण करने हेतु निर्देशित किया।

### पीएम आशा से निराशा

मंत्री श्री नेताम ने रायपुर और दुर्ग संभाग में योजना पीएम आशा की समीक्षा के दौरान पाया कि धमतरी जिले को छोड़कर अन्य जिलों में प्रगति नगण्य है। आगामी एक सप्ताह के भीतर मार्कफेड, नाफेड एवं समिति स्तर पर समन्वय करके दलहन-तिलहन की खरीदी हेतु और अधिक प्रयास करने पर बल दिया। उन्होंने मखाना की खेती के लिए धमतरी जिले में किए गए कार्य की सराहना की। मखाना की खेती के साथ-साथ मछली पालन के लिए किसानों को जागरूक करने निर्देश दिए।

# निजी अस्पताल उठाएंगे हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं की जिम्मेदारी देंगे निशुल्क चिकित्सकीय परामर्श

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

**सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में हर माह की 9 एवं 24 तारीख को प्रसव पूर्व विशेष परामर्श**

मातृ एवं शिशु मृत्युदर में कमी लाने स्वास्थ्य विभाग ने निजी अस्पतालों के साथ मिलकर नई पहल की है। निजी अस्पताल कम से कम दो उच्च जोखिम की श्रेणी में शामिल महिलाओं को निशुल्क चिकित्सकीय परामर्श देंगे। साथ ही सतत निगरानी एवं सुरक्षित संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने गर्भवती महिलाओं को प्रत्येक माह की 9 और 24 तारीख को विशेष परामर्श प्रदान किया जा रहा है।

राष्ट्रीय कार्यक्रमों के उन्मुखीकरण एवं उच्च जोखिम गर्भवती माताओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन की अध्यक्षता एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी की उपस्थिति में बैठक हुई। बैठक में आईएमए, हास्पिटल बोर्ड, फॉग्सी सहित अन्य संगठन से जुड़े डॉक्टर भी शामिल हुए। बैठक में जिले के मातृ एवं शिशु मृत्युदर को न्यूनतम स्तर पर लाने के लिए वर्तमान में चिकित्सकीय सुविधाओं का लगातार उन्नयन करने के साथ गर्भवती महिलाओं के परिवार को सुरक्षित मातृत्व की जिम्मेदारी के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया गया है। इस दौरान जिले के तमाम निजी अस्पतालों को कम से कम दो एचआरपी महिलाओं की जिम्मेदारी लेकर उन्हें निशुल्क चिकित्सकीय परामर्श एवं देखभाल करने कहा गया। इस दौरान सीएमएचओ ने बताया कि वर्तमान में जिला रायपुर में प्रधान मंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत प्रत्येक माह की 9 और 24 तारीख को जिले के समस्त सरकारी स्वास्थ्य संस्थाओं में उच्च जोखिम वाली समस्त गर्भवती महिलाओं को निशुल्क प्रसव पूर्व जांच एवं विशेष परामर्श प्रदान किया जा रहा है।

# आत्मानंद विद्यालयों के 751 प्राचार्यों से पूछेगा डीपीआई- इंग्लिश सुधारने क्या किया? नीट-जेईई तैयारी का रोडमैप

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

**9 अप्रैल को राजधानी में स्वामी आत्मानंद विद्यालय के प्राचार्यों की राज्य स्तरीय बैठक**

छत्तीसगढ़ में संचालित 751 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी व हिन्दी माध्यम विद्यालयों के प्राचार्यों को लोक शिक्षण संचालनालय ने राजधानी तलब किया है। इसके लिए समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को खत लिखा गया है। इसमें कहा गया है कि अकादमिक कार्यों के सफल एवं सुचारू संचालन के लिए प्राचार्यों की बैठक 9 अप्रैल को पं.दीनदयाल ऑडिटोरियम में आयोजित की जाएगी। इसमें प्रदेशभर के स्वामी आत्मानंद विद्यालयों के प्राचार्य शामिल होंगे। बैठक के एजेंडे भी साझा किए गए हैं।

प्राचार्यों से पूछा जाएगा कि बोर्ड रिजल्ट के लिए सत्र 2025-26 एवं 2026-27 में विद्यालय का लक्ष्य क्या था? मार्च-अप्रैल में हो चुकी परीक्षाओं को लेकर किए गए उनके प्रयासों के अतिरिक्त अगले शैक्षणिक सत्र में छात्रों के बेहतर प्रदर्शन के लिए कौन सी योजनाएं बनाई गई हैं, इस पर भी चर्चा होगी। नीट व जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए लक्ष्य निर्धारित किया जाएगा। एडमिशन पर चर्चा करने के साथ अंग्रेजी भाषा में विद्यार्थियों की दक्षता के लिए विद्यालय द्वारा की गई कोशिशों की भी जानकारी देनी होगी।

शिक्षक-अभिभावक बैठक माह में कब-कब आयोजित की गई और इसकी सफलता की दर कितनी रही, इसकी भी समीक्षा की गई। पालक अधिकारी द्वारा किए गए प्रयासों की भी समीक्षा बैठक में होगी। अन्य गतिविधियों में विद्यालयों की सफलता, विद्यालय के वातावरण को आकर्षक बनाने में विद्यालय द्वारा किए गए प्रयास, स्मार्ट क्लास रूम एवं पुस्तकालय के उपयोग, शैक्षणिक गुणवत्ता के लिए विद्यालयीन आवश्यकताएं सहित नवाचार गतिविधियों पर चर्चा इस बैठक में होगी। लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को जारी आदेश में कहा है कि वे अपने जिले के समस्त सेजेस प्राचार्यों को निर्धारित तिथि एवं समय पर बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित कराना सुनिश्चित करें।

गौरतलब है, फंड के अभाव में पिछले दो शैक्षणिक सत्र से स्वामी आत्मानंद विद्यालयों के स्तर में कमी आई है। पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में प्रत्येक स्वामी आत्मानंद विद्यालय को संचालन के लिए पांच लाख रुपए की राशि वार्षिक रूप से प्रदान की जाती थी। बीते दो सत्रों से विद्यालयों को यह राशि प्राप्त नहीं हो सकी है। यही कारण है कि विद्यालय रख-रखाव सहित अन्य चीजों पर पूर्व की तरह ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। कुछ स्कूलों द्वारा उधार में सामग्री मांगकर भी व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश की गई है। हालांकि, इन बिंदुओं को बैठक के एजेंडे में शामिल नहीं किया गया है।

# छोटे मालवाहक बिगाड़ रहे यातायात, बंद हो एंट्री

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

आम आदमी पार्टी ने ट्रैफिक समस्याओं को मंगलवार को मोर्चा खोला। पार्टी का कहना है, एमजी रोड, राठौर चौक, अग्रसेन चौक, भैंसथान, फाफडीह, रेलवे स्टेशन मार्ग, चुना भट्टी, गुढ़ियारी, कर्मा चौक, रामनगर, नहरपारा, संजय गांधी चौक, गुरुद्वारा स्टेशन रोड, मालवीय रोड इन सभी मार्गों पर शाम होते ही भयंकर जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है कई बार एम्बुलेंस को रास्ता नही मिलता। अपनी शिकायतें लेकर पार्टी ने रायपुर कमिश्नर संजीव शुक्ला को ज्ञापन दिया। आम आदमी पार्टी का कहना है, इन सभी मार्ग पर छोटे मालवाहक वाहन सरपट दौड़ते हैं। इन्हें शहर से बाहर करने के लिए बेरिकेट्स लगवाने सहित कई उपाय किए गए, लेकिन राजनीतिक दबाव में यह सफल नहीं हो सके। रावाभटा स्थित ट्रांसपोर्ट नगर इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए बनया गया था, लेकिन वह भी खानापूर्ति ही रहा और ट्रैफिक की समस्या जस की तस बनी हुई है। फरवरी में आदेश जारी कर इन सभी मार्गो पर शाम 5 बजे से रात्रि 9 बजे तक छोटे माल वाहक वाहनों की नो एंट्री लगा दी थी। यह एक सराहनीय पहल था, जिससे रायपुर शहर की जनता ने कुछ दिन राहत की सांस ली, लेकिन राजनीतिक दबाव में यह निर्णय को शिथिल करना पड़ गया। इस नियम का उल्लंघन करने वालो पर हर जगह चालान काटे जा रहे थे पुलिस जवानों की तैनाती सभी जगह देखने को मिलती थी ।

ANJANEYA UNIVERSITY
KNOWLEDGE VILLAGE NARDAHA, NEAR VIDHAN SABHA ROAD, RAIPUR
Ph.D. ADMISSION NOTIFICATION
SESSION JAN-2026
Eligible candidates are invited to apply online for the Ph.D. Programme Entrance Test 2026 at https://anjaneyauniversity.ac.in with a fee of Rs.1500/-. Candidates with valid UGC-NET/SET/GATE or equivalent scores are exempted from the entrance test but must still apply online and attend the interview.

Available seats in various disciplines for Ph.D programme are below

| | | | |
|---|---|---|---|
| Biochemistry | 04 | Hotel Management | 04 |
| Biotechnology | 06 | Journalism and Mass Communication | 01 |
| Botany | 05 | Law | 09 |
| Chemistry | 08 | Library Science | 02 |
| Civil Engineering | 04 | Management | 19 |
| Commerce | 09 | Mathematics | 06 |
| Computer Science | 02 | Mechanical Engineering | 11 |
| Computer Science Engineering | 12 | Microbiology | 03 |
| Economics | 06 | Pharmacy | 06 |
| Education | 15 | Physics | 05 |
| Electrical & Electronic Engineering | 01 | Political Science | 09 |
| English | 08 | Psychology | 04 |
| Geography | 04 | Sociology | 06 |
| Hindi | 06 | Yoga | 03 |
| History | 05 | Zoology | 09 |

NO. OF SEATS MAY VARY AT THE TIME OF DRC/RDC

IMPORTANT DATES

| | |
|---|---|
| Release of Admission announcement | 02-04-26 |
| Commencement of online application submission | 02-04-26 |
| Last date for submitting online application | 16-04-26 |
| Downloading of Hall tickets for written test | 16-04-26 |
| Entrance Examination (Written test) | 18-04-26 |
| Interview | 25-04-26 |
| Notification of list of selected/waitlisted candidates on the website | 28-04-26 |
| Admission counselling/Document verification | 04-05-26 |
| Commencement of classes | 08-05-26 |

For details including courses offered, eligibility, criteria, prescribed fee and entrance test, syllabus, please visit university website https://anjaneyauniversity.ac.in

## व्यवस्था में सुधार न होने पर उग्र आंदोलन करने की दी चेतावनी

# बिजली कटौती के विरोध में कांग्रेस ने किया गुढ़ियारी कार्यालय का घेराव

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री सुबोध हरितवाल के नेतृत्व में लगातार बिजली कटौती और सहायता केंद्र में व्याप्त अनियमितता के विरोध में गुढ़ियारी स्थित बिजली विभाग के कार्यालय का घेराव किया गया, जिसमें सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता और गुढ़ियारी के आमजन शामिल रहे। घेराव के दौरान कार्यकर्ताओं ने बिजली विभाग और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया।

सुबोध हरितवाल ने अधिकारियों को बाहर बुलाया और कहा, मैं एसी कमरे में आकर बात नहीं करूंगा। अधिकारियों को बाहर बुलाकर सबके सामने बात की, ताकि एसी में रहने वाले अधिकारी गर्मी से परेशान जनता की तकलीफ को महसूस कर सकें। उन्होंने बताया कि रायपुर राजधानी में राज्य में सरप्लस बिजली होने के बाद भी यहां पर लगातार बिजली कटौती की समस्या से जनता को जूझना पड़ रहा है। विशेष तौर पर अगर गुढ़ियारी क्षेत्र की बात करें तो पिछले 5 दिनों से रोज रात बिना सूचना के बिजली गुल की जाती है। सुबह तक बिजली आने का कोई अंदेशा नहीं रहता। दुर्भाग्य ये है कि बिजली विभाग के सहायता केंद्र में फोन उठने वाला व्यक्ति गायब रहता है या फोन का रिसीवर उठाकर नीचे रख देता है, जिससे जनता को परेशानी हल भी नहीं होती। उन्होंने बताया कि अपनी मांगों से विभाग को रूबरू कराते हुए जनता का विरोध दर्ज कराया और चेतावनी भी दी है कि व्यवस्था में यदि सुधार नहीं लाया गया तो उग्र आंदोलन होगा।

रात में हो रही बिजली कटौती तत्काल रोकी जाए। लाइनमैन की व्यवस्था पर्याप्त हो, जिससे काम तत्काल किया जा सके। फ्यूज और डीओ बदलने की प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी करने के लिए कर्मचारी भेजे जाए। ओवरलोड की वजह फेल हो रहे ट्रांसफार्मर की संख्या बढ़ाई जाए। जनता का कॉल न उठाने वाले सहायता केंद्र ठेकेदार पर कार्यवाही की जाए। विभाग के अधीक्षण अभियंता महेश ठाकुर और कार्यपालन अभियंता रामकुमार साहू ने जनता को आश्वस्त किया कि जल्द से जल्द बिजली कटौती रुकेगी और साथ ही सहायता केंद्र ठेकेदार पर कार्यवाही भी की जाएगी।

प्रदर्शन के दौरान प्रमुख रूप से पूर्व महापौर एजाज ढेबर, ब्लॉक अध्यक्ष सुधा सरोज और किशन बाजारी, पूर्व पार्षद सुंदर जोगी, रमाकांत शर्मा, अमित काचलवार, विक्की साहू, जितेंद्र साहू, प्रगति वाजपाई, रशीद खान, कुंदन सिन्हा, तोरण साहू, बल्ली भैया, ऋषि सरोज, रोशन खान, दीपेंद्र ठाकुर, शानू दीवान, जीतू पाल, अमित मीतू तिवारी, अजीत कोली, मोना पटले समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में बांसगीत का सामाजिक सन्दर्भ

कला जगत

डा. सोमनाथ यादव

छत्तीसगढ़ी बांसगीत और गाथाओं में इतिहास और संस्कृति के पृष्ठभूमि में सामाजिक सन्दर्भ उभरता है। यदुवंशियों की अलौकिक वीरता, शरीर सौष्ठव, पहनावा, खानपान, उत्सव और रीति रिवाज सभी में उसका सामाजिक सन्दर्भ उभरकर आता है। इनके शौर्य प्रदर्शन के आधार पर विरोचित पहनावा झलकता है। रंग बिरंगी पगड़ी, उसके ऊपर लहराती कलगी, मोर पंख, कौड़ी, कांच से बनी साज सज्जा, लाठी, घुटनों तक कसी और बंधी धोती पर उसका नर्तन, शस्त्रों का प्रदर्शन, प्राचीन और पारम्परिक युद्ध कला को जीवंत कर जाता है।

इसी तरह प्राचीन मड़ई का सम्बन्ध वेद की इंद्र ध्वज परंपरा से जोड़ा जाता है। इसमें मोर पंख आर्य संस्कृति, कौड़ी द्रविड़ और मुर्गा आदिवासी या निषाद संस्कृति का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ की प्राचीन संस्कृति में तीनों तत्व समाहित हैं। बांसगीत और लोक कथाओं में लोक कीर्तन परंपरा की झलक मिलती है। बांस से लोक वाद्य बना कर उसे बजाना, बंशी वादन के भी पहले की परंपरा प्रतीत होती है। इसलिए इसमें आध्यात्म, इतिहास और संस्कृति के बहाने जातीय गौरवगाथा का प्रदर्शन होता है। बांसगीत की यह विशिष्टता है कि इसमें जहां सार्वदेशिक और प्रख्यात चरित्रों का महिमामंडित गान समाहित हैं, वहीं क्षेत्रीय और ग्रामीण विभूतियों के कार्यों का चित्रण है।

लोक साहित्य

डा. सुधीर पाठक

## सरगुजिहा को उपबोली मानने के प्रामाणिक तथ्य

सदरी सरगुजा जिले के शंकरगढ़, कुसमी और चांदो प्रखंड के आमजन की संपर्क भाषा है। यह बोली सम्पूर्ण जशपुर, पलामू के सीमावर्ती क्षेत्र, गुमला जिला तथा रांची जिला के दक्षिणी भाग के आमजन की संपर्क भाषा है। यहां के अधिकांश निवासी आग्नेय परिवार के भाषा भाषी भी हैं, यथा - कोरवा, कोडकू, मुंडा और उराव आदि। इनकी अपनी जातीय भाषियों के संपर्क में आए बोलियां भी है। यह लोग जब आर्य भाषा भाषियों के संपर्क में आए तब से एक नई बोली का जन्म हुआ, जिसे सरगुजा और जशपुर में सदरी के नाम से जाना जाता है। तथा गुमला और रांची में छोटा नागपुरी या नागपुरिया नाम दिया गया। व्याकरण के आधार पर दोनों एक ही हैं तथा सदरी की समानता सरगुजिहा से है। इसके अतिरिक्त पश्चिम में छत्तीसगढ़ी का प्रभाव पड़ने लगता है। तीसरा कारण यहां के अनार्य भाषा भाषी आदिवासियों की बोली है। यही भाषा जशपुर के उत्तर तथा पूर्व में बोली जाती है।

गांव की कहानी

पुनूराम ' राज '

## मगर के समान लोटने से नाम पड़ा मगरलोड

एक समय का अत्यंत पिछड़ा ग्राम को सितंबर 2008 को नगर पंचायत का दर्जा प्राप्त हुआ 1 इस गांव के नामकरण के पीछे जनश्रुति है कि पहले यहां चारों तरफ मगरलोटा नामक पत्ती युक्त घास की बहुलता हुआ करता था ल आज भी यहां नाला के किनारे घास पाया जाता है ल इसी मगरलोटा नामक घास की अधिकता के कारण इसका नाम मगरलोट पड़ा, जो आगे चलकर मगरलोड हो गया।

एक अन्य जनश्रुति के अनुसार पति पत्नी जंगल के कंदमूल और कोदो कुटकी खाकर जीवन यापन करते थे, और साधु के सेवा सत्कार में लगे रहते थे। इससे साधु ने प्रसन्न होकर वरदान दिए। वरदान के लिए शर्त था कि सबेरा होने का संकेत मिलते ही चारों तरफ घेरा बना कर दौड़ना प्रारम्भ कर सूर्य निकलने के बाद साधु के चरणों में मगर के समान लोटना था। यह भक्त ऐसा ही किया। जितने क्षेत्र में भक्त दौड़ लगाया उतना क्षेत्र भक्त को दिया, और मगर के समान लोटने के कारण इस स्थल का नाम मगरलोट कहलाया। बोलचाल में सुविधा कि दृष्टि से लोगों ने गांव का नाम मगरलोड कर दिया।

### लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भितिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

# इतिहास के पन्नों में कांकेर रियासत

ऐतिहासिक

निर्मलकांत श्रीवास्तव

कांकेर का प्राचीन नाम शिलालेख व ताम्र पत्रों में कांकेर या काकरय लिखा हुआ है। यदि यह नाम संस्कृत के काक्स का अपभ्रश हो तो इसका अर्थ होता है कौए का शोर वाला स्थान। इससे स्पष्ट होता है कि पहले समय में यहां कौओं का बड़ा शोरगुल होता रहा हो। इसके उत्तरी भाग में दुर्ग, पूर्व में रायपुर जिला, दक्षिण बस्तर और पश्चिम में चांदा जिला। कांकेर राजवंश सोमवंशी क्षत्रिय था। किवंदती है कि राज्य के प्रथम अधिश्वर वीर कांहरदेव जगन्नाथपुरी के राजा थे। पर कुष्ठ रोग से ग्रसित होने के कारण उन्हें अपना राज्य त्याग करना पड़ा। स्वास्थ्य लाभ की तलाश में प्रवास करते हुए वे सिहावा आ पहुंचे, जहां श्रृंगी ऋषि का आश्रम प्राचीन समय से रहा है। और वे सिहावा की जनता के अनुरोध पर यहां राज्य करने लगे, जो 18 पीढ़ी तक इस वंश में चलता रहा। पर सिहावा में प्राप्त एक शिलालेख से जो शक संवत 1114 में उत्कीर्ण किया गया था। इससे यह प्रमाणित होता है कि वहां इस वंश का राज्य कुछ समय तक अवश्य रहा होगा। कहते हैं कि इस घराने के तीसरे राजा ने कांकेर परगना को अपने राज्य में सम्मिलित कर सिहावा से कांकेर राजधानी उठा लाया, जो प्राचीन काल में कंकन कहलाता था।

पुरातत्विक : घनश्याम नाग

## बड़े डोंगर की प्राचीन धरोहरों में नकटी देवरली

हल्बी भाषा में मंदिर को देवरली कहा जाता है और जिसकी नाक कटी हो उसे नकटी। भैंसा दोंद डोंगरी के दक्षिण में तालगुंडरा के नीचे एक प्राचीन मंदिर के भगनावशेष बिखरे पड़े हैं। प्रस्तर खंडो के इस मंदिर के सम्बन्ध में जनश्रुति है कि माई दंतेश्वरी मंदिर का निर्माण शुरू हुआ तभी से नकटी देवरली मंदिर का निर्माण भी शुरू हुआ। माई जी का मंदिर बन कर तैयार हो गया, लेकिन अब देख कर लोग शिव मंदिर का अनुमान लगाते हैं जो अधूरा रह गया। मंदिर बनाने में पिछड़ जाने के कारण निर्माणकर्ताओं ने शर्म महसूस किया और इसे अधूरा ही छोड़ दिया। तब से इस बिखरे मंदिर को नकटी देवरली कहते हैं, उपहास और उपेक्षा से यह कलात्मक मंदिर उजाड़ हो गया। तरासे गए प्रस्तर खंड आसपास बिखरे पड़े हैं, गर्भ गृह का कुछ हिस्सा बचा हुआ है। लेकिन किसी देवी देवता का विग्रह स्थापित नहीं है इसलिए यहां कभी पूजा या जातरा भी आयोजित नहीं की जाती। अब इस प्राचीन धरोहर पर बड़ी बड़ी झाड़ियां ऊग आई हैं, जिससे इसके प्राचीन भव्यता का अंदाजा लगाना आसान नहीं है।

लोकगीत

डा. पी. सी. लाल यादव

## बस्तर अंचल में गाए जाते हैं चइत परब गीत

छत्तीसगढ़ में जनजातियों की बहुलता है। यह जनजातियां आज भी अपनी आदिम प्रवित्तियों और परंपराओं के साथ घने जंगलों में निवास करती हैं। इनके रीति रिवाज, उत्सव, पर्व, रहन सहन, गीत संगीत लोगों के लिए कौतूहल और आकर्षण के विषय हैं। यह भोलेभाले, सहज सरल और आत्मीय होते हैं। धरती की तरह सहनशील, पर्वत की धैर्यवान और गंगा जल की तरह पवित्र और चरित्र वान। छत्तीसगढ़ का बस्तर अंचल तो आदिम संस्कृतियों का भंडार है। यहां मुरिया, माड़िया, भतरा, हल्बा आदि जनजातियां निवास करती हैं, इनमें गीत संगीत और नृत्य की विशिष्ट परंपराएं हैं। इसमें चैत्र माह में चइत परब गीत गाने की परंपरा है -

*ए लेकी चो खेलुक जातोर, केबइ नी फिटे...*
*फिटू आय कसन जाले, ए चंपा फूलों, ए मोंगरा फूलों...*
*सरली रे जुआन लेकी बाय जन जालो...*
*ए लेका चो बुलुक जाटोर, केवइ नी फिटे... फिटू आय कसन जाले, ए डूमर फूलो ए सेमर फूलो...*
*सरली रे खोडया लेका बाय जन जालो...।*

सुरता : स्वराज करुण

**प्रसिद्ध कर्मवीर कवि पण्डित माखनलाल चतुर्वेदी की लोकप्रिय कविता 'पुष्प की अभिलाषा ' का जन्म छत्तीसगढ़ के बिलासपुर स्थित केन्द्रीय जेल में हुआ था। आज़ादी के आंदोलन के दौरान बिलासपुर के शनिचरी मैदान में एक विशाल आम सभा हुई थी,जहां चतुर्वेदी जी ने भारत में अंग्रेजी साम्राज्य की बत्ती जल्द गुल होने और स्वतंत्रता का सूर्योदय जल्द होने का ऐलान किया था। इस पर तत्कालीन ब्रिटिश हुकूमत ने उन पर राजद्रोह का आरोप लगाकर उन्हें गिरफ़्तार कर लिया।**

## छत्तीसगढ़ की जेल में जन्मी थी ' पुष्प की अभिलाषा '

चतुर्वेदी जी 5 जुलाई 1921 से एक मार्च 1922 तक लगभग 8 महीने बिलासपुर के सेन्ट्रल जेल में कारावास में रहे। वहीं उन्होंने 'पुष्प की अभिलाषा ' शीर्षक अपनी प्रसिद्ध कविता की रचना की ,जिसमें एक पुष्प के माध्यम से देशवासियों की स्वतंत्रता की चाहत और मातृभूमि की आज़ादी के लिए अपना शीश चढ़ाने की तीव्र उत्कंठा प्रकट की गयी है। यानी यह कविता लगभग सौ साल से भी कुछ पहले कवि माखनलाल चतुर्वेदी के कारावास काल में उनके हृदय से निकली थी।

चतुर्वेदी जी का जन्म 4 अप्रैल 1889 को वर्तमान मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले के ग्राम बाबई में हुआ था। उनका निधन 30 जनवरी 1968 को हुआ । चतुर्वेदी जी कवि होने के साथ -साथ लेखक और पत्रकार भी थे। उन्होंने वर्ष 1906 में अध्यापक के रूप में अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की ,लेकिन लोकमान्य बालगंगाधर तिलक और महात्मा गांधी के विचारों से प्रभावित होकर स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े। इस दौरान उन्होंने 'प्रभा ' 'प्रताप ' और 'कर्मवीर

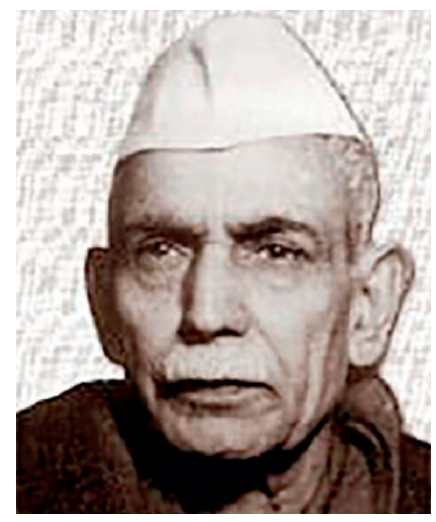

' नामक पत्रिकाओं का भी सम्पादन किया। पण्डित माखनलाल चतुर्वेदी ने सैकड़ों कविताएँ लिखीं । देशप्रेम से परिपूर्ण उनकी अधिकांश रचनाओं का मूल स्वर प्रगतिवादी है। आज़ादी के बाद चतुर्वेदी जी को भारत सरकार ने वर्ष 1955 में साहित्य अकादमी पुरस्कार और वर्ष 1963 में पद्मभूषण अलंकरण से सम्मानित किया था। उनके सम्मान में भारत सरकार ने डाक टिकट भी जारी किया।

साहित्य अकादमी पुरस्कार उन्हें अपनी काव्य कृति 'हिमतरंगिनी' पर प्रदान किया गया था। मध्यप्रदेश सरकार ने 16 -17 जनवरी 1965 को उनके सम्मान में खंडवा में नागरिक अभिनन्दन समारोह का भी आयोजन किया था। सागर विश्वविद्यालय ने उन्हें डी. लिट् की मानद उपाधि से नवाजा । उनकी लगभग 100 वर्ष पहले की इस बेहद लोकप्रिय कविता की अमिट पंक्तियों को आइए ,एक बार फिर मन ही मन गुनगुनाएं

*चाह नहीं मैं सुरबाला के गहनों में गूंथा जाऊं ।*
*चाह नहीं, प्रेमी-माला में बिंध प्यारी को ललचाऊं ।।*
*चाह नहीं, सम्राटों के शव पर हे हरि, डाला जाऊं ।*
*चाह नहीं, देवों के सिर परचढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊं।।*
*मुझे तोड़ लेना वनमाली उस पथ पर देना तुम फेंक ।*
*मातृभूमि पर शीश चढ़ाने जिस पथ जावें वीर अनेक ।।*

# जमा वृद्धि के मामले में निजी क्षेत्र के बैंकों का प्रदर्शन सार्वजनिक बैंकों से बेहतर

## सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में यह वृद्धि दो से 14 प्रतिशत रही

एजेंसी ▶▶| मुंबई

निजी क्षेत्र के बैंकों ने जमा वृद्धि के मामले में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को पीछे छोड़ते हुए मजबूत वृद्धि दर्ज की है। हालांकि कुल मिलाकर बैंकों को जमा जुटाने में लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बैंकों के अस्थायी आंकड़ों को समग्र रूप से देखने पर पता चलता है कि वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में निजी बैंकों ने जमा में 12 से 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में यह वृद्धि दो से 14 प्रतिशत रही।

**वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में निजी बैंकों ने जमा में 12 से 17% की वृद्धि**

एजेंसी द्वारा संकलित आंकड़ों के मुताबिक, कम लागत वाली जमाओं पर लगातार दबाव के कारण, बैंक हाल की तिमाहियों में जमा प्रमाणपत्र के माध्यम से कोष जुटाने पर अधिक निर्भर रहे हैं। जमा जुटाना विशेष रूप से चालू खाता एवं बचत खाता (सीएएसए) के मामले में चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। इसका कारण यह है कि अपेक्षाकृत कम ब्याज दरों के कारण अन्य वित्तीय उत्पादों की तुलना में ये जमा कम आकर्षक हो गए हैं।

### एचडीएफसी की जमा वृद्धि 14 फीसदी रहने का अनुमान

घरेलू ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने एक रिपोर्ट में कहा कि एचडीएफसी बैंक की जमा वृद्धि वित्त वर्ष 2027-28 तक 14 प्रतिशत बनी रहने का अनुमान है और उस समय तक कर्ज-जमा अनुपात घटकर 94 प्रतिशत रहने की संभावना है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में बैंक ऑफ इंडिया ने जनवरी-मार्च तिमाही में 14.33 प्रतिशत की जमा वृद्धि दर्ज की। इसके बाद बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने 14 प्रतिशत और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने 13.37 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।




### आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की

निजी बैंकों में से आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की। बैंक की जमा राशि 17.2 प्रतिशत बढ़कर 2.43 लाख करोड़ रुपये हो गई। इसके बाद कोटक महिंद्रा बैंक 14.7 प्रतिशत और एचडीएफसी बैंक 14.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ क्रमशः दूसरे एवं तीसरे स्थान पर रहे।

### बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने 2.92 लाख का दिया ऋण

सरकारी बैंकों ने इस मामले में 12 से 22 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की है जबकि निजी बैंकों ने 12 से 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने सालाना आधार पर 22 प्रतिशत वृद्धि के साथ 2.92 लाख करोड़ रुपये का ऋण दिया। इसके अलावा, यूको बैंक ने 20 प्रतिशत वृद्धि के साथ 2.34 लाख करोड़ रुपये और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने 18.90 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3.45 लाख करोड़ रुपये के कर्ज दिए।

### ऋण वृद्धि 13.8 प्रतिशत रही

मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट के मुताबिक, 15 मार्च, 2026 तक ऋण वृद्धि 13.8 प्रतिशत रही और पर्याप्त नकदी एवं जीएसटी कटौती के बाद उपभोग-आधारित सुधार के कारण इसमें तेजी बनी हुई है।

# टाटा स्टील का कच्चे इस्पात का उत्पादन आठ फीसदी बढ़ा

## वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 2.34 करोड़ टन रहा यह अब तक का सर्वाधिक वार्षिक उत्पादन है

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टाटा स्टील ने मंगलवार को बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत में उसका कच्चे इस्पात का उत्पादन आठ प्रतिशत बढ़कर 2.34 करोड़ टन रहा, जो अब तक का सर्वाधिक वार्षिक उत्पादन है।

कंपनी ने बताया कि उत्पादन में यह वृद्धि मुख्य रूप से उसके कलिंगनगर संयंत्र में परिचालन बढ़ने के कारण हुई है। टाटा स्टील के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 25-26 की चौथी तिमाही में कच्चे इस्पात का उत्पादन पिछले साल की समान तिमाही के 54.4 लाख टन से बढ़कर 62.5 लाख टन हो गया। उत्पादन के साथ-साथ भारत में कंपनी की वार्षिक आपूर्ति भी बढ़कर 2.25 करोड़ टन तक पहुंच गई।

### थाईलैंड के कुल आपूर्ति में 11 फीसदी की वृद्धि

टाटा स्टील थाइलैंड का बिक्री योग्य इस्पात उत्पादन वित्त वर्ष 2025-26 में 13.3 लाख टन रहा और आपूर्ति 13.2 लाख टन रही। थाइलैंड के घरेलू बाजार में सरिये की भारी मांग रहने से कंपनी की कुल आपूर्ति में पिछले साल के मुकाबले 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

# लोढ़ा डेवलपर्स की बिक्री बुकिंग 23 प्रतिशत बढ़ी

**नई दिल्ली।** रियल एस्टेट कंपनी लोढ़ा डेवलपर्स की वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में बिक्री बुकिंग 23 प्रतिशत बढ़कर 5,890 करोड़ रुपये हो गई।

**छ.ग. गृह निर्माण मंडल वृत्त-बिलासपुर**

**निविदा निरस्तीकरण सूचना**

वि.क्र.-21

इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा आमंत्रण सूचना विज्ञापन क्र.-19 दिनांक 03.04.2026 को दैनिक समाचारों में प्रकाशित हुई है, को अपरिहार्य कारणों से आमंत्रित निविदा निरस्त किया जाता है।

संवाद- 47415 उपायुक्त

**COLLEGE OF AGRICULTURE & RESEARCH STATION**
**(INDIRA GANDHI KRISHI VISHWAVIDYALAYA)**
**FINGESHWAR, GARIABAND (C.G.)**
**Email: cars.gariaband@igkv.ac.in Phone: 07701-299334**

No./Acad./CARS/2026/348 Gariaband, Date: 06/04/2026

**WALK-IN-INTERVIEW**

Interested eligible candidtes are invited to appear in Walk-in interview for **Guest Faculty** on contractual basis in the discipline of Agronomy, **Agricultural Statistics and Livestock Production & Management** (01 post each).

**Last date for submission of application -** Submit application in prescribed format through email (cars.gariaband@igkv.ac.in) to the Dean, College of Agriculture & Research Station,, Gariaband (C.G.)- 493992 on or before **18th April, 2026.**

Interview will be held at **College of Agriculture - Raipur** on **29th & 30th April, 2026 at 10 A.M. onwards.** Detailed information regarding qualifications, application format, pay and other terms & condition can be seen in University website **www.igkv.ac.in**

**(Dr. G.K. Sharma)**
**DEAN**
**College of Agriculture and Research Station (IGKV) Fingeshwar**
**Distt. Gariaband (C.G.)**
**Pin- 493992**

**S.- 47412**

**कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति बिलासपुर, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)**
**EMAIL-mandi.bsp-cg@gov.in**

क्रमांक/ मंडी/फ.स.ति / 112 (25)/26-27/21 बिलासपुर, दिनांक 7-4-26

**निविदा आमंत्रण सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कृषि उपज मंडी समिति बिलासपुर के अंतर्गत थोक फल सब्जी उपमंडी तिफरा में निर्मित कैंटीन, को किराए पर दिया जाना है जिसका न्यूनतम किराया 10,000/- (दस हजार रूपये) मात्र प्रतिमाह निर्धारित है एवं अमानत राशि 2,00,000/- (दो लाख रूपये) मात्र का एफ डी सचिव, कृषि उपज मंडी समिति बिलासपुर के नाम देय होगा, अधिकतम किराया प्रस्तुतकर्ता को सफल बोलीकर्ता घोषित किया जायेगा। निविदा प्रारूप मंडी समिति से 200 रू ऑवेदन शुल्क पर प्राप्त किया जा सकेगा और निविदा (मासिक किराया) दिनांक 29.04.2026 को दोपहर 3:00 बजे तक मंडी कार्यालय को पंजीकृत डाक से प्राप्त हो जानी चाहिए। प्राप्त निविदायें दिनांक 30.04.2026 को निविदा प्रस्तुतकर्ता / प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। विस्तृत नियम एवं शर्त कृषि उपज मंडी समिति बिलासपुर के कार्यालय में कार्यालयीन अवधि में देखी / प्राप्त की जा सकती है।

(आर के. ध्रुव)
सचिव
कृषि उपज मंडी समिति बिलासपुर
जिला- बिलासपुर (छ.ग.)

(पी. डी. हथेश्वर)
भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मंडी समिति बिलासपुर
जिला- बिलासपुर (छ.ग.)

संवाद- 47411

# जीई शिपिंग मध्यम-रेंज टैंकर 'जग पांखी' बेचेगी

**नई दिल्ली।** द ग्रेट ईस्टर्न शिपिंग कंपनी लिमिटेड (जीई शिपिंग) ने मंगलवार को कहा कि उसने अपने 2003 में निर्मित मध्यम श्रेणी के टैंकर 'जग पांखी' को तीसरे पक्ष को बेचने का समझौता किया है। जीई शिपिंग ने एक बयान में बताया कि 46,273 डेडवेट टन (डीडब्ल्यूटी) की वहन क्षमता वाले इस जहाज की आपूर्ति चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में खरीदार को कर दी जाएगी।

# लोटस के एनिवर्सरी डील फेस्टिवल में जीतो 1 करोड़ तक के इनाम

**बिलासपुर।** इन दिनों लोटस अपना 26 वां एनिवर्सरी डील फेस्टलवल मना रहा है। इस अवसर पर लोटस ने अपने प्रिय ग्राहकों के लिए लोटस के एनिवर्सरी डील फेस्टिवल में जीतो 1 करोड़ तक के इनाम जीतने का मौका दिया है। इस 26वीं एनिवर्सरी पर स्पेशल एनिवर्सरी डील फेस्टिवल में जीतो स्क्रैच एंड विन के तहत 1 करोड़ तक के इनाम और साथ ही 75% तक की छूट शर्ते लागू है। हर बार की तरह एनिवर्सरी पर लोटस एनिवर्सरी डील फेस्टिवल में सभी प्रोडक्ट्स पर आकर्षक ऑफर्स मिल रहा है।

लोटस का कहना है लोटस के ग्राहकों को हर प्रकार की शंका और दुविधा का समाधान मिल जाता है। इलेक्ट्रॉनिक सामान को लेकर भी परिवार के सदस्यों की पसंद भी अलग-अलग होती है। लोटस इलेक्ट्रॉनिक्स पर इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि ग्राहकों को अपनी जरूरत का प्रॉडक्ट चुनने के लिए हर तरह की मदद जरूर मिले। इसके लिए लोटस के सभी स्टोर्स पर एक्सपर्ट टीम मौजूद रहती है जो ग्राहकों को किसी भी प्रॉडक्ट से जुड़ी जानकारी मुहैया कराती है। लोटस की एक्सपर्ट टीम ग्राहकों को सही उत्पाद का चयन करने में सहायता करती है। ग्राहकों की शॉपिंग को यादगार बनाने के लिए यहां का कस्टमर फ्रेंडली स्टाफ हमेशा से ही खास भूमिका निभाता रहा है।




यही वजह है कि लोटस पर आकर प्रॉडक्ट्स को लेकर ग्राहकों की हर दुविधा और कंफ्यूजन दूर हो जाता है। यहां से प्रॉडक्ट खरीदने पर ग्राहकों को एक्सपर्ट एडवाइज के साथ ही प्रॉडक्ट का फ्री डेमो भी मिलता है। ग्राहकों के अटूट विश्वास और प्यार ने लोटस को सिर्फ इंदौर ही नहीं बल्कि भारत के कई अन्य शहरों में इलेक्ट्रॉनिक्स का प्रमुख नाम बनाया है। लोटस के आकर्षक ऑफर्स और फायदेमंद स्कीम को सराहकर हमें शहर में लोकप्रिय बनाने के लिए हम आप सभी के आभारी हैं। लोटस अपने सभी सहभागियों का भी दिल से धन्यवाद करता है। अपने ग्राहकों के लिए लोटस भविष्य में ऐसे ही बेहतरीन ऑफर्स और सेवाएं सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा।

**OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER CHHATTISGARH RURAL ROAD DEVELOPMENT AGENCY PROJECT CIRCLE, BILASPUR (C.G.)**

NIT No 219/1000/Tender/CGRRDA/2026 Bilaspur Dated 07/04/2026

Superintending Engineer, Project Circle Bilaspur on behalf of Governor of Chhattisgarh invites package wise bids in electronic tendering system for, Zonal Tender Annual Maintenance/MOW/Patch Repair/Renewal Work/Road work/Other Minor work of Construction Rural Road Under PMGSY/MMGSVY, sanctioned for below mentioned district of the state, from the eligible contractors / Firms registered with unified registration system (e-registration) for the works mentioned below. Date of release of Invitation for Bids through e-procurement:

| S. No | NIT No | Work Name | Amount (Rs. in Lakhs) | Districts | Rate invited |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | 219 | Zonal Tender Annual Maintenance/MOW/ Patch Repair/ Renewal Work/Road work/Other Minor work of Construction Rural Road Under PMGSY/MMGSVY | 100.00 | Garella Pendra Marwahi | Percentage Rate SOR 06.06.2025 issued by CE, CGRRDA Raipur (1st Call) |

Detailed N.I.T. and other Details can be viewed on our website https://eproc.cgstate.gov.in. on or after 09/04/2026. In future any related corrigendum would be seen in the notice section of the website.

**Superintending Engineer**
**Chhattisgarh Rural Road Development Agency**
**Project Circle, Bilaspur, (C.G.)**
**E-mail: se_pmgsybsp@yahoo.com**

**S-47410**

**OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER CHHATTISGARH RURAL ROAD DEVELOPMENT AGENCY PROJECT CIRCLE, BILASPUR (C.G.)**

NIT No 218/998/Tender/CGRRDA/2026 Bilaspur Dated 07/04/2026

Superintending Engineer, Project Circle Bilaspur on behalf of Governor of Chhattisgarh invites package wise bids in electronic tendering system for, Zonal Tender Annual Maintenance/MOW/Patch Repair/Renewal Work/Road work/Other Minor work of Construction Rural Road Under PMGSY/MMGSVY, sanctioned for below mentioned district of the state, from the eligible contractors / Firms registered with unified registration system (e-registration) for the works mentioned below. Date of release of Invitation for Bids through e-procurement:

| S. No | NIT No | Work Name | Amount (Rs. in Lakhs) | Districts | Rate invited |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | 218 | Zonal Tender Annual Maintenance/MOW/ Patch Repair/ Renewal Work/Road work/Other Minor work of Construction Rural Road Under PMGSY/MMGSVY | 550.00 | Korba, Bilaspur, Mungeli | Percentage Rate SOR 06.06.2025 issued by CE, CGRRDA Raipur (2nd Call) |

Detailed N.I.T. and other Details can be viewed on our website https://eproc.cgstate.gov.in. on or after 09/04/2026. In future any related corrigendum would be seen in the notice section of the website.

**Superintending Engineer**
**Chhattisgarh Rural Road Development Agency**
**Project Circle, Bilaspur, (C.G.)**
**E-mail: se_pmgsybsp@yahoo.com**

**S-47416**

**छत्तीसगढ़ शासन, वन विभाग मोहला वनमंडल मोहला**

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि, मोहला वनमंडल मोहला के अंतर्गत काष्ठागार डिपो मानपुर में उपलब्ध ईमारती/ जलाऊ/ व्यापारिक बांस/ औद्योगिक बांस का निम्नानुसार e-Auction किया जाना प्रस्तावित है। इच्छुक केताओं से अनुरोध है कि, वे e-Auction में भाग लेवें। e-Auction की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस एवं समय पर संबंधित वनमंडल / काष्ठागार मानपुर से प्राप्त की जा सकती है।

**e-Auction Date-15-04-2026 Time -9.00 AM से 7.00 AM**

काष्ठागार का नाम-मानपुर

| क्र. | प्रजाति | नये वनोपज (घन मीटर) | | | पुराने वनोपज (घन मीटर) | | | योग (घन मीटर) | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | ईमारती | बल्ली | डेंगरी | ईमारती | बल्ली | डेंगरी | ईमारती | बल्ली | डेंगरी |
| 01 | सागौन | 287.228 | 8.468 | 0 | 588.275 | 19.506 | 0 | 875.503 | 27.974 | 0 |
| 02 | बीजा | 73.289 | 0 | 0 | 245.973 | 6.536 | 0 | 319.262 | 6.536 | 0 |
| 03 | साजा | 79.140 | 0 | 0 | 119.979 | 0 | 0 | 199.119 | 0 | 0 |
| 04 | धावड़ा | 18.663 | 0 | 0 | 13.645 | 0 | 0 | 32.308 | 0 | 0 |
| 05 | हल्दू मुण्डी | 0.645 | 0 | 0 | 24.064 | 0 | 0 | 24.709 | 0 | 0 |
| 07 | घाठा | 2.847 | 0 | 0 | 2.660 | 0 | 0 | 5.507 | 0 | 0 |
| 08 | कसही | 0 | 2.822 | 0 | 3.003 | 0 | 0 | 3.003 | 2.822 | 0 |
| 09 | कर्रा | 11.161 | 0 | 0 | 5.126 | 0 | 0 | 16.287 | 0 | 0 |
| 10 | सेन्हा | 13.910 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 13.910 | 0 | 0 |
| 11 | सलिहा-मोदे | 2.037 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2.037 | 0 | 0 |
| 12 | नीलगिरी | 0 | 0 | 0 | 6.751 | 0 | 0 | 6.751 | 0 | 0 |
| 13 | अन्य | 0 | 26.000 | 0 | 25.032 | 0 | 0 | 25.032 | 26.000 | 0 |
| | योग | 488.920 | 37.290 | 0 | 1034.508 | 26.042 | 0 | 1523.428 | 63.332 | 0 |
| | | नग | नो. टन | नग/ बंडल | नो. टन | | नग | नो. टन | | |
| 01 | व्यापारिक बांस | 40080 | 96.585 | 5000 | 11.457 | - | 45080 | 108.042 | | |
| 02 | औद्यो. बांस | 12000 | 159.496 | 880 | 11.333 | - | 12880 | 170.829 | | |
| | | नग | - | नग | - | नग | - | | | |
| 01 | जलाऊ च. सं. | 600 | - | 22 | - | 622 | - | | | |
| | डिपो - उपभोक्ता डिपो चौकी | | | घन मीटर | | घन मीटर | | | | |
| 01 | सागौन | 0 | 0 | 0 | 2.598 | 0 | 0 | 2.598 | 0 | 0 |
| | योग | 0 | 0 | 0 | 2.598 | 0 | 0 | 2.598 | 0 | 0 |

1. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कामर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। 2. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है। 3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कामर्स पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉगइन करके देख सकते हैं। 4. ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 40 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा।

**वनमंडलाधिकारी**
**मोहला वनमंडल मोहला**

**जी.- 262700073/3**

**केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय**
**संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित**
**56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058**
**वेबसाईट-www.sanskrit.nic.in**

**अधिसूचना संख्या- के.सं.वि./36014/विज्ञापन/2026-27/ योजना-1** **दिनांक- 01.04.2026**

**संस्कृत संवर्धन योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रण सूचना**

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित संस्कृत के संवर्धन की केन्द्रीय योजनाओं का क्रियान्वयन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के द्वारा किया जा रहा है। तदनुसार, संस्कृत के संवर्धन हेतु निम्नलिखित केन्द्रीय योजनाओं के तहत इच्छुक एन.जी.ओ./स्वैच्छिक संगठन/संस्थाएं/ विश्वविद्यालय/प्रकाशक/वैयक्तिक/छात्रों से ऑनलाइन माध्यम से आवेदन पत्र आमंत्रित किए जा रहे हैं:-

| क्र. सं. | योजना का नाम |
|---|---|
| 1. | **संस्कृत शिक्षण-** पारंपरिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/सरकारी विद्यालयों/गुरु शिष्य परम्परा संस्थाओं में शिक्षण हेतु संस्कृत एवं आधुनिक विषय के शिक्षकों की व्यवस्था तथा आवासीय छात्रवृत्ति |
| 2. | **सम्मान राशि-** अभावग्रस्त परिस्थितियों में रहने वाले प्रख्यात संस्कृत पण्डितों के लिए वार्षिक वृत्ति |
| 3. | **संस्कृत पुस्तकों के प्रकाशन, थोक खरीद और दुर्लभ संस्कृत ग्रन्थों के पुनर्मुद्रण।** |
| 4. | **शास्त्र चूड़ामणि-** संस्कृत शास्त्र के शिक्षण हेतु शास्त्र विद्वानों की अथवा सेवानिवृत्त संस्कृत विद्वानों की सेवाओं की उपयोगिता। |
| 5. | **संस्कृत संवर्धन कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ।** |
| 6. | **व्यावसायिक प्रशिक्षण-** पंजीकृत पारम्परिक संस्कृत संस्थाओं में प्रशिक्षण। |
| 7. | **अष्टादशी-** संस्कृत प्रचार हेतु अठारह परियोजनाएं। |
| 8. | **छात्रवृत्ति-** पारंपरिक एवं आधुनिक धारा में नियमित रूप से 9वीं कक्षा से पीएच.डी. तक संस्कृत/ पालि/प्राकृत भाषा को अध्ययन करने वाले छात्र/छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति |

**ऑनलाईन पंजीकरण आरम्भ तिथि 01.04.2026**
**ऑनलाईन पंजीकरण अन्तिम तिथि -30.06.2026 तथा छात्रवृति योजना हेतु अंतिम तिथि 31.08.2026.**
**नोट:- हालाँकि आवेदन के लिए पोर्टल पूरे वर्ष खुला रहेगा।**

i) आवेदन पत्र भरने से पूर्व यह सलाह दी जाती है कि प्रत्येक योजना के दिशानिर्देशों, मानदेय राशि, आवश्यक दस्तावेज, ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया एवं आवेदन पत्र को अग्रसारित करने की प्रक्रिया आदि की विस्तृत जानकारी हेतु कृपया केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.sanskrit.nic.in/schemes पर अवलोकन करें।
ii) उपरोक्त प्रत्येक योजना के लिए स्वत: नवीनीकरण नहीं होगा। इसलिए पिछले वर्ष के सभी अनुदान प्राप्त संस्थाओं को प्रत्येक वर्ष योजना के अंतर्गत नियमानुसार नवीन आवेदन करना अनिवार्य है।
iii) वित्तीय सहायता के लिए आवेदन पत्र पर विचार या अस्वीकृति, योजना के नियमानुसार, धन की उपलब्धता और अनुदान समिति की स्वीकृति आदि प्रक्रिया पर निर्भर करती है। अत: प्रत्येक योजनाओं के अन्तर्गत वित्तीय सहायता हेतु प्रतिवर्ष अलग से आवेदन करना अनिवार्य हैं।

**हस्ता./-**
**कुलसचिव प्र.**

**cbc21212/12/0001/2627**

## राशिफल

**मेष** - मन में नकारात्मक विचारों से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। माता का सानिध्य मिलेगा।

**वृष** - व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। संगीत में रुचि हो सकती है।

**मिथुन** - भागदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अनियोजित खर्चों में वृद्धि हो सकती है। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

**कर्क** - क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

**सिंह** - नौकरी में तरक्की के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। यात्रा पर जाना हो सकता है। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

**कन्या** - धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार का विस्तार हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

**तुला** - व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। धन की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

**वृश्चिक** - क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। माता से धन की प्राप्ति हो सकती है।

**धनु** - पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**मकर** - आलस्य की अधिकता रहेगी। कारोबार का विस्तार होगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बहन-भाइयों का सहयोग मिलेगा।

**कुंभ** - कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बातचीत में संयत रहें।

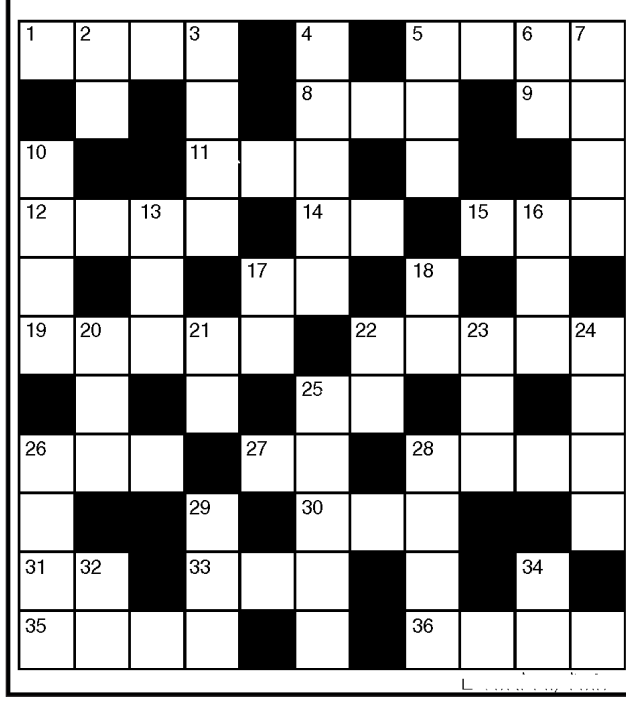

**मीन** - शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा, परन्तु शैक्षिक कार्यों में कठिनाई भी आ सकती है। जीवनसाथी से मतभेद बढ़ सकते हैं। सुखद समाचार मिलेगा।

## शब्द पहेली - 6189



**बाएँ से दाए**
1. चिकित्सा, इलाज-4
5. पैतृक संपत्ति-4
8. बलवा, क्रांति-3
9. निम्न-2
11. सुअर, शूकर-3
12. चौबीसवें तीर्थंकर-4
14. केश-2
15. मुनाफा, अर्जित-3
17. मैंदे की रोटी-2
19. मनोहर, आकर्षक-5
22. अनासक्ति, निर्विकारता-5
25. पानी, नीर-2
26. सूखा, दुष्काल-3
27. कांटा, कंटक-2
28. शांति, ध्वनिहीनता-4
30. तीक्ष्ण, तेजस्वी-3
31. लाख, गोंद-2
33. मधुक, महुआ-3
35. हृदयगति, स्पंदन-4
36. अनुक्रम, निरंतरता लयबद्ध-4

**ऊपर से नीचे**
2. पंख, पराया-2
3. राम का एक नाम-4
4. संरक्षक, देखरेख करने वाला, मुहाफिज-5
5. वियोग, जुदाई-3
6. गलत का विलोम-2
7. एकांतता, अकेलापन-4
10. मरियल, निर्बल-4
13. 'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16. मक्खन-3
17. रिश्ता-2
18. लाश-3
20. माला का मोती-3
21. यमराज-2
22. ललाट-2
23. ताप वर्धक-3
24. विदिर्ण-2.2
25. पानी का बहना-5
26. जुर्म, गुनाह-4
28. रसहीनता-4
29. प्रणाम, नमस्कार-3
32. लड़ी, श्रृंखला-2
34. दोस्त, सखा-2

**शब्द पहेली- 6188 का हल**



## सूडोकु नवताल 6199

★☆☆☆☆ सरल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 2 | | | | 1 | | |
| | | | | 2 | 5 | 7 | 3 | |
| | 9 | 4 | | 6 | 7 | | | 2 |
| | 5 | | 4 | | 3 | | | 9 |
| | 8 | | | 9 | | | 7 | |
| 1 | | | 6 | | 8 | | 2 | |
| 6 | | | 7 | 4 | | 9 | 5 | |
| | 4 | 5 | 8 | 3 | | | | |
| | | 8 | | | | 6 | | |

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु नवताल 6198 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 1 | 6 | 2 | 3 | 7 | 4 | 5 | 8 |
| 8 | 2 | 3 | 4 | 5 | 9 | 1 | 7 | 6 |
| 4 | 5 | 7 | 1 | 6 | 8 | 3 | 9 | 2 |
| 5 | 6 | 8 | 7 | 1 | 2 | 9 | 3 | 4 |
| 1 | 7 | 4 | 9 | 8 | 3 | 2 | 6 | 5 |
| 2 | 3 | 9 | 5 | 4 | 6 | 8 | 1 | 7 |
| 7 | 4 | 1 | 8 | 9 | 5 | 6 | 2 | 3 |
| 3 | 8 | 5 | 6 | 2 | 1 | 7 | 4 | 9 |
| 6 | 9 | 2 | 3 | 7 | 4 | 5 | 8 | 1 |

## प्रथम पृष्ठ का शेष

### छत्तीसगढ़ में चौका-...

के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। इसका व्यापक असर राज्य में महिलाओं की बदलती जीवनशैली का एक उजला अध्याय बनता जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के सामाजिक और आर्थिक ढांचे में महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। वर्ष 2011 से 1 मार्च 2026 के बीच के आंकड़ों का विश्लेषण करें तो राज्य में कामकाजी महिलाओं की कुल संख्या 50 लाख 46 हजार 359 से बढ़कर 61 लाख 28 हजार 748 हो गई है। यह वृद्धि दर्शाती है कि बीते 15 वर्षों में राज्य की लगभग 10.82 लाख अतिरिक्त महिलाएं कार्यबल का हिस्सा बनी हैं। जहां शहरी जिलों में औद्योगिक विकास ने राह दिखाई, वहीं नए बने जिलों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी महिलाओं के आत्मनिर्भर होने की प्रवृत्ति स्पष्ट नजर आ रही है।

### बड़े शहरों की...

लेकिन यहां वर्किंग वुमन की तादाद में उस तरह की वृद्धि नहीं नजर आ रही है, जैसी छोटे और ग्रामीण परिवेश वाले जिलों में दिखी है। प्रतिशत के हिसाब से बलौदाबाजार और सक्ती में महिलाओं के काम करने के रुझान में सबसे बड़ा बदलाव आया है, लेकिन दूसरी ओर बस्तर संभाग की स्थिति कुछ और ही कहानी कह रही है। बस्तर संभाग के कुछ जिलों (बस्तर, कांकेर, सुकमा) में कामकाजी महिलाओं की संख्या लगभग स्थिर बनी हुई है, जो वहां रोजगार के सीमित अवसरों या अन्य भौगोलिक कारणों की ओर इशारा करती है।

### साय ने पीएम मोदी...

शांति और विकास का सपना अब जमीन पर साकार हो रहा है। नक्सलवाद खत्म होने के बाद अब लोगों में डर नहीं, बल्कि उम्मीद और विकास की नई चमक है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन से बस्तर को नई दिशा और गति मिलेगी, जिससे क्षेत्र में विश्वास और उत्साह बढ़ेगा।

**इन परियोजनाओं का होगा शिलान्यास-**

प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे के दौरान जिन प्रमुख परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण की योजना है, उनमें रावघाट-जगदलपुर रेल लाइन, जगदलपुर एयरपोर्ट का विस्तार, सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, दंतेवाड़ा में मेडिकल कॉलेज, जगरगुंडा और ओरछा में एजुकेशन सिटी जैसी महत्वपूर्ण पहल शामिल हैं। ये परियोजनाएं बस्तर को शिक्षा, स्वास्थ्य और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी।

### अब योजना में...

7 जिलों और 3 नए जिलों गरियाबंद, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई तक विस्तारित हो रही है।

### 61 नई परियोजनाओं...

का निर्माण प्रस्तावित है। इसके अलावा 61 नई परियोजनाओं के लिए विशेष केंद्रीय सहायता की मांग भी की गई है।

### बीएसपी में हादसा,...

का प्राथमिक उपचार मेन मेडिकल पोस्ट में करने के बाद सेक्टर 9 हॉस्पिटल लाया गया। सभी का ईसीजी व एक्सरे किया गया।

### अफ्रीकन स्वाइन ...

का एक प्रमुख केंद्र है। यहां लंबे समय से बड़े पैमाने पर सूअर पालन किया जा रहा था। फार्म से न केवल दुर्ग-भिलाई, बल्कि प्रदेश के कई अन्य हिस्सों और पड़ोसी राज्यों में भी पोर्क की सप्लाई की जाती थी। फार्म मालिक पीओ जॉय के मुताबिक कुल 300 से 400 सूअर थे। 29 मार्च को पहली बार सैंपल लिया गया था। 1 अप्रैल से सूअरों की मौत शुरू हो गई। 6 अप्रैल तक करीब 300 सूअरों की मौत हो चुकी थी। बाकी को विभाग ने मार दिया। एक सूअर की कीमत करीब 30 हजार रुपए है।फार्म में 133 गर्भवती सुअर और करीब 400 बच्चे भी थे। फार्म मालिक के मुताबिक ऐसी गंभीर बीमारी की सूचना मिलने के बाद प्रशासन को 24 घंटे के भीतर कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि संक्रमण को अन्य फार्म तक फैलने से रोका जा सके। समय रहते कदम उठाए जाते, तो नुकसान कम हो सकता था। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें अपने नुकसान से ज्यादा चिंता इस बात की है कि यह बीमारी अन्य फार्म तक न फैले।

### सरकारी अफसर-कर्मियों...

विशेष आकस्मिक अवकाश मिलेगा। हर शिविर के लिए यात्रा समय समेत अधिकतम 12 दिन का अवकाश स्वीकृत होगा। इस अवधि को ऑन ड्यूटी माना जाएगा और पूरा वेतन दिया जाएगा। शिविर में भाग लेने के लिए किसी प्रकार का यात्रा भत्ता या अन्य खर्च शासन की ओर से वहन नहीं किया जाएगा।

### मंत्री का रिश्तेदार...

थाने में मामला दर्ज कराया। पुलिस अब दोनों आरोपी पति-पत्नी की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार रामभांठा निवासी समारु राम टंडन ड्राइवर का काम करता है। वह एक साल पहले गाड़ी लेकर रायपुर गया था। उसी दौरान रायपुर के जय स्तंभ चौक में ग्राम भद्ररसी जिला महासमुंद निवासी कुमार राम ठाकुर और उसकी पत्नी सहोद्रा बाई ठाकुर से मुलाकात हो गई। चर्चा के दौरान कुमार राम ठाकुर ने समारु को बताया कि वह प्रदेश के कृषि मंत्री राम विचार नेता का बहनोई है और उसका मंत्रालय में काफी जान पहचान है। मंत्रालय में पहुंच होने की बात कही तो समारु झांसे में आ गया। उसने उसे मोबाइल नंबर भी दे दिया। समारु रायपुर से घर लौटा और अपने बेट डिगेश कुमार का बायोडॉटा भेज दिया। आरोपी ठाकुर राम ने नौकरी के लिए पांच लाख रुपए की मांग की। इधर नौकरी लगने की खुशी में समारु अपने रिश्तेदारों को भी बताया। साथ ही पिंटू लहरे, भतीजा राजेश साहू और सुशील चौहान के बेटे लोकनाथ को भी बता कर उनका बायोडॉटा भी भेज दिया। कुछ दिन बाद आरोपी ठाकुर राम रायगढ़ आया और समारु से मिला। अपने बेटे की नौकरी के लिए समारु ने 4 लाख कैश दे दिया। एक लाख ऑनलाइन देने की बात कही। इसके बाद अन्य सभी ने मिलकर 9 लाख 92 हजार किसी तरह व्यवस्था किया और आरोपी को ऑनलाइन भेज दिया।

ऐसे दिया झांसा : पैसे लेने के बाद आरोपी ठाकुर राम ने 12 दिसंबर को मंत्रालय में कंम्प्यूटर पद पर ज्वाइनिंग देने की बात कही। ठीक 12 दिसंबर को ही ठाकुर राम ने रायगढ़ फोन किया और समारु को अभी विधानसभा सत्र चलने की बात कहते हुए बाद में ज्वाइनिंग होने की बात कही। इसके बाद समारु और अन्य लोगों ने उससे संपर्क कर बार-बार जानकारी लेने लगे। इस दौरान आरोपी टाल मटोल करता रहा। जब उनको ठगी की आशंका हुई तो समारु, उसकी पत्नी ममता टंडन, राजेश साहू, सुशील चौहान और शनिराम साहू उसके गांव पहुंचे और नौकरी नहीं करने की बात कहते हुए रकम लौटाने की मांग की। आरोपी ठाकुर राम और उसकी पत्नी सहोद्रा बाई ने सभी को बोल दिया कि पैसा नहीं देंगे, जो करना है कर लो। इसके बाद समारु और अन्य ने बीते 5 अप्रैल को कोतवाली थाने में दोनों पति पत्नी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 3 (5), 318 (4) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है। कोतवाली पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

### महिला को तीन...

सूर्यकांत, न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना, न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह, न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले, न्यायमूर्ति आर. महादेवन और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची शामिल हैं। सुनवायी के दौरान, केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उन्हें 2018 के सबरीमला फैसले में की गई उस टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति है, जिसमें कहा गया है कि 10-50 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं को मंदिर में प्रवेश से रोकना 'अस्पृश्यता' का एक रूप है, जो संविधान के अनुच्छेद 17 का उल्लंघन करता है। सबरीमला मामले में, न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ का मत था कि उम्र या मासिक धर्म की स्थिति के आधार पर महिलाओं को केरल के शबरिमला मंदिर में प्रवेश से रोकना /"अस्पृश्यता/" का एक रूप है जो उन्हें अधीनस्थ स्थिति में रखता है, पितृसत्ता को कायम रखता है और उनकी गरिमा के लिए अपमानजनक/" है। मेहता ने कहा, /"भारत उतना पितृसत्तात्मक या लैंगिक रूढ़िवादिता वाला देश नहीं है जितना पश्चिम समझता है।

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने तब कहा, सबरीमला के संदर्भ में अनुच्छेद 17 पर बहस कैसे की जा सकती है, यह मुझे समझ नहीं आता। एक महिला होने के नाते, मैं कह सकती हूं कि हर महीने तीन दिन अस्पृश्यता नहीं हो सकती और चौथे दिन कोई अस्पृश्यता नहीं होती।

मेहता ने कहा कि वह मासिक धर्म के मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सबरीमला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर रोक का संबंध मासिक धर्म से नहीं है और यह प्रतिबंध केवल आयु वर्ग के आधार पर लगाया गया है। उन्होंने कहा, स्पष्ट कर दें। सबरीमला मंदिर केवल एक विशेष आयु वर्ग के लिए है। इसमें कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। देश और दुनिया भर में भगवान अय्यप्पा के मंदिर सभी उम्र की महिलाओं के लिए खुले हैं। यह केवल एक मंदिर है जहां यह रोक है। यह एक अनूठा मामला है। इस मामले की सुनवाई फिलहाल जारी है।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

Sai Care Hospital श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सोमवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय : शाम 6 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवाएं: कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डायबिटीज (मधुमेह) उपचार, लिवर व किडनी रोग, पाइल्स (बवासीर) का ऑपरेशन, थाइरॉयड सर्जरी, हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप), ब्रेस्ट लंप / ट्यूमर सर्जरी
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बडों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS शिव साईटिका तेल
शिव सायटिका
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
सिरप, कैप्सूल व ऑयल उपलब्ध है 94060-21769
HMS देखकर खरीदें
नकली माल से सावधान

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

## आवश्यकता है

**आवश्यकता है-** कैंटीन में काम करने, नाश्ता, खाना बनाने हेतु दो लोगों की आवश्यकता है है जिनके पास गाड़ी हो तुरन्त सम्पर्क करें- पद्मावती नाश्ता और टिफिन सेन्टर, मंगला बिलासपुर 9755655055 **(40484)**

**आवश्यकता है-** थोक दवा दुकान में माल निकालने, जमाने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन 8000, सम्पर्क करें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा, बिलासपुर 7430000011 **(40489)**

**आवश्यकता है-** डेयरी में काम करने के लिए मेहनती एवं ईमानदार लड़कों की अतिशीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। तत्काल सम्पर्क करें- अनन्त डेयरी, राजेन्द्र नगर बिलासपुर 7999282845 **(40490)**

**आवश्यकता है-** दुकान में कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है कार्य समय सुबह 10बजे से शाम 8:30 बजे तक वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7879012728 **(40492)**

**आवश्यकता है-** सर्जिकल ऑफिस में कार्य हेतु लड़की/ लड़को की। लड़कों के पास स्वयं का बाइक अनिवार्य, समान छोड़ने लाने हेतु, (10वी, 12वीं), सम्पर्क- श्री विनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर बिलासपुर 9893367787 **(40493)**

**आवश्यकता है-** कार चलाने हेतु अनुभवी लाइसेन्सी, जिम्मेदार ड्राइवर की आवश्यकता है। शहर के रास्तों की जानकारी हो। जिसे वेतन योग्यतानुसार। सम्पर्क करें- महेन्द्र जेम्स एण्ड ज्वेलर्स मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 9171325702 **(40483)**

**आवश्यकता है-तिफरा परसदा सिरगिट्टी बिलासपुर के प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थान हेतु सुरक्षा गार्डों की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन शासकीय नियमानुसार। आवास निःशुल्क। अपने मूल दस्तावेजों के साथ तत्काल सम्पर्क करें- ग्राउण्ड फ्लोर, अम्बे प्लाजा तिफरा बस स्टैण्ड बिलासपुर 89640 50263, 9522239468 (40472)**

**आवश्यकता है-** डेंटल क्लीनिक में कार्य करने हेतु डेंटल असिस्टेंट (मेल/ फीमेल), रिसेप्शनिस्ट एवं सफाई कर्मी की आवश्यकता है सम्पर्क करें- खेत्रपाल मल्टी स्पेशलिटी डेंटल क्लीनिक मुंगेली नाका चौक बिलासपुर 9111052333 **(40486)**

**आवश्यकता है-** थोक दवाई दुकान में होम डिलीवरी, ट्रांसपोर्ट में छोड़ने एवं दुकान के कार्य हेतु पार्ट टाइम/ फुल टाइम लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें प्रीमियर एजेन्सीज, मेडिकल कॉम्प्लेक्स, तेलीपारा, बिलासपुर **(40487)**

**आवश्यकता है-**फैक्ट्री में लोडिंग अनलोडिंग हेतु हमाल, एक सुपरवाइजर एवं एक ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री शारदा इण्डस्ट्रीज, इण्डस्ट्रीयल एरिया, तिफरा बिलासपुर 7869919759 **(40479)**

**आवश्यकता है-**तत्काल भर्ती फिल्ड ऑफिसर- 10 (स्वयं की बाइक) सुपरवाईजर- 10 सुरक्षागार्ड- 50, (कार एवं कम्प्यूटर चलाने वाले को प्राथमिकता) बिलासपुर रायगढ हेतु। पता- बॉस सिक्यूरिटी बालाजी प्लाजा शॉप नं. 210 विधानी चौक हेमू नगर बिलासपुर 9111000881, 9303280228, 89628 15185 **(40470)**

**आवश्यकता है-**गोवा में सम्मान जनक परिवार के लिए भरोसेमंद महिला घर सहायिका House Help आयु 25 से 40वर्ष, हाई स्कूल पास, अच्छा वेतन सम्पर्क करें-72258 44359, 98482 50331 **(6625)**

**आवश्यकता है-**विज्ञापन एजेन्सी में सुपरवाईजर, ड्राईवर इलेक्ट्रीशियन, फ्लेक्स माउंटिंग हेतु लड़कों एवं एलईडी लेटर कार्य हेतु लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सी-15 ग्राउण्ड फ्लोर, नारायण प्लाजा, बिलासपुर 62645 50163, 9685542250, 9644004113 **(40475)**

**आवश्यकता है-**सिक्युरिटी कम्पनी में कार्य करने हेतु इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें, गार्ड की ऊंचाई 5'-5'' होना अनिवार्य तथा 10वीं पास होना चाहिए, अनुभवी को वरीयता दी जाएगी, वेतन 11000/- से शुरु अच्छे व्यक्ति के लिए वेतन में वृद्धि किया जाएगा, मिलने का समय 10 से 6बजे, सम्पर्क-उमा सिक्योरिटी सर्विसेज, बहतराई स्टेडियम चौक के पास, बिलासपुर, 9981630084, 94255 34940 **(40465)**

**आवश्यकता है-**रेस्टोरेन्ट बार हेतु वेटर चाहिए अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क- सूर्या बार एण्ड रेस्टोरेन्ट, पुराना बस स्टैण्ड के पास बिलासपुर 9993583617 (फोन करने का केवल समय प्रातः 11 से 5 तक) **(40462)**

**आवश्यकता है-**घरेलू कार्य हेतु महिला (खाना साफ सफाई सुबह, रात तक पोस्ट 15 एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर लड़की (MS Word, MS Excel, Tally Prime हिन्दी टाईपिंग) पोस्ट 25 ड्राईवर अनुभवी पोस्ट- 20 हाऊस किपिंग स्टाफ (गर्ल एवं ब्यॉय) 25 पता- बॉस सिक्युरिटी बालाजी प्लाजा शॉप नं. 210 विधानी चौक हेमू नगर बिलासपुर 8889823100, 9098069415 **(40471)**

**आवश्यकता है-**हार्डवेयर एवं बोर्ड गोदाम में कार्य हेतु लेबर, सुपरवाइजर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- मोदी हार्डवेयर, अग्रवाल मिट्टी तेल गोदाम, अल्ट्राटेक सीमेन्ट गोदाम के पहले, औद्योगिक क्षेत्र, तिफरा बिलासपुर 7415515151 **(40478)**

**आवश्यकता है-**सुपर बाजार में हेल्पर कार्य हेतु लड़को की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता वेतन 8000+ बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- अपना सुपर बाजार SBI ATM के पास, रिंग रोड नं.-2, बिलासपुर 7470592624 **(40477)**

**आवश्यकता है-**फील्ड वर्क, पेमेंट रिकवरी, ऑफिस कम्प्यूटर ऑपरेटर बिजी GST अकाउंट, कोटेशन के जानकार लड़के/ लड़की मिस्त्री मैकेनिक मेंटेनेंस हेतु लड़के चाहिए पता- गुरुद्वारा के बाजू में गोड़पारा बिलासपुर 9669211111, 9827175811 **(40481)**

**आवश्यकता है-**Ammaji Traders Field Officer, Salesman की आवश्यकता है। प्रारंभिक वेतन 15000 रहेगा, कार्य के आधार पर आगे बढ़ाया जा सकता है। बाहरी कार्य हेतु इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- 8962151642, 6266732985 **(40482)**

**आवश्यकता है-**तखतपुर (बिलासपुर) स्थित राइस मिल में न्यूनतम 10 वर्ष अनुभवी मशीन ऑपरेटर (मिस्त्री) की आवश्यकता है जिसे अच्छा वेतन एवं रहने की व्यवस्था प्रदान की जाएगी सम्पर्क करें- 8754507712, 79873 09303 **(40467)**

**आवश्यकता है-** 60 वर्षीय महिला वकील की शाम 5बजे से सुबह 7बजे तक देखभाल हेतु 35-40 वर्ष की एक महिला चाहिए वेतन 6000 सम्पर्क करें- सोनगंगा कॉलोनी सीपत रोड बिलासपुर 7869759897, 9893968977 **(40469)**

Required - Accounts Teacher Post - 1 Qualification M.Com (B.Ed), Pre Primary Teacher Post-1 Minimum Qualification Graduate, School Driver Post-1 Interested Candidate may apply with Biodate at Dhaniram Memorial School Barpali 74406 29999 **(20986)**

**आवश्यकता है-**मार्केटिंग कार्य करने हेतु अनुभवी मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव की आवश्यकता है सम्पर्क करें- रामकृष्णा हॉस्पीटल रौनक भवन गांधी चौक बिलासपुर 9770528914, 07752 412828 **(40466)**

**आवश्यकता है-**बैरन बाजार रायपुर स्थित व्यवसायिक प्रतिष्ठान में 25 से 40वर्षीय पढ़ी लिखी महिला केयर टेकर की आवश्यकता है 24 घंटे रहने, खाने की सुविधा एवं अच्छा वेतन सम्पर्क करें- 72258 44359 **(6626)**

**आवश्यकता है-**मल्टी नेशनल कम्पनी में 5 हेल्पर चाहिए स्वयं का वाहन अनिवार्य वेतन 5000 से 10000 पता- शांति नगर बिजली सब स्टेशन सिद्ध शिखर अपार्टमेन्ट के पास मंगला चौक बिलासपुर 9131514165 **(40468)**

**आवश्यकता है-**सुरक्षागार्ड गनमैन, सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर कामवाली बाई। वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री पता- श्रीसांई सिक्युरिटी, सांई निवास कॉम्प्लेक्स, जेजे हॉस्पिटल के बाजू तोरवा बिलासपुर 93011 86703, 8253010291, 8085233213, 72230 26026 **(40406)**

**आवश्यकता है**
अग्रणी दोपहिया वाहन डीलरशिप (सर्विस) में कार्य करने हेतु निम्नपदों की आवश्यकता है।
सर्विस एडवाजर-4 पद
फ्लोर सुपरवाइजर-1 पद
टेक्नीशियन-6 पद
PDI टेक्नीशियन-6 पद
पार्ट पीकर-3 पद
सिक्योरिटी गार्ड-2 पद
फिल्ड एग्जीक्यूटिव (सेल्स)-6 पद
वेतन योग्यतानुसार अनुभवी को प्राथमिकता
वाक इन इंटरव्यू 12 PM से 2PM दिनांक -8/4/2026 से 10/4/2026 तक
मौसाजी होंडा
सीपत रोड, सरकंडा, बिलासपुर
9827482440
maosajihondabilaspur@gmail.com

**आवश्यकता है-**सलवार सूट, ब्लाउज सिलाई करने वाले की आवश्यकता है विशेष प्रोफेशनल सिलाई कार्य केवल एक माह में सिखाया जाता है सम्पर्क करें- परफेक्ट बुटीक मुंगेली नाका बिलासपुर 7389444785 **(40458)**

**आवश्यकता है-**घर में रहकर घरेलू खाना बनाने के लिए अनुभवी पुरुष कुक (व्यक्ति) की आवश्यकता है सम्पर्क करें-9827195555 **(40463)**

**आवश्यकता है-** सुनहरा अवसर नौकरी सीधी पक्की भर्ती परमानेंट बेसेस पर (10+12th )पास लड़के लड़किया, आवेदन करे, कुल सीट-7220 , पद- फॉरेस्ट गार्ड, क्लर्क, वनपाल, चपरासी सैलरी - (32020 - 44900) आवेदन हेतु - मार्कसीट, आधारकार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो व्हाट्सएप/कॉल करे - 9635451523 **(1381)**

**आवश्यकता है-**होलसेल मेडिकल दुकान हेतु अनुभवी सेल्समेन, माल निकालने हेतु लड़के/ लड़की, लोकल में माल छोड़ने हेतु एवं पैकिंग हेतु लड़कों की। बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- जगत एजेन्सी/ ट्रेडर्स, तेलीपारा बिलासपुर **(26-27/0008)**

**छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ**

## बेचना है

**बेचना है-** बुधिया काम्प्लेक्स सरकंडा मेन रोड फेसिंग 10×23= (230 वर्गफिट) स्टेट बैंक सरकंडा से लगी दुकान बेचना है सम्पर्क करें- 9340094419 **(40459)**

**बेचना है-**सकरी मेन रोड, जैन इंटरनेशनल स्कूल के पास विकसित कॉलोनी में कमर्शियल शॉप्स। बेहतर रेन्टल इंकम। मुख्य सड़क से लगी पॉश कॉलोनी 3BHK प्रीमियम लग्जरी हाउस बेचना है सुविधाएं अंडर ग्राउंड इलेक्ट्रीसिटी, 24×7 CCTV, क्लब हाउस, गार्डन, मन्दिर सीमित यूनिट्स सम्पर्क- 7799957000, 8109412221 **(40424)**

**बेचना/किराया है-** रिंग रोड नम्बर 2 पर सिद्ध शिखर अपार्टमेन्ट में 2BHK फ्लैट एवं लिंगियाडीह शॉपिंग सेन्टर में 12×20 की दुकान बेचना है या किराए से देना है। सम्पर्क करें- 9039591990 **(40488)**

**बेचना है-** 55x40 मेन डामर रोड डबल स्टोरी पुराना मकान बना, ग्राम मोहरा 22लाख एवं 280 फ्रंट 29 डिसमिल डामर नहर रोड सेमरताल मौके पर 50 डिसमिल 650/- फुट सम्पर्क- 9827938236, 8770963388 **(40485)**

**बेचना है-** प्राइम लोकेशन बेलेजा सैलून के पीछे नर्मदा नगर बिलासपुर में 3BHK 2400 वर्गफुट में निर्मित मकान बेचना है रेट 1.60 करोड़ सम्पर्क करें- 7898198271, 9301588883 **(40491)**

**बेचना है-**जांजगीर पुटपुरा चौक नेशनल हाईवे मार्ग में चन्देल पेट्रोल पम्प से आगे 50 फुट चौड़ा, 13 डिसमिल जमीन शीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 9009459938, 97540 94457 **(40474)**

Medicare Specialists
यौन रोग व यौन कमजोरी
प्रायः सदियों से लोग जानते हैं कि जब कोई रोग किसी भी उपाय से ठीक नहीं होता वो केवल आयुर्वेद के द्वारा ही जड़मूल से ठीक होता है लेकिन कुछ लोगों के मति मारे जाने के कारण अपने को संकट में डाल लेते हैं।
क्या आपको किसी प्रकार के वायरस (बैक्टिरिया) संक्रमण रोग है जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी छाले, चमड़ी का फटना, खुजली, लाल होना, पेशाब में जलन या पीप आना, मुंह में छाले, पेट के दाहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग हेपेटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सुजाक) रुबेला या एच.आई.वी. (HIV, AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं। तुरंत खून की जाँच करायें। यदि खून का रिपोर्ट ठीक भी है और आप रोग से परेशान है तो भी इसका स्थायी जड़ से ईलाज केवल आयुर्वेद के रस-रसायन में ही संभव है अन्य कोई उपाय नहीं है इसी को इम्यूनोथैरिपी कहा जाता है। ये गुप्त रोगों के नीम हकीमों से बचकर रहें तो इनकी झूठी बातें एवं निराशा से बच सकते हैं।
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर क्लिनिक आई.एस. ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी.के. अग्रवाल बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659,93039-48500
96177-89223,93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

## फायनेंस

**फायनेंस-**प्रगति फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस पर्सनल कृषि महिला समूह मकान दुकान लघु उद्योग पर्सनल लोन आधार कार्ड पैन कार्ड प्रति उपलब्ध 2% ब्याज 30% छूट सम्पर्क करें- 74895 45029 **(1377)**

## सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

## हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

# कांस्टेबल परीक्षा ठुकराई, आईपीएल खेलने निकला नजफगढ़ का 'प्रिंस'

## लखनऊ सुपर जायंट्स के स्विंग गेंदबाज प्रिंस यादव ने अक्षर और ईशान के डिफेंस को भेदा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कुछ साल पहले तक नजफगढ़ में रहने वाले रेलवे सुरक्षा बल के सहायक सब इंस्पेक्टर (एएसआई) राम निवास यादव अपने सबसे छोटे बेटे प्रिंस के भविष्य को लेकर बेहद चिंतित थे, जिसकी दिलचस्पी केवल टेनिस बॉल टूर्नामेंट में यॉर्कर गेंदबाजी करने में थी। लेकिन इस युवा क्रिकेटर को खुद पर भरोसा था और उसने अपने पिता से सीधे शब्दों में कह दिया, 'आप मेरी चिंता करना छोड़ दो। मैं अपने से कुछ कर लूंगा।' अब बात करते हैं 2026 की। वह बेपरवाह दिखने वाला लड़का अपने वादे पर खरा उतर चुका है। लखनऊ सुपर जायंट्स के इस स्विंग गेंदबाज का नाम है प्रिंस यादव, जो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अक्षर पटेल और ईशान किशन जैसे अनुभवी भारतीय बल्लेबाजों के डिफेंस को भेदने में सफल रहा।

### 18 साल की उम्र तक नहीं खेला चमड़े की गेंद से

प्रिंस के पिता रामनिवास ने कहा, 'कोई भी पिता अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित होगा और मैं भी था। 18 साल की उम्र तक उसने चमड़े की गेंद से एक बार भी गेंदबाजी नहीं की थी। मैंने उसे दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल की परीक्षा में बैठने के लिए मजबूर किया। वह शारीरिक रूप से फिट था, लेकिन लिखित परीक्षा के लिए अच्छी तरह से तैयार नहीं था क्योंकि उसका ध्यान कहीं और था।' रामनिवास ने आखिर अपने बेटे की जिद मान ली क्योंकि उनके पास अपने बेटे का साथ देने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। उन्होंने कहा, 'बेटे की जिद है और हमें पूरा करना था। एक एएसआई के वेतन में कितना ही गुजारा हो पाता है। लेकिन मुझे खुशी है कि मैंने उसे अपनी इच्छा पूरी करने दी।'

### अब हमारा इलाका क्रिकेट के लिए फेमस

प्रिंस के शानदार प्रदर्शन के बाद अब नजफगढ़ के खेड़ा डाबर गांव से भी लोग उनके घर पर बधाई देने के लिए आने लगे हैं। उन्होंने कहा, 'पहले हमारे इस इलाके को लोग इसलिए जानते थे क्योंकि पूर्व राष्ट्रपति साहिबा (प्रतिभा पाटिल) चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेदिक संस्थान का उद्घाटन करने (2012में) यहां आई थी। अब हमारा इलाका क्रिकेट के लिए फेमस हो गया है।' राम निवास के अनुसार प्रिंस के पहले और अब तक के एकमात्र कोच अमित वशिष्ठ और भारत के अंडर-19 विश्व कप विजेता तेज गेंदबाज प्रदीप सांगवान ने उनके खेल में निखार लाने में अहम भूमिका निभाई।

### पीठ पर रेत की बोरी और खेतों में दौड़

राम निवास ने कहा, मैं अमित सर का जितना भी शुक्रिया अदा करूं, कम है। उन्होंने प्रिंस को टेनिस टूर्नामेंट खेलते हुए देखा और उसे नजफगढ़ स्थित अपनी अकादमी से जुड़ने के लिए कहा। प्रदीप जी (सांगवान) भी अमित सर के शिष्य थे और उन्होंने प्रिंस को फिटनेस में मदद की।' एक समय ऐसा भी था जब प्रिंस अपनी पीठ पर रेत की बोरी बांधकर धान के खेतों में दौड़ते थे ताकि उनके शरीर का ऊपरी हिस्सा मजबूत बन जाए। रामनिवास ने कहा, 'प्रदीप ने उसका बहुत मार्गदर्शन किया और अमित सर ने उसके खेल में सुधार किया।

### प्रिंस कड़ी मेहनत करने से पीछे नहीं हटा : कोच वशिष्ठ

प्रिंस के कोच वशिष्ठ ने कहा, 'वह यॉर्कर गेंदें फेंक सकता था और टेनिस बॉल को भी अच्छी गति से स्विंग करा सकता था। जब मैंने उसे देखा तो मैंने उसके दोस्तों से कहा कि वे उसे मुझसे मिलने के लिए कहें। वह पहले से ही 18 साल का था और उसके पास अपनी काबिलियत साबित करने के लिए बहुत कम समय था।' वशिष्ठ को लगता है कि प्रिंस की कड़ी मेहनत करने की क्षमता ही उन्हें दूसरों से अलग बनाती है। उन्होंने कहा, ' वह कड़ी मेहनत करने से पीछे नहीं हटा। वह दिल्ली की भीषण गर्मी में भी दो घंटे गेंदबाजी कर सकता है। प्रदीप के साथ काम करने से उसकी फिटनेस में सुधार हुआ है। वह जहीर खान और भरत अरुण से भी टिप्स ले चुका है। अब उसकी सफलता की कोई सीमा नहीं है।'

## खबर संक्षेप

### पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में हारे अभय

**नई दिल्ली।** भारत के शीर्ष खिलाड़ी अभय सिंह मिस्र के एल गौना में चल रही पीएसए प्लैटिनम प्रतियोगिता एल गौना ओपन स्क्वाश के पुरुष वर्ग के दूसरे दौर में पांच गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में यूसुफ इब्राहिम से हार गए। विश्व में 25वें नंबर के खिलाड़ी अभय ने सोमवार को खेले गए मैच में अच्छी शुरुआत की थी। उन्होंने विश्व में सातवें नंबर के खिलाड़ी इब्राहिम के खिलाफ पहला और तीसरा गेम जीता, लेकिन वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए। मिस्र के छठे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी इब्राहिम ने आखिर में यह कड़ा मुकाबला 7-11 11-9 9-11 11-5 11-8 से जीता। यह मैच 68 मिनट तक चला, जिससे इब्राहिम ने खिताब के लिए अपनी दावेदारी मजबूत कर दी है।

### बीसीबी अध्यक्ष पद से हटाए गए अमीनुल

**ढाका।** बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से द्विपक्षीय संबंधों को फिर से शुरू करने का अनुरोध किए जाने के कुछ ही दिन बाद देश की राष्ट्रीय खेल परिषद (एनएससी) ने पूर्व कप्तान और बीसीबी के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल को पद से हटा दिया और नए चुनाव होने तक बोर्ड के दैनिक कामकाज को चलाने के लिए तदर्थ समिति का गठन किया है। बीसीबी के सूत्रों के अनुसार बुलबुल को मुख्य रूप से टी20 विश्व कप के दौरान हुए विवाद के कारण हटाया गया। बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को 11 सदस्यीय तदर्थ का प्रमुख बनाया गया है। इस समिति की जिम्मेदारी अगले 90 दिन के भीतर क्रिकेट बोर्ड के चुनाव करवाना है।

### हमें बल्लेबाजी में सुधार करने की जरूरतः क्लासेन

**नई दिल्ली।** दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने उम्मीद जताई कि सनराइजर्स हैदराबाद इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र में अच्छी शुरुआत नहीं करने के बावजूद आगे खेल के सभी विभागों में अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहेगा। क्लासेन ने कहा, 'हमारी बल्लेबाजी अब तक ठीकठाक रही है, लेकिन हमने तीन मैचों में लगभग 40 रन कम बनाए। हमें बल्लेबाजी में और सुधार करने की जरूरत है। जिन दो मैचों में हमें संघर्ष करना पड़ा, उनमें हमने बल्ले से अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। हमारे गेंदबाजों विशेषकर तेज गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। हमें 220-230 रन बनाने होंगे ताकि हमारे गेंदबाजों को लक्ष्य का बचाव करने का मौका मिल सके।' उन्होंने कहा, ' हमारी फील्डिंग अच्छी नहीं रही है और इससे हमारा प्रदर्शन प्रभावित हुआ है। मैं अभी तक हमें 10 में से छह अंक दूंगा। हमने कुछ चरणों में शानदार क्रिकेट खेली लेकिन खेल के महत्वपूर्ण मौकों पर चूक गए।'



## दिल्ली में आज शाम 7.30 बजे से भिड़ेंगी अक्षर और शुभमन की टीमें

आईपीएल 14वां मुकाबला

# दिल्ली कैपिटल्स की नजर हैट्रिक पर, पहली जीत की चाह में गुजरात

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईपीएल के 14वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का सामना बुधवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में गुजरात टाइटंस (जीटी) से होगा। अक्षर पटेल की कप्तानी में डीसी जीत की हैट्रिक लगाने के इरादे से इस मुकाबले में उतरेगी। वहीं, जीटी को इस सीजन की पहली जीत की तलाश होगी। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से बल्लेबाजी में समीर रिजवी का प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने लगातार दो मुकाबलों में नाबाद अर्धशतकीय पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई है।

पाथुन निसांका ने भी पिछले मुकाबले में 30 गेंदों पर 44 रनों की अहम पारी खेली थी। हालांकि, केएल राहुल और नीतीश राणा की फॉर्म जरूर डीसी के लिए चिंता करने वाली बात रही है। राहुल 2 मुकाबलों में सिर्फ एक रन ही बना सके हैं। वहीं, गेंदबाजी में मुकेश कुमार और लुंगी एनगिडी की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया है। मुकेश ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आखिरी मुकाबले में 26 रन देकर 2 विकेट चटकाए थे। टी नटराजन ने 3 ओवर में 24 रन देकर एक विकेट निकाला था। अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की स्पिन जोड़ी भी शुरुआती दो मुकाबलों में उम्मीदों पर खरी उतरी है।

### गुजरात टाइटन्स के दोनों विभाग लड़खड़ाए

गुजरात टाइटन्स एक ऐसी टीम है, जो दोनों विभाग में लड़खड़ा रही है। गुजरात टाइटन्स अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर जरूर से ज्यादा निर्भर नजर आ रही है और उसका मध्यक्रम नहीं चल पा रहा है। गुजरात टाइटन्स को अपने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 205 रन का लक्ष्य से हासिल कर लेना चाहिए था, लेकिन सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन से मिली अच्छी शुरुआत का मध्यक्रम के बल्लेबाज फायदा नहीं उठा सके। ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया जैसे मध्यक्रम के बल्लेबाजों को दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है।

### गुजरात ने हारे शुरुआती दोनों मैच

दूसरी ओर, गुजरात टाइटंस को आईपीएल 2026 के शुरुआती दोनों ही मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आखिरी मुकाबले में 210 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम 204 रन ही बना पाई थी। बल्लेबाजी में साई सुदर्शन कमाल की लय में नजर आए हैं। हालांकि, सुदर्शन को दूसरे छोर से बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिल सका है।

### गिल कर सकते हैं वापसी

शुभमन गिल पूरी तरह से फिट न होने के कारण आखिरी मुकाबले में नहीं खेले थे। हालांकि, इस मैच में उनकी प्लेइंग इलेवन में वापसी होना लगभग तय माना जा रहा है। जोस बटलर, ग्लेन फिलिप्स, वॉशिंगटन सुंदर, राहुल तेवतिया और शाहरुख खान उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। गेंदबाजी में भी सिराज और रबाडा की जोड़ी ने काफी रन खर्च किए हैं। वहीं, प्रसिद्ध कृष्णा भी लाइन एंड लेंथ से भटके दिखाई दिए हैं।

### टीमें इस प्रकार

**दिल्ली कैपिटल्सः** अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, करुण नायर, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, माधव तिवारी, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, बेन डकेट, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, साहिल पारख।

**गुजरात टाइटंसः** शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, शाहरुख खान, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, जयंत यादव, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, पृथ्वी राज येरा, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, अरशद खान।

# राजस्थान की लगातार तीसरी जीत : मुंबई को 27 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

राजस्थान रॉयल्स ने 13वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 27 रन से हरा दिया। मंगलवार को मिली इस जीत से रॉयल्स की टीम 19वें सीजन की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर आ गई है।

- जायसवाल ने नाबाद 77 रन बनाए, 3 बॉलर्स को 2-2 विकेट

टीम ने लगातार तीसरा मैच जीता है, वहीं, मुंबई ने लगातार दूसरा मैच गंवाया है। गुवाहाटी में मैच से पहले ही बारिश होने लगी। इस कारण मैच दो घंटे देरी से शुरू हुआ। इसे 11-11 ओवर का कर दिया गया था। टॉस हारकर बैटिंग कर रही राजस्थान ने 11 ओवर में तीन विकेट पर 150 रन बनाए। जवाब पारी में मुंबई 11 ओवर में 9 विकेट पर 123 रन ही बना सकी।

### वैभव ने किया बुमराह, बोल्ट और शार्दुल का छक्के से स्वागत

वैभव सूर्यवंशी का तूफानी अंदाज आईपीएल 2026 में जारी है और मुंबई इंडियंस के खिलाफ उन्होंने

बेहतरीन बल्लेबाजी की। 15 वर्षीय वैभव ने जसप्रीत बुमराह का स्वागत छक्के से किया। बुमराह के ओवर में सूर्यवंशी ने दो छक्के लगाए। इसके बाद ट्रेंट बोल्ट की भी पहली गेंद पर वैभव ने छक्का लगाया और फिर शार्दुल ठाकुर का भी यही अंजाम हुआ। शार्दुल ठाकुर के ऊपर भी वैभव सूर्यवंशी ने दो बेहतरीन छक्के लगाए। वैभव ने अपनी पारी 14 गेंद की ही खेली लेकिन राजस्थान को तूफानी शुरुआत दिलाई। उन्होंने 14 गेंद पर 39 रन ठोके और अपनी पारी में सिर्फ एक चौका और पांच छक्के लगाए। आखिरी में वह शार्दुल ठाकुर का ही शिकार बने।

### वैभव-यशस्वी की तीसरी 70 प्लस पार्टनरशिप

वैभव और यशस्वी की जोड़ी ने 30 गेंद पर 80 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। लगातार तीसरे मैच में वैभव और यशस्वी की जोड़ी ने 70 या उससे अधिक रन की साझेदारी की। इससे पहले सीएसके के खिलाफ 38 गेंद पर 75, गुजरात टाइटंस के खिलाफ 38 गेंद पर 70 रन की साझेदारी की थी।

# नेपोली ने एसी मिलान को हराया, खिताब की उम्मीद बरकरार

## इटालियन फुटबॉल लीग सीरी ए में पोलिटानो ने दागा जीत का गोल

एजेंसीः तूरिन

स्थानापन्न खिलाड़ी मैटियो पोलिटानो के 79वें मिनट में किए गए गोल की मदद से नेपोली ने एसी मिलान को 1-0 से हराकर इटालियन फुटबॉल लीग सीरी ए में खिताब जीतने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा। नेपोली इस मैच से पहले एसी मिलान से एक अंक और शीर्ष पर काबिज इंटर मिलान से 10 अंक पीछे तीसरे स्थान पर था।

इन दोनों क्लब के लिए खिताब की उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए इस मैच में जीत जरूरी थी। मैच में हालांकि गोल करने की बहुत कम मौके बने और ऐसे में पांच मिनट पहले स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरने वाले पोलिटानो का गोल निर्णायक साबित हुआ। इस जीत से नेपोली के 31 मैच में 65 अंक हो गए हैं जबकि एसी मिलान के इतने ही मैच में 63 अंक हैं। इंटर मिलान 31 मैच में 72 अंक लेकर अब भी खिताब की दौड़ में सबसे आगे बना हुआ है। एक अन्य मैच में युवेंटस ने जेनोआ को 2-0 से हराया। इस जीत से युवेंटस ने चौथे स्थान पर काबिज कोमो से अंतर को घटाकर एक अंक कर दिया। कोमो को उडिनीस ने गोलरहित से ड्रॉ पर रोका।

### गिरोना ने विलारियाल को हराया

**गिरोना।** विलारियाल को आत्मघाती गोल के कारण गिरोना से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में तीसरे नंबर पर अपनी स्थिति मजबूत करने की उसकी उम्मीदों को करारा झटका लगा। विलारियाल अगर इस मैच में जीत जाता तो वह चौथे स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से चार अंक आगे हो जाता। एटलेटिको मैड्रिड को बार्सिलोना से अपने घरेलू मैदान पर हार का सामना करना पड़ा था। पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में अर्नाउ के क्रॉस का शॉट पाउ नवारो पर लगा और गेंद उनके ही गोलकीपर को चकमा देते हुए गोल में चली गई। विलारियल 30 मैच में 58 अंक लेकर तीसरे स्थान पर बना हुआ है। *वह दूसरे नंबर पर काबिज रियाल मैड्रिड (69) से नौ अंक और शीर्ष पर स्थित बार्सिलोना (76) से 18 अंक पीछे है। गिरोना 37 अंक के साथ दो पायदान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गया है।*

### रूस के खिलाफ तीन फ्रेंडली मैच खेलेगी महिला टीम

भारत की अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम रूस के खिलाफ 11 से 17 अप्रैल तक सोची में तीन मैत्री मैच खेलेगी। भारतीय टीम की मुख्य कोच पामेला कोंटी ने इस दौरे के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। यह मैच 11, 14 और 17 अप्रैल को सोची के मात्सेस्टा फुटबॉल सेंटर में खेले जाएंगे। इस साल चीन में होने वाले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारी कर रही भारतीय टीम सोची पहुंची। भारतीय महिला टीम पिछले महीने यांगून गई थी, जहां उसने मेजबान टीम के खिलाफ दो मैत्री मैच खेले। इन दोनों मैच में उसने जीत (2-0 और 3-2) हासिल की थी। इसके बाद भारतीय टीम ने बेंगलुरु में अभ्यास शिविर में हिस्सा लिया था। सूजौ में होने वाले एशियाई कप में भारत को ग्रुप बी में रखा गया है, जहां उसका सामना ऑस्ट्रेलिया (दो मई), जापान (पांच मई) और लेबनान (आठ मई) से होगा। सभी मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे शुरू होंगे।

# अर्जेंटीना से 4 मैचों की सीरीज खेलेगी महिला हॉकी टीम

एजेंसी ▶▶| तूरिन

भारत की सीनियर महिला हॉकी टीम चार मैचों की श्रृंखला के लिए अर्जेंटीना का दौरा करेगी। इस श्रृंखला के मैच 13 से 17 अप्रैल तक ब्यूनस आयर्स के सीएएनएआरडी में खेले जाएंगे। भारतीय टीम अपने मैच 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को अर्जेंटीना के नेशनल सेंटर ऑफ हाई परफार्मेंस एथलेटिक्स सेंटर (जिसे सीएएनएआरडी के नाम से भी जाना जाता है) में खेलेगी। भारत और अर्जेंटीना के बीच हाल में कुछ कड़े मुकाबले खेले गए हैं। इनमें पिछले साल जून में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 का मैच भी शामिल है, जिसका फैसला 2-2 से बराबर रहने के बाद पेनल्टी शूटआउट में किया गया। भारतीय टीम का यह दौरा बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप और इस साल के आखिर में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। इससे भारतीय टीम को विभिन्न संयोजन आजमाने का मौका भी मिलेगा।

### दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक अर्जेंटीना

*भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'हम 24 खिलाड़ियों की टीम के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं। यह एक सोच-समझकर लिया गया निर्णय है। इस दौरे का उद्देश्य अधिक से अधिक खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर पर प्रदर्शन करने का मौका देना है। अर्जेंटीना दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है और इस श्रृंखला से हमें प्रति खिलाड़ी को परखने का मौका मिलेगा।*


**दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे**

**निविदा सूचना**

**निविदा सूचना क्र. : सीनियर डी.ई.ई. (आर.एस.एवं जी.) बी.एस.पी./ओ.टी.पी./ 25-26-44 दिनांक : 26.03.2026**

**कार्य का नाम :** बिशरामपुर (BRH) में 20 यूनिट टाइप-II, 6 यूनिट टाइप-III, 10 यूनिट टाइप-IV क्वार्टर्स, सेवा भवन, ADEN, ADEE, ADSTEऔर ARM कार्यालय और अधिकारियों का विश्राम गृह, ओवरहेड टैंक, पंप हाउस, RPF बैरक और अन्य विविध कार्यों का निर्माण।

**निविदा मूल्य :** रु. 1,34,52,498/- **अमानत राशि :** रु. 2,17,300/- **निविदा बंद होने की तिथि व समय :** दिनांक 27.04.2026, 15:00 Hrs. बजे

विस्तृत जानकारी /निविदा दस्तावेज का विक्रय पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण निविदा दस्तावेज जो हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है उससे डाउनलोड कर देख सकते है।

**वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (आर. एस. एवं सामान्य)**

सीपीआर/10/AM/793 **द.पू.म.रे., बिलासपुर**

South East Central Railway @secrail



**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)**

क्रमांक 79/न.पा.नि./2026 रायगढ़ दिनाँक 06/04/2026

**ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना**

नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

| क्र. | सि.नि. क्र. | कार्य का विवरण | अनु. लागत राशि रू. (लाख में) | निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 188524 | CONSTRUCTION OF CC ROAD FROM SAVITRI NAGAR TO SONUMUDA BASTI UPTO GOVT PRIMARY SCHOOL AT W.N. 38 | 17.45 | 28.04.2026 |
| 2 | 188527 | CONSTRUCTION OF TALAB GHAT NEAR SANTOSHI MANDIR AT W.N. 41 (TURKUMUDA). | 15.00 | 28.04.2026 |
| 3 | 188536 | CONSTRUCTION OF STORM WATER DRAIN (NALA) FROM BACK SIDE OF MITTHUMUDA SAMUDAYIK BHAVAN TO SAVITRI NAGAR NALA AT W.N. 36 | 48.75 | 28.04.2026 |

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

**कार्यपालन अभियंता न.पा.नि., रायगढ़**



**कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)**

Email Id: birgaonmcp@gmail.com http://www.nagarnigambirgaon.com

क्रं./78/ न.पा.नि./लो.नि.शाखा/2025-26 बीरगांव, दिनांक 02/04/2026

**ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना**

**e-Procurement Tender Notice (1st Call)**

नगर पालिक निगम बीरगांव द्वारा अधोसंरचना मद अन्तर्गत विभिन्न स्थानों में सी.सी. रोड, आर.सी. सी. नाली एवं अन्य निर्माण कार्य (विभिन्न प्रकृति के 17 कार्य) के लिए System Tender No System Tender 183786, 183787, 183788, 183790, 183791. 183792, 183795, 183800, 183801, 183802, 183805, 183809, 183810, 183811, 183812, 183813 and 183814 अनुसार लोक निर्माण विभाग में [Following work as per schedule of rates for Road works issued by Engineer-In-Chief PWD Raipur in force from 01.01.2025, Building S.O.R. in force from 01.01.2015, ELECTRICAL S.O.R 01.06.2020, and amendments applicable upto date of issue of NIT.] से प्रचलित एस. ओ. आर. में प्रतिशत दर पर ( System Tender 183786, 183787, 183788, 183790, 183791. 183792, 183795, 183800, 183801, 183802, 183805, 183809, 183810, 183811, 183812, 183813 and 183814, Bid Start Date 05.04.2026, Bid Due date. 27.04.2026, Physical Submission Last Date 30.04.2026, Open Date 01.05.2026) तक ई- निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक सक्षम पात्र निविदाकार, निविदा प्रपत्र, अनुमानित लागत राशि, नियम एवं शर्तें, धरोहर राशि, Key Date एवं विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निकाय कार्यालय से प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव की वेबसाईट www.nagarnigambirgaon.com व संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में भी उपलब्ध है। इसे https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड प्राप्त कर ईटेण्डरिंग के (माध्यम से निविदा भरने की कार्यवाही कर सकते है ।

**कार्यपालन अभियंता**
**नगर पालिक निगम बीरगांव**
**जिला-रायपुर (छ.ग.)**

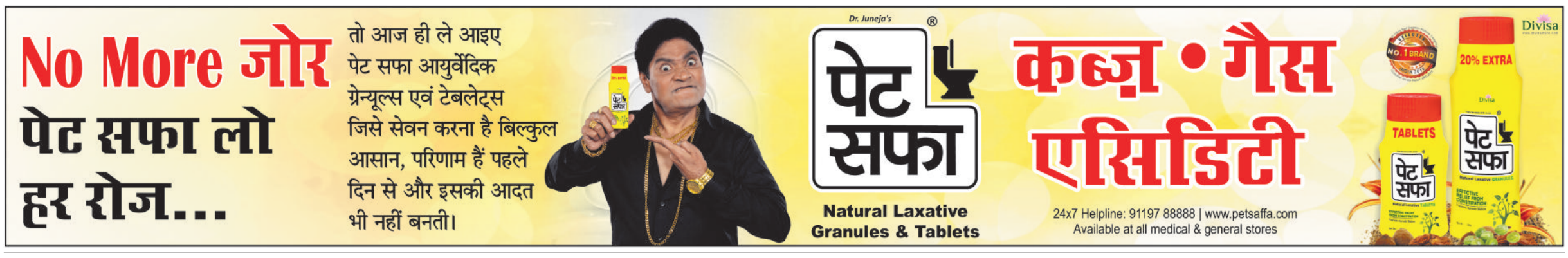


# खत्म होने की कगार पर है ये देश, 1 करोड़ लोगों की जान आफत में!

**हवाना।** दुनिया के नक्शे पर एक छोटा सा द्वीप देश क्यूबा इन दिनों इतिहास के सबसे बुरे संकट से गुजर रहा है। तेल की कमी इतनी गंभीर हो गई है कि देश में लगातार बिजली कट रही है। कई इलाकों में 12 से 20 घंटे तक बिजली नहीं आती। पूरा देश अंधेरे में डूबा हुआ है। खाना पकाने के लिए लोग लकड़ी और कोयला जला रहे हैं। अस्पतालों में सर्जरी रुक गई हैं, दवाइयां खत्म हो रही हैं और कचरा सड़कों पर सड़ रहा है। क्यूबा की आबादी लगभग 1 करोड़ 10 लाख है। हाल के महीनों में देश में तीन बार पूरे द्वीप पर ब्लैकआउट हो चुका है। ईरान-अमेरिका वॉर के बीच ये देश अब धीरे-धीरे खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है, लेकिन कोई भी इसका जिक्र नहीं कर रहा।

### क्या है असली वजह?

क्यूबा लंबे समय से अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों से जूझ रहा है। हाल ही में अमेरिका ने वेनेजुएला से आने वाले तेल शिपमेंट्स को रोक दिया है। इसके बाद मेक्सिको और अन्य देशों को भी तेल भेजने पर टैरिफ और दबाव का सामना करना पड़ा। नतीजा यह हुआ कि क्यूबा को तीन महीने से कोई बड़ा तेल टैंकर नहीं मिला है। देश अपनी जरूरत का सिर्फ 40% तेल खुद पैदा कर पाता है। बाकी आयात पर निर्भर था। सरकार का कहना है कि यह 'तेल ब्लॉकेड' जानबूझकर लगाया गया है। राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल ने इसे 'मानवीय संकट' बताया। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव और डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने भी चिंता जताई है।

### बदतर हुए हालात

मार्च 2026 में ही देश में तीन बड़े ब्लैकआउट दर्ज किए गए। बिजली उत्पादन के लिए जरूरी तेल ना मिलने से पुराने बिजलीघर बंद पड़े हैं। सरकार ने इमरजेंसी उपाय अपनाए हैं– कार्यालयों के समय कम किए गए हैं, ईंधन की बिक्री सीमित कर दी गई है और जरूरी सेवाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

### स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित

देश में हजारों लोग सर्जरी का इंतजार कर रहे हैं, दवाइयों की कमी से पुरानी बीमारियों वाले मरीजों की स्थिति बिगड़ रही है। हवाना और अन्य शहरों में बसें कम चल रही है। लोग पैदल या साइकिल से काम पर जा रहे हैं। पानी की सप्लाई भी बिजली पर निर्भर होने से प्रभावित है। स्कूल और दफ्तर बंद हो रहे हैं। खाने की कीमतें आसमान छू रही हैं। कई परिवार अब एक समय का खाना खाकर गुजारा कर रहे हैं। क्यूबा सरकार ने सोलर एनर्जी बढ़ाने की कोशिशें तेज कर दी हैं, लेकिन पुरानी बिजली व्यवस्था और तेल की कमी के कारण स्थिति तुरंत सुधर नहीं रही है।

# हाईकोर्ट ने पूछा- नेहरू चौक से पेंड्रीडीह तक सड़क का निर्माण कब होगा

बिलासपुर। शहर और आसपास की जर्जर सड़कों को लेकर हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने लोक निर्माण विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर (ईई) को शपथपत्र में जवाब देने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने पूछा है कि नेहरू चौक से पेंड्रीडीह (रायपुर रोड) तक सड़क का निर्माण कब होगा। शासन की ओर से कहा गया कि एनआईटी रायपुर की विस्तृत रिपोर्ट मिलने के बाद प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलते ही काम तेजी से शुरू किया जाएगा। पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट कमिश्नर ने अपनी रिपोर्ट पेश की, जिसमें बताया कि, एनएच-343 (बलरामपुर-रामानुजगंज रोड) की हालत बेहद खराब है, यहां दो-दो फीट गहरे गड्ढे हैं, जिनमें भारी वाहन फंस जाते हैं। इसी तरह रायगढ़ जिले में 9 ब्लैक स्पाट, बिलासपुर में 2, मुंगेली में 4 और बलौदाबाजार-भाटापारा में 4 ब्लैक स्पाट मिले हैं। शहर के अंदर नए पुल से नेहरू चौक, दयालबंद, गांधी चौक से सीएमडी मार्ग सहित कई सड़कें खराब हैं। रायगढ़ के कुनकुरी इलाके में कोल वॉशरी की वजह से काली धूल सड़कों पर फैल रही है और हादसों का कारण बन रही है।

### लापरवाही से हो रहे हादसे, बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे

इस पर डिवीजन बेंच ने साफ कहा कि सड़कों की दुर्दशा और लापरवाही से हो रहे हादसे बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। इधर सिरगिट्टी क्षेत्र में औद्योगिक कंपनियों की गाड़ियों के कारण सड़कें खराब हो रही हैं। यहां से दाधापारा तक तीन किलोमीटर की सड़क खराब हो गई है। इसके कारण आने जाने वालों को परेशानी हो रही है। हाईकोर्ट के संज्ञान पर जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि दो कोल कंपनियों की गाड़ियां इस रास्ते से जा रहीं थीं। इसमें छग कोल पावर बेनिफिशरी और मेसर्स अमित कोल लाइंस ने सड़क को 25 लाख रुपए में सुधारने और उसके रखरखाव का जिम्मा उठाया है। इस पर शपथपत्र में जानकारी देने के निर्देश कोर्ट ने दिए हैं।

# चांद बनेगा दुनिया का पावर हाउस!

## जापान अब चंद्रमा के चारों ओर बनाने जा रहा सौर रिंग

**टोक्यो।** जापान ने अंतरिक्ष और ऊर्जा के क्षेत्र में एक ऐसी क्रांतिकारी योजना पेश की है, जिसे सुनकर किसी साइंस-फिक्शन फिल्म की याद आ जाए। जापानी कंपनी शिमिजु कॉरपोरेशन ने चांद के चारों ओर एक सोलर रिंग बनाने का प्रस्ताव रखा है, जो धरती की बिजली की जरूरतों को हमेशा के लिए खत्म कर सकती है।

इंसान की बिजली की भूख को मिटाने के लिए अब तक हम कोयले, पानी और सूरज की किरणों का सहारा लेते आए हैं। लेकिन, जापान ने अब एक ऐसी योजना पर काम शुरू किया है, जिसे सुनकर अच्छे-अच्छों के होश उड़ जाएं. जापानी कंपनी शिमिजु कॉरपोरेशन ने चांद के चारों ओर एक विशालकाय लूनर सोलर रिंग बनाने का प्रस्ताव दिया है। अगर यह प्रोजेक्ट हकीकत बनता है, तो धरती को कभी न खत्म होने वाली बिजली मिल सकेगी।

### क्या है लूनर रिंग का मेगा प्लान?

जापानी इंजीनियरों के अनुसार, चांद पर न तो बादल होते हैं और न ही वहां कोई वायुमंडल है। इसका मतलब है कि वहां सूरज की रोशनी 24 घंटे बिना किसी रुकावट के मिलती रहती है। इसे देखते हुए जापान के वैज्ञानिक चाहते हैं कि चांद की भूमध्य रेखा के चारों तरफ करीब 11,000 किलोमीटर लंबी और 400 किलोमीटर चौड़ी सौर पैनलों की एक पट्टी बिछाई जाए। चूंकि चांद पर इंसानों को भेजकर इतना बड़ा काम करना मुश्किल है, इसलिए जापान वहां स्वायत्त रोबोट की एक फौज भेजने की योजना बना रहा है। ये रोबोट वहीं की मिट्टी और संसाधनों का इस्तेमाल करके कंक्रीट और सौर पैनल बनाएंगे।

### चांद से धरती तक कैसे आएगी बिजली?

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि चांद पर बनी बिजली धरती तक कैसे पहुंचेगी? इसके लिए जापान ने दो हाई-टेक तरीके बताए हैं। इसमें पहला तरीका लेजर बीम का है, जिससे चांद पर मौजूद पावर स्टेशन बिजली को लेजर किरणों में बदलेंगे और सीधे धरती पर बने रिसीविंग स्टेशनों पर भेजेंगे। वहीं, दूसरा तरीका माइक्रोवेव ट्रांसमिशन का है, जिसमें बिजली को माइक्रोवेव ऊर्जा में बदलकर धरती की ओर 'बीम' किया जाएगा। यहां लगे बड़े एंटीना इस ऊर्जा को फिर से बिजली में बदल देंगे।

**क्यों पड़ी इस आइडिया की जरूरत** : जापान ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर होना चाहता है। धरती पर सौर ऊर्जा के साथ सबसे बड़ी समस्या यह है कि रात में या बादल होने पर बिजली नहीं बनती. लेकिन चांद पर बनी यह सौर बेल्ट हर साल 13,000 टेरावाट बिजली पैदा कर सकती है, जो पूरी दुनिया की मौजूदा खपत से कहीं ज्यादा है।

### कहां आ रही मुश्किल?

भले ही जापान का यह प्लान सुनने में शानदार लग रहा हो, लेकिन इसके रास्ते में पहाड़ जैसी मुश्किलें हैं। सबसे पहले तो इस प्रोजेक्ट में अरबों-खरबों डॉलर का खर्च आने वाला है, जो किसी एक देश के लिए कर पाना काफी मुश्किल लग रहा है।

दूसरा, चांद पर गिरने वाले उल्कापिंड इन पैनलों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अगर कोई भी उल्कापिंड इन पैनलों से टकराया तो इसको दोबारा रिपेयर करना बहुत मुश्किल टास्क है। जापान का मानना है कि इस योजना को चांद की सतह पर उतारने में साल 2035 या उससे ज्यादा का समय लग सकता है।

# विशिष्ट पदों पर लंबे समय तक भर्ती नहीं होना,आम आदमी के हित में नहीं

बिलासपुर। स्वतः संज्ञान वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के डिवीजन बेंच ने कहा, विशिष्ट पदों पर लंबे समय तक भर्ती प्रक्रिया के लंबित रहने का मतलब है, आम आदमी के हित में नहीं है। नाराज हाई कोर्ट ने हेल्थ सिकरेट्री को नोटिस जारी कर शपथ पत्र के साथ जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। विशेष रूप से एमडी मनोचिकित्सक की भर्ती में हो रही देरी को लेकर डिवीजन बेंच ने नाराजगी जताई है।

दरअसल चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच में छत्तीसगढ़ में पर्याप्त मानसिक स्वास्थ्य देखभाल बुनियादी ढांचा और सुविधाओं की कमी, तथा विशेषज्ञ पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूरी होने में हो रहे विलंब को स्वतः संज्ञान में लेते हुए जनहित याचिका के रूप में सुनवाई चल रही है। स्वास्थ्य सचिव ने शपथ पत्र पेश करते हुए हाई कोर्ट को जानकारी दी है, मनोचिकित्सकों की नई भर्ती प्रक्रिया चल रही है। सचिव ने बताया कि पिछली भर्ती प्रक्रिया असफल हो गई थी। 6 एमडी मनोचिकित्सक पदों के लिए एक प्रस्ताव छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग सीजीपीएससी को भेजा गया। वह प्रस्ताव वित्त विभाग की मंजूरी का इंतजार कर रहा था। मनोचिकित्सकों के अलावा परामर्शदाताओं और नैदानिक मनोवैज्ञानिकों की भर्ती प्रक्रिया चल रही थी। पैथोलॉजिस्ट की भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, एक उम्मीदवार का चयन किया गया है। स्वास्थ्य सचिव द्वारा पेश शपथ पत्र में कोर्ट को भर्ती प्रक्रिया में आने वाली चुनौतियों के संबंध में जानकारी देते हुए बताया है। पीजी की सीमित सीटों के कारण योग्य मनोचिकित्सकों की कमी तो

बनी हुई है। इसके अलावा कड़े नियम और प्रशिक्षण संबंधी अनिवार्य शर्त को भी शामिल किया गया है। स्वास्थ्य सचिव ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि इन बाधाओं के बावजूद, सरकार राज्य भर में रिक्त पदों को भरने और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं मे के लिए लगातार प्रयास कर रही है। डिवीजन बेंच ने साफ कहा, ऐसे विशिष्ट पदों पर भर्ती का लंबे समय तक लंबित रहना, विशेषकर मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में आम जनता के लिए गंभीर रूप से अहितकर सिद्ध होता है। डिवीजन बेंच ने स्वास्थ्य सचिव को निर्देश देते हुए कहा, कोर्ट के पूर्व निर्देशों और भर्ती प्रक्रिया की अपडेट स्टेटस के साथ शपथ पत्र के साथ जानकारी दे। जनहित याचिका की अगली सुनवाई के लिए डिवीजन बेंच ने 28 अप्रैल, 2026 की तिथि तय कर दी है।

# विकलांगता प्रमाण पत्र की वैधता की जांच करने का अधिकार सक्षम चिकित्सा बोर्ड को

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण कानूनी व्यवस्था देते हुए स्पष्ट किया है कि किसी भी व्यक्ति के विकलांगता प्रमाण पत्र की वैधता और उसकी प्रमाणिकता की जांच करने का एकमात्र अधिकार सक्षम चिकित्सा बोर्ड को है। जस्टिस एके प्रसाद की सिंगल बेंच ने एक शिक्षक की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि राजस्व अधिकारियों के पास चिकित्सा विशेषज्ञता नहीं होती, इसलिए वे ऐसे प्रमाण पत्रों को अमान्य घोषित नहीं कर सकते।

पूरा प्रकरण महासमुंद जिले का है, जहां लखन बिहारी पटेल वर्ष 2010 में विकलांग श्रेणी के अंतर्गत सहायक शिक्षक के पद पर नियुक्त हुए थे। उस समय जिला चिकित्सा बोर्ड ने उन्हें 45.4 प्रतिशत 'श्रवण बाधित' होने का प्रमाण पत्र जारी किया था। विवाद की शुरुआत तब हुई जब दिसंबर 2017 में लखन बिहारी के सगे भाई, कैलाश चंद्र पटेल ने पारिवारिक भूमि विवाद के चलते कलेक्टर से शिकायत की। शिकायत में आरोप लगाया गया कि शिक्षक ने हेराफेरी कर फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी पाई है। इस शिकायत पर कलेक्टर ने एसडीएम को जांच के निर्देश दिए। 13 अगस्त 2020 को एसडीएम ने अपनी जांच रिपोर्ट में याचिकाकर्ता शिक्षक पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए उनके प्रमाण पत्र को अमान्य कर दिया और आपराधिक कार्यवाही की सिफारिश की। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि एसडीएम ने 2010 के मूल प्रमाण पत्र को गलत साबित करने के लिए 2018 की एक ऑडियोमेट्रिक रिपोर्ट का आधार बनाया था। अदालत ने इस तर्क को खारिज करते हुए कहा कि समय के साथ विकलांगता की स्थिति में सुधार होना या बदलाव आना पिछले प्रमाण पत्र के फर्जी होने का सबूत नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने इसे 'साक्ष्य की त्रुटि' करार दिया। जस्टिस एके प्रसाद ने अपने फैसले में जोर दिया कि 'विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016' की धारा 52 के तहत एक वैधानिक तंत्र निर्धारित है। अधिकारियों ने इस कानूनी प्रक्रिया को दरकिनार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि किसी भी सरकारी अधिकारी को तकनीकी आंकलन के लिए विशेष चिकित्सा बोर्ड की राय पर ही निर्भर रहना चाहिए। हाईकोर्ट ने यह भी पाया कि याचिकाकर्ता को अपना पक्ष रखने या स्वतंत्र चिकित्सा साक्ष्य प्रस्तुत करने का उचित अवसर नहीं दिया गया, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन है।

# रायपुर बार एसोसिएशन चुनाव में पुरुषों को 50 प्रतिशत आरक्षण, हाईकोर्ट ने हटाने कहा

बिलासपुर। इसी माह 17 अप्रैल को होने जा रहे रायपुर बार एसोसिएशन चुनाव में पुरुषों को दिए गए 50 प्रतिशत आरक्षण के खिलाफ पेश याचिका पर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने नाराजगी जाहिर की। जस्टिस नरेश कुमार चंद्रवंशी ने निर्देश दिया है कि, पुरुषों को दिए गए आरक्षण को तत्काल हटाया नहीं गया तो कल ही रोक लगा दी जाएगी। दरअसल 17 अप्रैल को रायपुर बार एसोसिएशन का चुनाव होना है। इस चुनाव को लेकर निर्वाचन अधिकारी ने पुरुषों के लिए 50 प्रतिशत पद आरक्षित कर दिए थे। इससे एक नया विवाद खड़ा हो गया और हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। मामले में पैरवी कर रही अधिवक्ता हमीदा सिद्दीकी ने बताया कि, संविधान में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए 30 प्रतिशत का आरक्षण निर्धारित किया गया है, न्याय के क्षेत्र में महिलाएं भी योगदान देती है पर यहां महिलाओं के आरक्षण को छोड़ पुरुषों को 50 प्रतिशत आरक्षण दे दिया गया है। इस पर आज सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने नाराजगी जाहिर करते हुए निर्देश दिया है कि, पुरुषों को दिए गए इस आरक्षण को तत्काल हटाया जाए नहीं तो कल ही सुनवाई में इस पर रोक लगा दी जाएगी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com